वार्षिक प्रतिवेदन
2018–19

NIAM

सी.सी.एस. राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (सी.सी.एस. नियाम)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

जयपुर, राजस्थान, भारत

www.ccsniam.gov.in

वार्षिक प्रतिवेदन
2018–19

सी.सी.एस. राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (सी.सी.एस. नियाम)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
जयपुर, राजस्थान, भारत
www.ccsniam.gov.in

विषय–सूची

क्रमांक	विषय–सूची	पृष्ठ संख्या
1.	**परिचय**	**1**
1.1	संस्थान	1
1.2	दृष्टि	1
1.3	ध्येय (मिशन)	1
1.4	अधिदेश	2
1.5	उद्देश्य	3
1.6	साधारण निकाय (जी.बी), कार्यकारी परिषद तथा शैक्षणिक स्थायी समिति का गठन	3
1.7	दस शैक्षणिक केंद्रों की स्थापना	4
1.8	मुख्य विषय क्षेत्र	4
1.9	हितधारक	5
1.10	भागीदारीः राष्ट्र तक पहुंचने के लिए गतिशील माध्यम	6
2.	**सी.सी.एस नियाम के प्रशिक्षण कार्यक्रम**	**8**
2.1	सी.सी.एस नियाम द्वारा संचालित प्रशिक्षिण कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं	9
2.2	सी.सी.एस नियाम के शोध कार्यक्रम – समाधान खोजने के लिए किए गए शोध कार्य (एक्शन रिसर्च)	10
2.3	सी.सी.एस नियाम द्वारा संचालित शोध कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं	12
2.4	सी.सी.एस नियाम के परामर्श कार्यक्रम : समस्याओं को दूर करने हेतु शेयरधारकों की सहायता करना	12
2.5	सी.सी.एस नियाम की नीति समर्थन कार्यक्रम : हितधारकों के लिए तकनीकी	13
2.6	सी.सी.एस नियाम के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम : स्थानीय कार्यवाई हेतु वैश्विक सोच	14
2.7	सी.सी.एस नियाम का शिक्षा कार्यक्रम : कृषि–व्यवसाय प्रबंधन हेतु भावी पीढ़ी तैयार करना	15
2.8	सी.सी.एस नियाम का आर.के.वी.वाई आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर : कृषि–स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना	16
2.9	आर.के.वी.वाई–आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर के तहत कार्यान्वित कार्यक्रम	17
3	**शैक्षणिक केंद्रों (सेंटर्स) सी.सी.एस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान**	**19**
3.1	सी.सी.एस नियाम नीति, सुधार और कार्यक्रम केंद्र	19
3.2	सी.सी.एस नियाम कृषि विपणन योजना और विकास केंद्र	21
3.3	आई.सी.टी तथा ई–नाम हेतु सी.सी.एस नियाम केंद्र	23
3.4	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों हेतु सी.सी.एस नियाम केंद्र	24
3.5	सी.सी.एस. नियाम निगरानी और मूल्यांकन केंद्र	29
3.6	सार्वजनिक निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) हेतु सी.सी.एस. नियाम केंद्र	32
3.7	कृषि–व्यवसाय प्रबंधन एवं शिक्षा हेतु सी.सी.एस. नियाम केंद्र	33
3.8	कृषि लॉजिस्टिक्स हेतु सी.सी.एस. नियाम केंद्र	42
3.9	नवाचार, उद्यमिता एवं कौशल विकास के लिए सी.सी.एस. नियाम केन्द्र	44
3.10	संस्थागत भवन के लिए सी.सी.एस. नियाम केंद्र	46
4.	**अधिगम्य कार्यक्रम (आउटरीच कार्यक्रम)**	**48**

क्रमांक	विषय–सूची	पृष्ठ संख्या
5.	**महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन**	**49**
	पुरस्कारों एवं मान्यता	
6.	**मिडिया में सी.सी.एस नियाम**	**51**
7.	**स्थापना दिवस**	**53**
7.1	पर्ल जयंती (जुबली) समारोह (किसानों की सेवा में तीस दशक)	53
7.2	दस शैक्षणिक केंद्रों का शुभारंभ	53
7.3	पर्ल जयंती पर लोगो (प्रतीक चिह्न) जारी करना	53
7.4	बुक लॉन्च	54
7.5	पोस्टल कवर का शुभारंभ	54
7.6	आधारशिला रखने का दिन	54
8.	**अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियां (इवेंट)**	**55**
8.1	कृषि–विकास 2018 (29 –30 जून, 2018, भुवनेश्वर)	55
8.2	कृषि उत्पादन, मूल्य श्रृंखला एकीकरण और बाजार लिंकेज में ग्रासरूट इनोवेशन	56
8.3	मेगा एग्री एक्सपो – 2019 मधुबनी, बिहार में सी.सी.एस. नियाम की भागीदारी	57
8.4	कृषि कुंभ 2018	57
8.5	चिआ सीड शुरू करना (रायथू मित्र किसान निर्माता कंपनी मैसूर, कर्नाटक का एक उत्पाद)	57
9	**पुस्तकालय**	**58**
9.1	सी.सी.एस. नियाम कृषि विपणन समाचार ई–अलर्ट सेवाएँ	59
10	**प्रकाशन**	**59**
10.1	प्रकाशित लेख और शोधपत्र	60
10.2	ई–बुलेटिनः सी.सी.एस. नियाम की आवाज (वॉयस)	61
10.3	फार्म टू फोर्क : सी.सी.एस. नियाम के विद्यार्थियों की आवाज (वॉयस)	61
11	**आधारिक संरचना (इन्फ्रास्ट्रॅक्चर)**	**63**
12	**प्रशासन और लेखा**	**64–66**
अनुलग्नक 1–4		**68–105**
अनुलग्नक 1– सी.सी.एस नियाम की साधारण निकाय का संघटक		68
अनुलग्नक 2– सी.सी.एस नियाम की कार्यकारी परिषद का संघटक		69
अनुलग्नक 3– सी.सी.एस नियाम की शैक्षणिक स्थायी समिति का संघटक		69
अनुलग्नक 4– सी.सी.एस नियाम शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी		70
अनुलग्नक 5– सी.सी.एस नियाम सुविधा प्रदाताओं की सूची		72
अनुलग्नक 6(ए)– वर्ष 2018–19 के दौरान शुरू किए गए किसान बिजनेस स्कूल (केबीएस) तथा अन्य अनुसंधान		74
अनुलग्नक 6(बी)– वर्ष 2018–19 के अनुसंधान प्रशिक्षुता प्रोग्राम के तहत अनुसंधान अध्ययन के विषय		75
अनुलग्नक 6(सी)–कृषि ज्ञान दीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला 2018–19		75
अनुलग्नक 7– वार्षिक लेखा – 2018–19		76
अनुलग्नक 8– वर्ष 2018–19 हेतु सी.सी.एस नियाम का शैक्षणिक कैलेंडर		105

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर

माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
और चौ.च. सिंह नियाम की साधारण सभा के अध्यक्ष

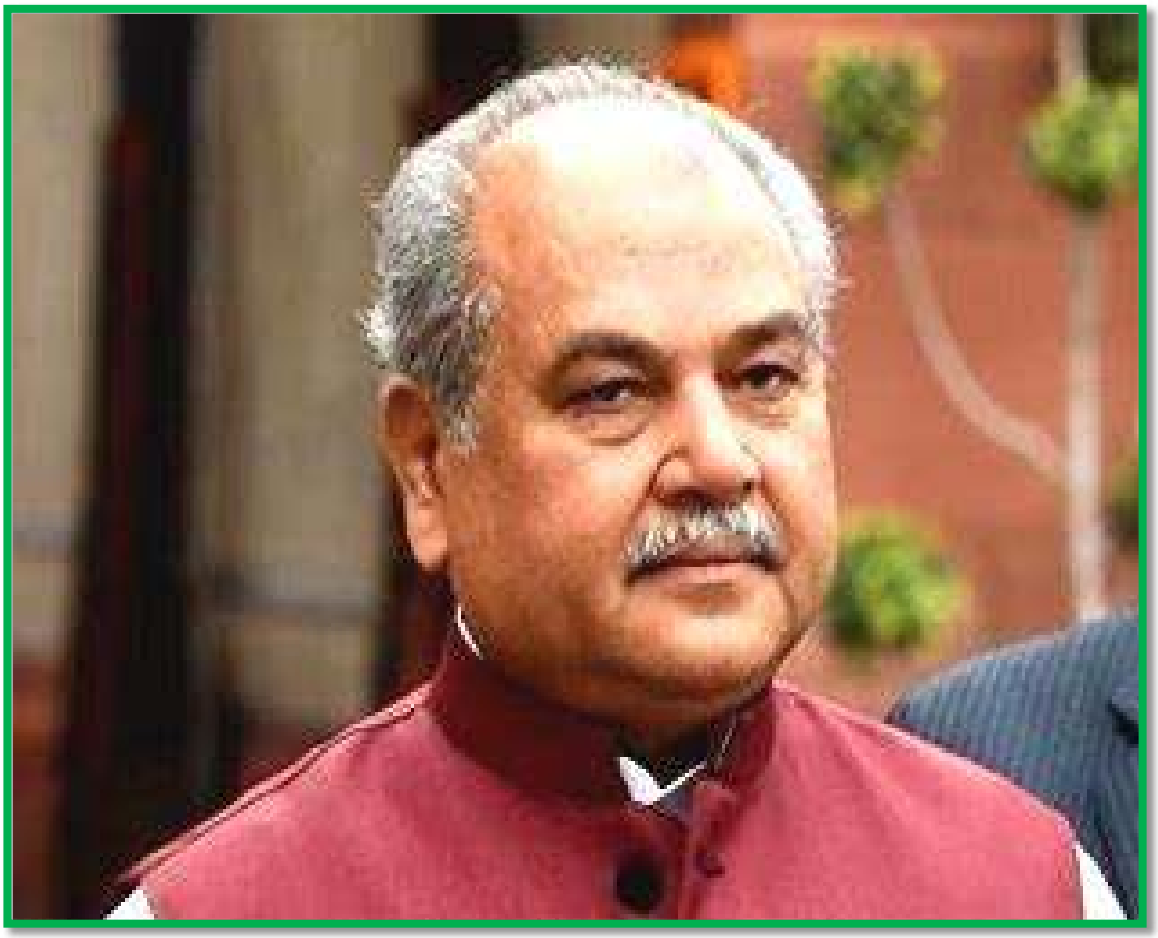

"10,000 किसान उत्पादक संगठनों के गठन से ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति में परिवर्तन होंगे जो न केवल कृषि प्रगति में मदद करेगें बल्कि विकास के नए मार्ग भी तैयार कर सकते है"

श्री पुरषोत्तम रूपाला

माननीय केन्द्रीय राज्य कृषि किसान कल्याण मंत्री
और चौ.च. सिंह नियाम की साधारण सभा के उपाध्यक्ष

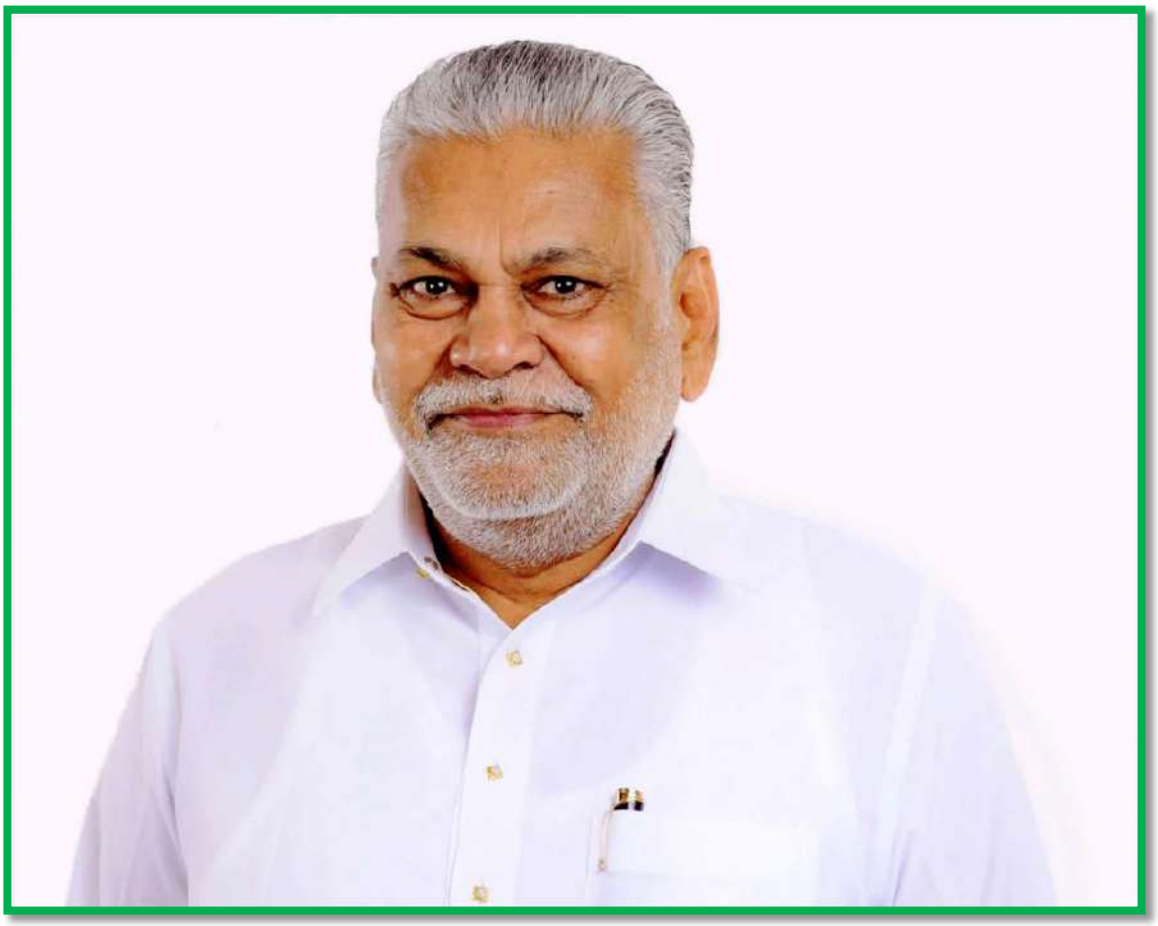

"जिला स्तर पर किसान उत्पादन संगठनों के गठन और बाजार माँडल की रूपरेखा से देश में कृषि क्षेत्र को प्रशस्त किया जा सकता है"

प्राक्कथन

सी.सी.एस नियाम ने किसानों की सेवा में तीन दशक पूरे कर लिए हैं। यह पर्ल जयंती समारोह वर्ष होने के नाते सी.सी.एस नियाम ने 21 राज्यों में 131 कार्यक्रम के आयोजनों के माध्यम से 9,061 किसानों और अन्य हितधारकों तक पहुँच बनाई है। इन कार्यों के माध्यम से हम सी.सी.एस नियाम को किसानों को बेहतर सेवा देने के लिए पुनः समर्पित करते हैं।

राष्ट्रीय ख्याति के बाद, सी.सी.एस नियाम ने प्रशिक्षण के आयोजन और शोध संचालन के लिए 33 प्रतिष्ठित सार्वजनिक और निजी संगठनों के साथ भागीदारी की है। इसके अलावा कृषि विपणन में 12 राज्यों को शामिल करने वाले 29 राष्ट्रीय सुविधा प्रदाताओं (फैसिलिटेटॅर्स) को प्रशिक्षित किया गया, जो सी.सी.एस नियाम कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को क्रमशः मजबूत करते हैं।

किसान बिजनेस स्कूल (के.बी.एस) और शोध प्रशिक्षुताओं (इंटर्नशिप्स) की शुरुआत करके किसानों की समस्याओं का समाधान करने हेतु शोध पुनः उन्मुख है। के.बी.एस अपनी आय बढ़ाने के लिए विपणन सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किसानों को सहायता प्रदान की है, जबकि शोध प्रशिक्षुता ने स्थानीय उत्पादन को स्थानीय खपत से जोड़कर कृषि विपणन को नये आयाम प्रदान किए हैं।

सी.सी.एस नियाम ने आर.के.वी.वाई–आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर योजना के तहत कार्यक्रम शुरू करके बड़ी मजबूती के साथ कृषि–स्टार्टअप में पहला कदम रखा है। पूर्वोत्तर राज्यों में आयोजित किए गए पचहत्तर कार्यक्रमों का सी.सी.एस नियाम गतिविधियों में सबसे बड़ा हिस्सा है। पी.जी.डी.एम.–(ए.बी.एम.) कार्यक्रम (प्रोग्राम) ने इस वर्ष भी 100 प्रतिशत नियोजन (प्लेपसमेंट) प्राप्त करके सफलता की राह जारी रखी।

संस्थान में कृषि विश्वाविद्यालयों के हजार से अधिक संख्या में विद्यार्थियों ने दौरा किया था, जो संस्थान और कृषि विपणन में बढ़ती रुचि का अच्छा संकेत है।

सी.सी.एस नियाम के पर्ल जयंती समारोह को सभी आयामों से कृषि विपणन को मजबूत करने हेतु दस शैक्षिक केंद्रों की शुरूआत द्वारा चिह्नित किया गया था। आशा है कि यह फाउंडेशन सी.सी.एस नियाम के लिए आने वाले वर्षों में अभिनव और समर्थक किसान का मार्ग तय करेगा।

बहुत आगे तक जाना है.....

(डॉ. पी. चंद्र शेकरा)
महानिदेशक
सी.सी.एस नियाम, जयपुर

1. परिचय

1.1 संस्थान

चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (सी.सी.एस नियाम) कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन है। इसे वर्ष 1988 में भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में कृषि विपणन को मजबूत करने के लिए एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में स्थापित किया गया था। संस्थान को कृषि विपणन में अकादमिक गतिविधियों अर्थात् प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श, नीति का समर्थन, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों और शिक्षा को पूरा करने के लिए अधिदेशित किया गया है।

संस्थान किसानों, किसानों के संगठनों, सहकारी समितियों, कृषि–व्यवसाय (एग्री–बिजनेस) कंपनियों, एग्री–स्टार्टअप्स, एग्रीप्रेन्योर, कृषि विपणन विभागों के अधिकारियों, संबद्ध विभागों, अन्य हितधारकों की विस्तृत श्रृंखला की क्षमता का निर्माण, समकालीन कृषि विपणन मुद्दों पर अनुसंधान शुरू करने, सरकार में निर्णय लेने वालों को परामर्श सेवाएं प्रदान करने, कृषि विपणन पर सहकारी और निजी क्षेत्र, सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों को नीति समर्थन और शिक्षा प्रोग्रामों के माध्यम से कृषि–व्यवसाय क्षेत्र की सेवा करने हेतु तकनीकी–प्रबंधकों को तैयार करने में जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

1.2 दृष्टि

एक उत्कृष्ट संस्थान होने और ज्ञान संग्रह के रूप में, जिससे कृषि विपणन पद्धतियों की क्षमता एवं प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सके जिससे प्राथमिक उत्पादक को शक्तिशाली बनाया जा सके और विभिन्न हितधारकों की प्रशिक्षण, शिक्षण और अनुप्रयुक्त अनुसंधान, नीति का समर्थन और परामर्श सेवाओं के माध्यम से क्षमता का विकास किया जा सके।

1.3 ध्येय (मिशन)

- प्राथमिक किसानों को योग्य बनाना विशेषकर छोटे और मंझौले (मार्जिनल) किसानों को प्रतिस्पर्धात्मक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक कार्यक्रम द्वारा अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए कारगर रणनीति विकसित करना।

- अनुप्रयुक्त शोध के माध्यम से कुशल, सतत और समावेशी कृषि श्रृंखलाओं को सुसाध्य बनाना।
- शैक्षिक कार्यक्रम के माध्यम से उभरते हुए कृषि व्यवसाय संबंधी चिंताओं का प्रबंधन करने हेतु अभिनव कृषि जन्य व्यापारों (एग्रीप्रेन्योर्स) और पेशेवर लोगों का परिपोषण (नॅरचर) करना।
- क्रिया उन्मुख और अनुप्रयुक्त अनुसंधान और परामर्श के माध्यम से कृषि विपणन और सार्वजनिक नीति निर्माण और संशोधन को सुगम बनाना।
- वैश्विक खाद्य सुरक्षा और सतत कृषि के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना।
- अभिनव अनुसंधान और इसके प्रसार के माध्यम से कृषि व्यवसाय बाजार के विकास तथा प्रबंधन ज्ञान और अभ्यास में योगदान करना।

चित्र 1: सी.सी.एस. नियाम की अनिवार्य शैक्षणिक गतिविधियां

1.4 अधिदेश

यह संस्थान सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान निम्नलिखित अधिदेश के साथ स्थापित किया गया था:

- प्रशिक्षण: मौजूदा कृषि विपणन कार्मिकों के कौशल का उन्नयन।
- अनुसंधान: कृषि विपणन के विभिन्न समकालीन पहलुओं पर अनुसंधान।
- परामर्श: कृषि विपणन पर सरकारी, सहकारी तथा निजी क्षेत्र में नीति निर्धारक हेतु परामर्शदात्री सेवाएं।
- शिक्षा: प्रबंधन (एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के माध्यम से युवा प्रबंधकों और पेशेवरों को तैयार करना।
- कृषि विपणन में नीति और परियोजना निर्माण में डी.ए.सी. को सहायता करना।

1.5 उद्देश्य

संस्थान के ज्ञापन तथा नियम और विनियम के अनुसार मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- कृषि विपणन के समस्याग्रस्त क्षेत्रों से संबंधित अनुप्रयुक्त एवं संक्रियात्मक अनुसंधान के अध्ययन को शुरू करने एवं बढ़ावा देने के लिए और देश में कृषि विपणन से संबंधित प्रौद्योगिकियों के विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों के समन्वय एवं प्रसार हेतु राष्ट्रीय स्तर के नोडल बिंदु के रूप में कार्य करना।
- कृषि विपणन गतिविधियों जैसे कि राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एस.एस.एम.बी), राज्य विकास विभाग जैसे कृषि, बागवानी, पशुपालन, मछली पालन, वानिकी, रेशम कीट पालन, सी.ए.डी.ए., राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, सहकारी विपणन सोसायटियां, कमोडिटी बोर्डों, निवेश एजेंसियों और प्रगतिशील किसान, उद्यमी इत्यादि जैसे कृषि विकास गतिविधियों में शामिल संगठनों के विभिन्न, स्तरों पर काम कर रहे कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
- दीर्घकालीन परियोजनाओं पर अनुसंधान कार्य करना, नीतियां निर्धारण करना प्रमुख मामलों एवं मुद्दों सहित प्रसंस्करण उद्योगों निर्यात प्रबंध इत्यादि जो कि राष्ट्रीन अर्थव्यवस्था पर सीधे असर डालते हैं, उसकी विशिष्ट विपणन समस्याओं का अध्ययन कर स्थिति पत्र तैयार करना।
- राज्य और केंद्रीय विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र निगमों को परामर्श सेवाएं एवं राज्यों के व्यापारियों तथा किसानों के लिए मास्टर प्लान तैयार करना।
- डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रमों द्वारा कृषि विपणन क्षेत्र में दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम उपलब्ध कराकर मानव संसाधनों का विकास करना।
- स्थानीय संभावित स्रोतों को उपयोग में लाते हुए शिक्षित युवाओं को स्व–रोजगार सृजित कर राज्य सरकार की सहायता करना।
- कृषि विपणन क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों पर नीति निर्धारण कर सरकार को सहयोग देना।
- प्रभावी, नवाचारी एवं प्रतिस्पर्धात्म्क विपणन विधि विकसित करने एवं सभी संबंधित लोगों तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए देश में कृषि विपणन क्षेत्र के लिए विस्तृत सूचना तंत्र उपलब्ध कराना।
- अंतरराष्ट्रीय संगठनों को सम्मिलित करते हुए पर्याप्त नेटवर्किंग स्थापना द्वारा कृषि विपणन के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित करना।

1.6 साधारण निकाय (जी.बी), कार्यकारी परिषद तथा शैक्षणिक स्थायी समिति का गठन

सी.सी.एस नियाम की साधारण निकाय संस्थान की नीतियों का मार्गदर्शन करता है। माननीय कृषि और किसान कल्याण केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार सोसायटी के अध्यक्ष (प्रेसीडेंट) है। माननीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार जो सोसायटी के साथ कार्य व्यरवहार कर रहे हैं, वह सोसायटी के उपाध्यक्ष (वाइस–प्रेसीडेंट) हैं। साधारण निकाय में अन्य अट्ठाईस आधिकारिक और गैर–आधिकारिक सदस्य भी होते हैं (अनुलग्नक–1)।

सी.सी.एस नियाम की कार्यकारी परिषद संस्थान की गतिविधियों का मार्गदर्शन करती है। सचिव, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष (चेयरमैन) होते हैं। कार्यकारी परिषद में अन्य छः आधिकारिक और गैर–आधिकारिक सदस्य होते हैं (अनुलग्नक–2)।

सी.सी.एस नियाम की शैक्षणिक स्थायी समिति संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों का मार्गदर्शन करती है। सी.सी.एस नियाम के निदेशक समिति के अध्यक्ष (चेयरमैन) होते हैं। समिति में नौ अन्य आधिकारिक और गैर–आधिकारिक सदस्य होते हैं (अनुलग्नक–3)।

1.7 दस शैक्षणिक केंद्रों की स्थापना

सी.सी.एस नियाम ने प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श, नीति का समर्थन, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम और शिक्षा के माध्यम से कृषि विपणन में उभरते क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दस शैक्षणिक केंद्रों की स्थापना की है। संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा केंद्र का नेतृत्व किया जाता है।

i. नीति, सुधार और कार्यक्रम सी.सी.एस नियाम केंद्र
ii. नवप्रवर्तन, उद्यमिता और कौशल विकास सी.सी.एस नियाम केंद्र
iii. सी.सी.एस नियाम कृषि विपणन योजना एवं विकास केंद्र
iv. सी.सी.एस नियाम आई.सी.टी एवं ई–नाम केंद्र
v. सी.सी.एस नियाम सार्वजनिक निजी साझेदारी केंद्र
vi. सी.सी.एस नियाम संस्थान बिल्डिंग केंद्र
vii. सी.सी.एस नियाम निगरानी और मूल्यांकन केंद्र
viii. सी.सी.एस नियाम कृषि लॉजिस्टिक्स केंद्र
ix. सी.सी.एस नियाम कृषि व्यवसाय प्रबंधन एवं शिक्षा केंद्र
x. सी.सी.एस नियाम अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम केंद्र

1.8 मुख्य विषय क्षेत्र

सी.सी.एस नियाम की शैक्षणिक गतिविधियां किसान केंद्रित हैं। इसके अलावा, सभी हितधारकों की चिंताओं को विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से भी दूर किया जाता है। मौजूदा समस्याओं, व्यावहारिक समाधानों और उभरते संभावित क्षेत्र गतिविधियों की सामग्री का गठन किया। विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से सी.सी.एस. नियाम द्वारा संबोधित महत्वपूर्ण मुख्य विषय (थ्रॅस्ट) क्षेत्र निम्नलिखित हैं:

- राष्ट्रीय कृषि बाजार
- किसानों की आय दोगुनी करना
- कृषि–स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना
- कृषि उद्यमिता (एग्रीपिन्योर्शिप) विकास
- बागवानी फसलों का विपणन

- जैविक उत्पाद जैसे उच्च मूल्य वाली वस्तु (कमोडिटी) की विपणन रणनीति
- वस्तुओं (कमोडिटीज) की विस्तृत श्रृंखला के विश्लेषण हेतु मूल्य श्रृंखला दृष्टिकोण
- भविष्य और फॉरवर्ड बाजारों और वस्तु (कमोडिटी) विनिमय
- कृषि विपणन और कानूनी सुधार
- जैविक, औषधीय और सुगंधित पौधे
- बाजार नेतृत्व विस्तांर (मार्केट लेड एक्सटेंशन)
- किसान उत्पादक संगठनों और एफ.पी.ओ.एस.एस को बाजार से जोड़ना
- परक्राम्य (निगोसिएबल) गोदाम रिसिप्ट और उसके लाभ
- फसल बीमा
- कृषि व्यवसाय के अवसर
- फलों और सब्जियों के विपणन में उभरता हुआ रूझान
- कृषि–भंडारण और वैज्ञानिक भंडारण
- मूल्य श्रृंखला (वैल्यु चैन) विश्लेषण और विकास
- रबड़, चाय, मसाले और काफी का विपणन (मार्केटिंग)
- कौशल विकास कार्यक्रम
- उद्यमिता विकास कार्यक्रम
- कृषि में ई–कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग
- मूल्य संवर्धन
- सुविधा प्रदाताओं (फैसिलिटेटॅर्स) का विकास
- पशुधन और पशुधन उत्पादों का विपणन
- गैर–लकड़ी वन उपज का विपणन
- कृषि पर्यटन
- ब्रांडिंग
- जोखिम प्रबंधन
- विकास पेशेवरों के लिए कार्य नैतिकता
- बाजार परियोजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन

1.9 हितधारक

सभी हितधारक कृषि–मूल्य श्रृंखला विकास में महत्वपूर्ण हैं। सी.सी.एस नियाम ने शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से निम्नलिखित हितधारकों को संबोधित करने का प्रयास किया:

- किसानों
- किसान संगठनो/किसान उत्पादक कंपनियां

- सहकारिता
- गैर–सरकारी संगठनों
- कृषि–व्यवसाय कंपनियां
- कृषि–स्टार्टअप्स
- कृषि उद्यमी
- कृषि विपणन और संबद्ध विभागों के अधिकारी
- कृषि विपणन बोर्ड के अधिकारी
- ट्रेडर्स, कमीशन एजेंट, फुटकर विक्रता (रिटेलर्स)
- विद्यार्थियों, अनुसंधान विद्वानों और वैज्ञानिकों
- कृषि विपणन में अंतरराष्ट्रीय पेशेवरों
- उत्तर पूर्वी राज्यों और एस.सी./एस.टी., आदिवासी किसानों पर विशेष जोर

1.10 भागीदारीः राष्ट्र तक पहुंचने के लिए गतिशील माध्यम

सी.सी.एस नियाम ने देश में कृषि विपणन प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए काम करने वाले व्यक्तिगत पेशेवरों और संगठनों के साथ जुड़ने के सभी प्रयास किए। वर्ष के दौरान विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में सी.सी.एस नियाम से जुड़े महत्वपूर्ण संगठन निम्न प्रकार हैं:

1. छोटे किसान कृषि–व्यवसाय संघ (एस.एफ.ए.सी)
2. राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (एम.ए.एन.ए.जी.ई)
3. एन.आई.टी.टी.आई विश्वविद्यालय, मैंगलोर
4. कृषि विज्ञान केंद्र (के.वी.के)
5. शंकरा प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
6. सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्रालय (एम.एस.एम.ई)
7. शेर–ए–कश्मीर कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एस.के.यू.ए.एस.टी), श्रीनगर
8. कृषि मंत्रालय, नेपाल
9. अंतरराष्ट्रीय विस्तार शिक्षा सोसायटी (आई.एन.एस.ई.ई)
10. सहकारी प्रबंधन संस्थान (आई.सी.एम)
11. नेताजी सुभाष चंद्र बोस कृषि विपणन संस्थान (एन.एस.टी.आई.एम), कोलकाता
12. पंजाब कृषि प्रबंधन विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (पी.ए.एम.ई.टी.आई), लुधियाना
13. सरदार पटेल दंतेवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय (एस.डी.ए.यू), गुजरात
14. प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (ए.टी.आई), मैसूर
15. इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आई.जी.के.वी), रायपुर
16. वी.ए.एन.ए.एम.ए.टी.आई, नागपुर
17. राज्या कृषि प्रबंधन विस्ताार प्रशिक्षण संस्थाटन(एस.ए.एम.ई.टी.आई), कोलकाता
18. राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान (एस.आई.एम.ए), लखनऊ
19. भारतीय यात्रा और पर्यटन प्रबंधन संस्थान (आई.आई.टी.एम), ग्वालियर

20. विस्तार शिक्षा संस्थान (ई.ई.आई), जोरहाट
21. कृषि महाविद्यालय, मेदजिफेमा
22. असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट
23. एन.आर.ई.टी.सी, अगरतला
24. झारखंड कृषि प्रबंधन विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (जे.ए.एम.ई.टी.आई), रांची
25. राज्य कृषि प्रबंधन विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (एस.ए.एम.ई.टी.आई), शिमला
26. तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टी.एन.ए.यू), कोयम्बटूर
27. ग्रामीण संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र (आर.आर.टी.सी), मेघालय
28. वाई.एस. परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय (वाई.एस.पी.यू.एच.एफ), सोलन
29. भारतीय वृक्षारोपण प्रबंधन संस्थान (आई.आई.पी.एम), बैंगलोर
30. वेयर हाउस विकास और नियामक प्राधिकरण (डब्युकी.डी.आर.ए)
31. कर्नाटक राज्य कृषि विपणन बोर्ड (के.एस.ए.एम.बी)
32. रबड़ बोर्ड
33. राष्ट्रीय वर्षा क्षेत्र प्राधिकरण (एन.आर.ए.ए)

इसके अतिरिक्त सी.सी.एस. नियाम ने कृषि विपणन को मजबूत करने के लिए काम करने वाले कई संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू) भी किए हैं। पर्याप्त व्यवसायिक जनशक्ति और बुनियादी ढांचे के साथ ये संगठन, शैक्षणिक गतिविधियों के कार्यान्वयन और कृषि विपणन को मजबूत करने के लिए सी.सी.एस. नियाम के साथ काम करते हैं।

1. इंटरफेस एग्रीकल्चरल टेक्नॉलॉजीज प्राइवेट लिमि., हैदराबाद
2. पार्टीसिपेटॅरि रूरल डेवेलॅपमेंट इनिसिएटिव सोसायटी (पी.आर.डी.आई.एस), हैदराबाद
3. रायथामित्र कृषि फार्मर्स प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड, मैसूर
4. यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस, बेंगलुरु
5. इंस्टिट्यूट ऑफ कोपरेटिव एंड कोरपोरेट मेनेजमेंट, रिसर्च एंड ट्रेनिंग(आई.सी.सी.एम.आर.टी.), लखनऊ, यू.पी
6. इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ प्लान्टेशन मेनेजमेंट, बेंगलुरु

2. सी.सी.एस. नियाम के प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण सी.सी.एस. नियाम का मुख्य अधिदेश है, जिसके माध्यम से यह पूरे देश में हितधारकों के विशाल श्रृंखला समूह (ऐरे) तक पहुंचता है। वर्ष 2018–19 में, 131 प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए गए हैं, जिसमें परामर्श कार्यक्रमों सहित 9,061 हितधारकों की क्षमता निर्माण की आवश्यकताओं को पूरा किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:–

i. विभिन्न राज्यों में प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे राष्ट्रीय संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों और एस.ए.एम.ई.टी.आई.एस की साझेदारी में आयोजित बैनर कार्यक्रम सी.सी.एस. नियाम के प्रमुख कार्यक्रम हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रमों पर कृषि विपणन विभाग और संबद्ध अधिकारियों को संवेदनशील बनाना है।

टी.एन.ए.यू, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में बैनर कार्यक्रम

कार्यक्रम विशेष रूप से एक राज्य विशिष्ट प्रमुख फसल अथवा क्षेत्र (सेक्टर) के आसपास विपणन मुद्दों को संबोधित करने पर केंद्रित है। कृषि विपणन में सभी सार्वजनिक और निजी हितधारकों को शामिल करते हुए इस तरह के छह कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

ii. कृषि ज्ञान दीप नॉलेज श्रृंखला व्याख्यान का उद्देश्य देश के सभी महत्वपूर्ण हितधारकों को कृषि विपणन और संबंधित विषयों में सबसे सफल अनुभवों को अवशोषित और प्रसार करना है। कृषि विपणन में संबंधित विषयों के प्रमुख पेशेवर लीडरों को सी.सी.एस. नियाम में अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया, फिल्मों के माध्यम से प्रलेखित किया गया और इसे सी.सी.एस. नियाम. के यू–ट्यूब चैनल सहित लागत प्रभावी (कॉस्ट इफेक्टिव) आई.टी. प्लेटफार्मों के माध्यम से देश के सभी हितधारकों को प्रसारित किया गया। वर्ष 2018–19 के शैक्षणिक वर्ष में समकालीन विषयों पर ऐसी छह वार्ताएं आयोजित की गई हैं।

iii. सी.सी.एस. नियाम ने पूर्वोत्तर राज्यों के किसानों और विस्तार अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन को उच्च प्राथमिकता दी है। पूर्वोत्तर राज्यों में पचहत्तर कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

iv. सी.सी.एस. नियाम ने पूरे देश में कृषि विपणन के विभिन्न आयामों को ध्यान में रखते हुए अड़तीस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए थे। इन कार्यक्रमों को ज्यादातर भागीदार संस्थानों के साथ आयोजित किया गया था ताकि इस प्रकार का समन्वयी प्रभाव सुनिश्चित हो सके।

v. राष्ट्रीय सुविधा प्रदाता (फैसिलिटेटॅर) विकास कार्यक्रम (एन.एफ.डी.पी) का उद्देश्य कृषि विपणन के क्षेत्र में अच्छी तरह से प्रशिक्षित पेशेवरों को विकसित करना है। फैसिलिटेटॅर देश के विभिन्न हिस्सों में कार्य करने वाले पेशेवर हैं, विभिन्न संगठनों को जब कभी भी इनकी आवश्यवकता होती है ये अकादमिक गतिविधियों को कार्यान्वित करने के लिए सी. सी.एस. नियाम के लिए उपलब्ध होते हैं। यह लागत और समय का प्रभावी तरीके से किसानों के लाभ के लिए उपलब्धि ज्ञान संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करता है। 30 नियाम सुविधा प्रदाताओं (फैसिलिटेटॅर्स) को समाविष्ट करते हुए दो एन. एफ.डी.पी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सी.सी.एस. नियाम प्रशिक्षित राष्ट्रीय सुविधा प्रदाताओं (फैसिलेटेटॅर्स) की सूची अनुलग्नक–5 में संलग्न है।

vi. नॉलेज पार्टनर बनकर चार सम्मेलन आयोजित किए गए हैं और इंटरनेशनल सोसायटी फॉर एक्सटेंशन एजुकेशन (आई.एन.एस.ई.ई), बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बी.ए.यू), सबौर, शंकर समूह और कौशल एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से कृषि विपणन पर इनपुट प्रदान किए गए हैं।

vii. नॉलेज पार्टनर बनकर चार सम्मेलन आयोजित किए गए हैं और इंटरनेशनल सोसायटी फॉर एक्सटेशन एजुकेशन (आई.एन.एस.ई.ई), बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बी.ए.यू), सबौर, शंकर समूह और कौशल एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से कृषि विपणन पर इनपुट प्रदान किए गए हैं।

2.1 सी.सी.एस नियाम द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं

- प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या : 131
- समाविष्ट हितधारकों की संख्या : 9,061
- समाविष्ट राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या : 21
- भागीदार संस्थानों की संख्या : 33
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रकार : **बैनर कार्यक्रम**
  - कृषि ज्ञान दीप नॉलेज व्याख्यान श्रृंखला
  - पूर्वोत्त्र राज्यों हेतु सी.सी.एस नियाम प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - राष्ट्रीय फैसिलिटेटॅर्स विकास कार्यक्रम
  - प्रवेश (इंडॅक्शिन) प्रशिक्षण कार्यक्रम

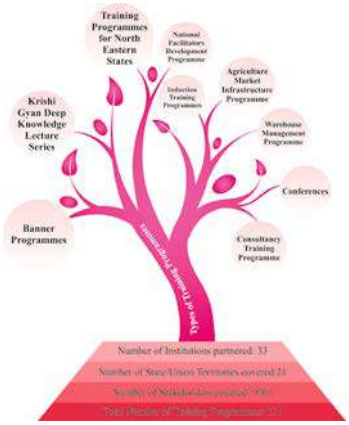

– कृषि बाजार आधारिक संरचना कार्यक्रम
– वेयरहाउस प्रबंधन कार्यक्रम
– सम्मेलनों
– परामर्श (कंसल्टेंसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम

2.2 सी.सी.एस नियाम के शोध कार्यक्रम – समाधान खोजने के लिए किए गए शोध कार्य

वर्ष 2018–19 के दौरान 15 शोध परियोजनाएं शुरू की गई हैं और प्रगति पर हैं। मुख्यज विशेषताएं निम्नलिखित हैं :

i. किसान बिजनेस स्कूल (के.बी.एस) एक शोध कार्य है जो किसानों की आय बढ़ाने हेतु नियाम की पहल है। के.बी.सी. का उद्देश्य किसानों को आधुनिक उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन गतिविधियों के बारे में शिक्षित करना है ताकि उनकी आय में वृद्धि हो। सभी महत्वपूर्ण चरणों में विशेषज्ञ संस्थापनों द्वारा किसानों को कमोडिटी विशिष्ट ज्ञान और कौशल प्रदान किए जाते हैं। किसान बिजनेस स्कूल शोध गेहूं, डेयरी, मक्का, मत्स्य इत्यादि जैसी वस्तुओं (कमोडिटीज) पर ध्यान केंद्रित करेगा। 8 किसान बिजनेस स्कूल शुरू किए हैं और जो प्रगति पर हैं।

मैजे बिजनेस स्कूल, यू.ए.एस, बंगलुरु

ii. वर्ष के दौरान ई–नाम के कामकाज, कटहल (जैकफ्रूट) के लिए विपणन रणनीति, एगमार्कनेट की पहुंच और कृषि विपणन पर कृषि विस्तार कार्यकलापों के बारे में जागरूकता और कुछ अन्य जैसी क्षेत्र स्तर समस्याओं पर केंद्रित सात अन्य शोध परियोजनाएं शुरू की गई हैं, और जो प्रगति पर हैं।

मैजे बिजनेस स्कूल, यू.ए.एस, बंगलुरु

iii. सी.सी.एस नियाम ने डी.एस.टी–सी.ए.जेड.आर.आई शोध परियोजनाओं के साथ भागीदारी की है

बेहतर विपणन कार्यप्रणालियों (प्रैक्टिसेस) और बेहतर आजीविका के लिए जल के शेड क्षेत्र में किसानों और समुदाय की क्षमता का निर्माण करने और शुष्क क्षेत्र में खाद्य तथा आय सुरक्षा पर जल प्रबंधन के प्रभाव का आकलन करने के लिए सी.सी.एस नियाम ने डी.एस.टी–सी.ए.जेड.आर.आई शोध परियोजना शीर्षक "नीले, हरे, तथा भूरे (ग्रे) पानी की मात्रा, गुणवत्ताए और प्रबंधन की बेहतर समझ के माध्यम से शुष्के क्षेत्र में खाद्य और सुरक्षा को बढ़ाना है" में भागीदारी की है। कार्यक्रम (प्रोग्राम) अभी प्रारंभिक चरण में है।

iv. सी.सी.एस एन.आई.ए. एम का शोध प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) कार्यक्रम : कृषि विपणन में उभरते शोधकर्ता

सी.सी.एस. नियाम अनुसंधान प्रशिक्षुता कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि विपणन और कृषि–व्यवसाय में अनुसंधान को बढ़ावा देना और जो स्नातकोत्तर तथा शोध विद्वानों द्वारा किया जाना है। यह कृषि और प्रबंधन के विद्यार्थियों को सी.सी.एस नियाम संकाय द्वारा सलाहकारिता (मेंटरशिप) के रूप में चालू (ऑन–गोइंग) शोध में भाग लेने अथवा एक शोध परियोजना शुरू करने और नेटवर्क तथा सहयोग विकसित करने हेतु आमंत्रित करता है। परियोजना अवधि के दौरान प्रशिक्षुक (इंटर्न्स) शोध का संचालन करते हैं और सी.सी.एस नियाम संकाय के साथ चर्चा में भाग लेकर अपनी प्रस्तुति (प्रजेंटेशन) और शोध कौशल को बढ़ाते हैं।

क्र. सं.	प्रशिक्षुक का नाम	विश्वविद्यालय	परियोजना का शीर्ष
1.	सुश्री एंजेलिन कीर्तिगा	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय	किसानों को मध्याह्न भोजन कार्यक्रम से जोड़ना – कृषि विपणन के परिप्रेक्ष्य में
2.	सुश्री श्रुति मिश्रा	जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय (जे.एन.के.वी.वी), जबलपुर, मध्य् प्रदेश	किसानों को छात्रावासों से जोड़ना – कृषि विपणन के परिप्रेक्ष्य में
3.	श्री दीपांशु गोस्वामी	स्वानमी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर (राजस्थान)	किसानों को विश्वविद्यालय के छात्रावासों से जोड़ना – कृषि विपणन के परिप्रेक्ष्य में
4.	सुश्री भाव्या	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, जी.के.वी.के., बेंगलुरु	किसानों को उत्सव (फंक्शन) हॉल से जोड़ना – कृषि विपणन के परिप्रेक्ष्य में

अनुसंधान कार्यक्रम का विवरण अनुलग्नक–6 में दिया गया है।

फील्ड में शोधकर्ता

शोधकर्ता द्वारा प्रस्तुति

2.3 सी.सी.एस नियाम द्वारा संचालित शोध कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं

- शुरू किए गए शोध कार्यक्रमों की संख्या : 19
- शोध कार्यक्रमों के प्रकार : किसान बिजनेस स्कूल (के.बी.एस)
  - शोध प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) कार्यक्रम
  - अनुभवजन्य (इम्पिरिकल) शोध
  - साझेदार संस्थानों के सहयोग से

2.4 सी.सी.एस नियाम के परामर्श कार्यक्रम : समस्याओं को दूर करने हेतु शेयरधारकों की सहायता करना

i. सी.सी.एस. नियाम ने वेयरहाउस प्रबंधन पर किसानों, व्यापारियों (ट्रेडर्स) तथा वेयरहाउस के मालिकों हेतु पंद्रह कार्यक्रम आयोजित किए हैं। वेयरहाउस विकास एवं नियामक प्राधिकरण (डब्ल्यु.डी.आर.ए) द्वारा कार्यक्रम प्रायोजित किए गए थे।

हरियाणा में किसान जागरूकता कार्यक्रम डब्ल्यु.डी.आर.ए विनियमन

पंजाब में किसान जागरूकता कार्यक्रम डब्ल्यु.डी.आर.ए विनियमन

ii. एम.ओ.ए एंड एफ. डब्ल्यु., भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कृषि बाजार आधारिक संरचना योजना के तहत सैंतीस कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

iii. राष्ट्रीय वर्षा कृषि प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एरीड जोन के किसानों और अधिकारियों के लिए चार कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

iv. सी.सी.एस. नियाम ने बेहतर विपणन प्रैक्टिसेस हेतु वाटर शेड में किसानों और समुदाय की क्षमता निर्माण करने तथा बेहतर आजिविका के अवसर प्रदान करने एवं शुष्क क्षेत्र

(एरीड एरिया) में भोजन और आय सुरक्षा पर जल प्रबंधन का आकलन करने के लिए डी.एस.टी.–सी.ए.जेड.आर.आई के साथ परियोजना शीर्षक "नीले, हरे और भूरे (ग्रे) पानी की मात्रा, गुणवत्ता और प्रबंधन की बेहतर समझ के माध्यम से शुष्क क्षेत्र (एरीड एरिया) में खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ाना" के लिए साझेदारी की। कार्यक्रम प्रारंभिक चरण में है।

2.5 सी.सी.एस नियाम की नीति समर्थन कार्यक्रम : हितधारकों के लिए तकनीकी

i. द्विपक्षीय कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर मंत्रालय के अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रभाग के नीतिगत इनपुट।

ii. प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्याम से द्विपक्षीय अनुबंधों का कार्यान्वयन।

iii. जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से वेयरहाउस विनियमन को मजबूत करना।

iv. कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जागरूकता कार्यक्रम।

बी.ए.यू., सबौर, बिहार में ए.एम.आई योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम

v. ई–नाम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जागरूकता कार्यक्रम।

vi. वर्षा आधारित क्षेत्रों में सरकारी कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाना।

vii. उन्नत भारत अभियान के माध्याम से राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों को शामिल करना।

viii. कृषि–विकास–ओडिशा, 2018 के माध्यम से नीतिगत इनपुट।

ix. किसानों को बढ़ावा देना – सी.आई.आई से जुड़े उद्योग लिंकेज

x. ए.ए.आर.डी.ओ के माध्यम से विदेशों में भारत के अच्छे विपणन व्यवहार को बढ़ावा देना।

xi. नीतिगत इनपुट हेतु शोध पत्रों का प्रकाशन।

xii. अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों हेतु अध्ययन सह एक्सपोजर विजिट का आयोजन।

xiii. कृषि कल्याण अभियान के कार्यान्व्यन में भागीदार।

xiv. एग्री स्टार्टअप्स का प्रचार।

xv. संसद प्रश्नों हेतु इनपुट।

xvi. नीति निर्माण की सुविधा के लिए मंत्रालय को तकनीकी इनपुट्स।

2.6 सी.सी.एस नियाम के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम : स्थानीय कार्यवाई हेतु वैश्विक सोच।

i. सी.सी.एस. नियाम ने यू.एस.ए.आई.डी द्वारा प्रायोजित फीड द फ्यूचर (एफ.टी.एफ) इंडिया त्रिकोणीय कार्यक्रम के तहत "कृषि मूल्य श्रृंखला और कृषि विपणन में नवाचार" शीर्षक से अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 1 से 15 अक्टूबर, 2018 के दौरान अफ्रीका और एशिया के 7 देशों के 30 कार्यपालकों (एक्जीक्यूटिव) ने भाग लिया। कार्य योजनाओं में बैंक के माध्यम से क्षेत्र में प्रभाव पैदा करने के लिए सी.सी.एस. नियाम द्वारा प्रशिक्षित कार्यपालकों (एक्जीक्यूटिव) की पोस्ट प्रशिक्षण गतिविधियों का कड़ाई से उल्लेख किया गया है।

ii. कृषि विपणन पर नेपाल प्रतिनिधिमंडल का अध्ययन–सह–एक्सपोजर दौरा सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

iii. 40 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले थोक बाजार की वर्ल्ड यूनियन (डब्ल्यु.यू. डब्ल्यु.एम) के प्रतिनिधियों ने सी.सी.एस नियाम का दौरा किया और एफ.टी.एफ आई.टी.टी. कार्यक्रम के संकाय, विद्यार्थियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

सी.सी.एस नियाम में फ्यूचर इंटरनेशनल प्रोग्राम का आयोजन

iv. शंकर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर के साथ साझेदारी में उद्यमिता और कृषि में तकनीकी शिक्षा के योगदान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

v. नॉलेज पार्टनर के रूप में इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन (आई.एन.एस.ई.ई) द्वारा 19–23 सितंबर, 2018 के दौरान काठमांडू, नेपाल में "सार्क देशों के किसानों की आय को दोगुनी करना" विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान डॉ. पी. चंद्र शेकरा, महानिदेशक, सी.सी.एस नियाम को "उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

vi. डॉ. रमेश मित्तल ने 29 अप्रैल–12 मई, 2018 को विशेषज्ञ के रूप में कोरिया गणराज्य में "सतत कृषि और ग्रामीण विकास (एस.ए.आर.डी)" विषय पर ए.ए.आर.डी.ओ–के.ओ.आई.सी.ए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

vii. ए.ए.आर.डी.ओ–के.ओ.आई.सी.ए ने 29 और 30 अक्टूबर, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित एस.ए.आर.डी प्रशिक्षण के प्रभाव पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें

एस.ए.आर.डी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन करने और कृषि तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में संभावित क्षेत्रों की पहचान करने की दृष्टि से सी.सी.एस नियाम के संकाय डॉ. रमेश मित्तल और डॉ. हेमा यादव ने भाग लिया था।

viii. सी.सी.एस नियाम के संकाय डॉ. एस.आर. सिंह ने 10–14 दिसम्बर, 2018 के दौरान वियनतियाने, लाओ पी.डी.आर में आयोजित बाजार पहुंच को बढ़ाने के लिए कृषि उत्पादों हेतु गुणवत्ता मानकों पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण में भाग लिया।

2.7 सी.सी.एस नियाम का शिक्षा कार्यक्रम : कृषि–व्यवसाय प्रबंधन हेतु भावी पीढ़ी तैयार करना

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (कृषि व्यवसाय प्रबंधन), ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित दो वर्ष का नियमित प्रोग्राम है और 18 बैचों में 700 से अधिक विद्यार्थी सी.सी.एस नियाम के पोर्टल्स से उत्तीर्ण हुए हैं। कार्यक्रम का यू.एस.पी उत्तीर्ण लोगों में तकनीकी–प्रबंधकीय क्षमता विकसित करता है और उनमें कृषि मूल्य श्रृंखला सर्व करने में सहायता करता है। यह शिक्षण–शुल्क, भोजन एवं आवास शुल्क, कंप्यूटर प्रयोगशालाएं तथा पुस्तकालय शुल्क, चिकित्सा बीमा इत्यादि सहित दो वर्ष हेतु रु. 6.76 लाख के किफायती शुल्क के साथ आर्थिक रूप से आत्म निर्भर एक प्रोग्राम है।

मार्च, 2019 में 53 विद्यार्थियों का एक बैच उत्तीर्ण हुआ और 23 कंपनियों में रु. 6.90 लाख के औसत सी.टी.सी के साथ 100% नियोजन (प्लेसमेंट) हासिल किया। सी.सी.एस नियाम ने पाठ्यक्रम–पाठ्यचर्या की समीक्षा और नये पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया। समिति की सिफारिशों के आधार पर पाठ्यक्रम सामग्री को संशोधित किया गया है और पांच नए पाठ्यक्रम जोड़े गए हैं। वर्ष 2018–19 के दौरान एक विद्यार्थी उत्सव के आयोजन सहित की गई अन्य गतिविधियां अर्थात् एग्रोवोन–बी–फेस्ट, वार्षिक एलुमनी मीट, फार्म से फोर्क का प्रकाशन (एक त्रैमासिक समाचार पत्र), सी.सी.एस नियाम संकाय द्वारा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) परियोजनाओं का उल्लेख करना, उद्योग विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों हेतु संगोष्ठियां तथा ज्ञान श्रृंखला व्याख्यानों का आयोजन और आई.आई.एम को कोड द्वारा डिजिटल मार्केटिंग पर कार्यशाला शामिल हैं। सी.सी.एस नियाम में पी.जी.डी.एम ए.बी.एम की उपलब्धि दर्शाने वाली प्रसिद्धि की एक दीवार (वाल ऑफ फेम) बनाई गई। इसके अलावा विद्यार्थियों द्वारा कई सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

2.8 सी.सी.एस नियाम का आर.के.वी.वाई आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर : कृषि–स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना

सी.सी.एस नियाम– सेंटर फॉर इनोवेशन एंटरप्रेन्योनरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट, जयपुर आर.के.वी.वाई–आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर योजना के कार्यान्वयन के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के "नॉलेज पार्टनर" के रूप में कार्य कर रहा है। ज्ञान साझेदार (नॉलेज पार्टनर) के रूप में उपलब्ध सभी ग्यारह पदों पर खुली प्रतियोगिताओं के माध्यम से भर्ती की गई थी।

सी.सी.एस नियाम ने जनवरी, 2019 में देश के पांच राज्यों नामतः राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक, ओडिशा; श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, राजस्थान; भारतीय प्रौद्योगिकीय संस्थान खड़गपुर, पश्चिम बंगाल और बिहार कृषि विश्वविद्यालय, साबोर, भागलपुर, बिहार में स्थित आर.के.वी.वाई–आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर कृषि व्यावसाय इन्क्यूबेटॅर्स (आर–ए.बी.आई.एस) को हैंडहोल्डिंग और इन्क्यूबेशन सपोर्ट प्रदान करने के लिए नियाम कृषि–व्यावसाय इन्क्यूबेटॅर्स (एन.ए.बी.आई) की स्थापना की है। झारखंड में आर–ए.बी.आई की पहचान जारी है।

श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर–जयपुर
http://wwwsknau.ac.in/en/home/index

राष्ट्रीय चावल शोध संस्थान, कटक–ओडिशा
http://icar-nrri.in/

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, साबोर–बिहार
http://bausabour.com/

आई.आई.टी खड़गपुर–पश्चिम बंगाल
http://www.iitkgp.ac.in/

2.9 आर.के.वी.वाई–आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर के तहत कार्यान्वित कार्यक्रम

सी.सी.एस नियाम ने दो प्रकार के आर.के.वी.वाई–आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर कार्यक्रम शुरू किए। इनका विवरण निम्नलिखित है :

i. कृषि–उद्यमिता (एग्रीप्रेन्योरशिप अभिविन्याकस प्रोग्राम)

- कृषिपालकों (एग्रीप्रेन्योर)/कृषि आधारित स्टार्टअप्स के लिए प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) प्रोग्राम पर दो महीने का प्रशिक्षण सह हैंड्स।
- प्रतिमाह रु.10,000/– की वृत्तिका (स्टाकइपेंड)
- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से योग्य कृषिपालकों को रु. 5 लाख तक का सहायता अनुदान।

ii. स्टार्टअप कृषि–व्यवसाय ऊष्मायन (इन्क्यूबेशन) प्रोग्राम

- कृषि आधारित स्टार्टअप्स हेतु दो महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- डी.पी.आई.आई.टी अधिसूचना के अनुसार कोई भी भारतीय स्टार्ट–अप्स आवेदन कर सकता है।

- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से योग्य कृषिपालकों को स्टार्ट–अप्स के लिए सीड फंडिंग हेतु स्केलिंग अप अर्थात् रु. 25 लाख तक का सहायता अनुदान।

आउटरीच अभियान के अंतर्गत, नए शुरू (लांच) किए गए आर.के.वी.वाई–आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर योजना और एन.आई.एम कृषि व्यवसाय ऊष्मायित्र (इन्क्यूबेटर) (एन.ए.बी.आई) के बारे में जागरूकता पैदा करना; सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि–व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालयों, के.वी.के.एस और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों को नये लांच किए गए कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया गया।

iii. प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति

क. कृषि–उद्यमिता (एग्रीप्रेन्योरशिप) अभिविन्यास कार्यक्रम

यह कार्यक्रम 29 मार्च, 2019 को 17 कृषिपालकों (एग्रीप्रेन्योर) के साथ शुरू किया गया था, जिसमें सात राज्यों अर्थात् राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, नई दिल्ली, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की दो महिलाएं शामिल थी।

इस तरह के अपने प्रथम दो महीनों के कार्यक्रम के माध्यम से, नियाम कृषि–व्यवसाय उष्मायित्र (इन्क्यूबेटर) (एन.ए.बी.आई) मौजूदा और नवोदित कृषिपालकों (एग्रीप्रेन्योर्स), कृषि–व्यवसाय नवोद्यमों (वेंचर्स), विशेषज्ञ सलाह के माध्यम से हैंडहोल्डिंग द्वारा उद्यमों और स्टार्ट–अप्स, हैंड्स ऑन प्रशिक्षण सह प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप), औद्योगिक अटैचमेंट्स, बाजार सर्वेक्षण, समर्पित सदस्यता (मेंटरशिप), वित्तपोषण, अपने व्यावसायिक विचारों को परिष्कृत करने तथा अपने स्टार्टअप को स्थापित करने के लिए वन–स्टॉप समाधान के रूप में मौजूदा ऊष्मायन केंद्रों और स्टार्टअप पारिस्थितिक तंत्र का प्रदर्शन (एक्स–पोजर) के रूप में सुविधा प्रदान कर रहा है।

17 कृषि पालाकों (एग्रीप्रेन्योर) के प्रथम दल (कॉहोर्ट) ने 28 मई, 2019 को सी.सी.एस नियाम से उपाधि प्राप्त की और विदाई समारोह में वे योग्यता प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट) से सम्मानित किए गए थे।

ख. आर–ए.बी.आई.एस एक ज्ञान साझेदार (नॉलेज पार्टनर) के रूप में सहायक

सी.सी.एस नियाम (ज्ञान साझेदार) के तहत नियाम कृषि ऊष्मायंत्र (इन्क्यूबेटर) (एन.ए.बी.आई) ने सभी आर–ए.बी.आई के साथ हर महीने में एक वेबिनार भी आयोजित कर रहा है जहां सभी परियोजना साझेदारों ने एक साझा मंच पर संबंधित मुद्दों पर चर्चा की और आर.के.वी.वाई–आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर परियोजना के निष्पादन संबंधी मुद्दों का समाधान करने में एक–दूसरे की सहायता की। श्रृंखला की प्रथम संगोष्ठी 29 मार्च, 2019 को सी.सी.एस नियाम, राजस्थान में आयोजित की गई थी।

सी.सी.एस एग्री बिजनेस इन्क्यूबेटर्स (एन.ए.बी.आई)–आर.ए.बी.आई.एस के साथ वेबिनार में टीम

3. शैक्षणिक केंद्रों (सेंटर्स) सी.सी.एस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान

3.1 सी.सी.एस नियाम नीति, सुधार और कार्यक्रम केंद्र

केंद्र का उद्देश्य कृषि विपणन नीति सुधारों को मजबूत बनाने, अनुभवजन्य रूप से गहन (साउंड) नीति अनुसंधान का नेतृत्व करने और नीतिगत निर्णयों के लिए ज्ञान–आधारित इनपुट प्रदान करने में एक नेतृत्व की भूमिका प्रदान करना है। इसको ध्याान में रखते हुए निम्नलिखित उप–उद्देश्य तैयार किए गए हैं :

- हितधाराकों को नीति संबंधी संक्षिप्त जानकारी प्रदान करना
- हितधाराकों को मौजूदा नीति सुधारों से जोड़ना
- सरकार की नीति संबंधी सुझावों का समर्थन करना
- नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में सरकार की सहायता करना

अबोहर, पंजाब और नागौर, राजस्थान में डब्ल्यु.डी.आर.ए प्रशिक्षण की झलक

केंद्र ने झारखंड, असम, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार और मणिपुर में 1510 हितधारकों को शामिल करके आधारिक संरचना का निर्माण करके कृषि मूल्य श्रृंखला के समग्र विकास के लिए कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना (ए.एम.आई) के लिए प्रशिक्षण भी आयोजित किया।

असम में कृषि विपणन आधारिक संरचना प्रशिक्षण कार्यक्रम

3.1.1 शोध प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) के माध्यम से शैक्षणिक शोध को मजबूत करना

सी.सी.एस नियाम ने समस्या समाधान मोड पर शोध के अनुभव को दोबारा प्राप्त करने हेतु स्नातकोत्तर और पीएच.डी विद्यार्थियों के लिए शोध प्रशिक्षुता प्रोग्राम शुरू किया है। अलग–अलग कृषि विश्वविद्यालयों के दस विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक एक महीने का शोध पूरा किया जो कि क्षेत्र स्तर की समस्याओं के लिए अभिनव समाधानों का योगदान देने वाला शोध प्रशिक्षुता प्रोग्राम है। शोध प्रशिक्षु ने गांवों का दौरा किया, हितधारकों के साथ बातचीत की, प्राइमरी और सेकेंडरी डेटा एकत्र किया, डेटा का विश्लेषण किया, समस्याओं की पहचान की और गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा के आधार पर समाधान का सुझाव दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षिक संस्थानों में अनुसंधान प्राथमिकताओं को पुनः प्रस्तुत करना है। विवरण 2.2 (iii) में दिए गए हैं।

प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) पूरा होने के बाद विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए महानिदेशक

शोध प्रशिक्षु (इंटर्न) के साथ नियाम संकाय

नियाम प्रशिक्षु (इंटर्न) का एफ.पी.ओ.एस के साथ परस्पर संवाद

केंद्र ने ओडिशा में कृषि–विकास–2018 में एक ज्ञान साझेदार (नॉलेज पार्टनर) के रूप में तथा उत्तर प्रदेश में कृषि कुंभ–2018 में सहभागिता की।

3.2 सी.सी.एस नियाम कृषि विपणन योजना और विकास केंद्र

सी.सी.एस नियाम कृषि विपणन योजना और विकास केंद्र का उद्देश्य विपणन योजना, डिजाइनिंग और विपणन आधारिक संरचना सुविधाओं का विकास करना, मूल्य श्रृंखला मॉडल्स (वैल्युज चैन मॉडल्स) का निर्माण और अपने हितधारकों की सुविधा द्वारा कृषि और संबद्ध बाजारों का प्रबंधन करना है।

केंद्र ने महाराष्ट्र में एफ.पी.ओ.एस के निदेशकों के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर प्रशिक्षण सहित कृषि विपणन के लिए, कृषि पर्यटन, कृषि बाजार और उद्यम विकास को बढ़ावा देने हेतु विपणन रणनीतियां, पंजाब, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, असम और महाराष्ट्र में विपणन अनुसंधान और डिजिट विश्लेषिकी हेतु विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किए।

आई.आई.टी.टी.एम, ग्वालियर में कृषि पर्यटन कार्यशाला

इसके अतिरिक्त, खट्टे (साइट्रस) के विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम : एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य, समशीतोष्ण फलों का विपणन : भारत की पहाड़ी कृषि विपणन प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य सफलतापूर्वक आयोजित किए गए थे। कार्यक्रमों में विभिन्नि सरकार और गैर–सरकारी संगठनों के प्रतिभागियों ने भाग लिया था। कार्यक्रम के दौरान खट्टे और अन्य समशीतोष्ण फलों के विपणन में मूल्य श्रृंखला की भूमिका पहाड़ी क्षेत्र के बागवानी उत्पादकों के लिए बेहतर अवसरों और बाजार संपर्क के निर्माण के लिए केंद्रित थी।

समशीतोष्णं फलों के विपणन पर प्रशिक्षण : हिमाचल प्रदेश में एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य

उत्तराखंड साइट्रस के विपणन पर प्रशिक्षण रू उत्तराखंड में एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य

असम में कृषि बाजार और उद्यम विकास पर प्रशिक्षण

उत्तर प्रदेश में कृषि बाजार और उद्यम विकास पर प्रशिक्षण

केंद्र ने पंजाब, छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्य में कृषि और संबद्ध विभागों के सार्वजनिक और निजी अधिकारियों के लिए कृषि विपणन में नये आयामों पर 3 बैनर कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया है। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि विपणन के पहलुओं अर्थात् ऑनलाइन

प्लेंटफॉर्म यानी ई–नाम, किसानों की आय दोगुनी करना, एग्रीप्रेन्योरशिप, क्षमता निर्माण, एफ.पी.ओ.एस, कौशल विकास पहल के साथ एकीकरण इत्यादि पर ध्यान केंद्रित करने वाले विभिन्न समकालीन केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक करना था।

पी.ए.एम.ई.टी.आई, लुधियाना, पंजाब में बैनर कार्यक्रम

इंदिरा गांधी कृषि विश्वनविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ में बैनर कार्यक्रम

3.3 संचार प्रौद्योगिकी तथा ई–नाम हेतु सी.सी.एस नियाम केंद्र

ई–कृषि एक बेहतर जानकारी और संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी) के माध्यम से कृषि के संवर्द्धन पर केंद्रित एक उभरता हुआ क्षेत्र है और ग्रामीण क्षेत्र में विशेष रूप से आई.सी.टी का उपयोग करने के लिए नवीन तरीकों की अवधारणा, डिजाइन, विकास, मूल्यांकन शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई–नाम) का परिचय पारदर्शिता, उचित मूल्य की खोज तथा पूरे ए.पी.एम.सी.एस में कृषि वस्तुओं की खोज करने हेतु एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। इस संदर्भ में, आई.सी.टी और ई–नाम हेतु सी.सी.एस. नियाम केंद्र बेहतर और कुशल कृषि बाजार हेतु आई.सी.टी. और ई–नाम के क्षेत्र में प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था।

केंद्र ने आई.सी.टी. और ई–नाम के क्षेत्र में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें कृषि उत्पादों के विपणन हेतु एकीकृत कृषि प्रणाली, कृषि उपज का प्रसंस्करण और विपणन, औषधीय और सुगंधित पौधों के विपणन की प्रक्रिया, मणिपुर और हिमाचल में कृषि उपज के विपणन को बढ़ाने के लिए 390 हितधारकों को शामिल करने हेतु ई–नाम और मॉडल ए.पी.एल.एम. अधिनियम इत्यादि शामिल हैं।

एकीकृत कृषि प्रणाली पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

औषधीय और सुगंधित पौधों के विपणन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिमाचल प्रदेश में एस.ए.एम.ई.टी.आई.,एच.पी. में "ई–नाम क्यों , कैसे और चुनौतियां" पर प्रशिक्षण

कृषि ज्ञान दीप के माध्यंम से सूचना का प्रसार करने हेतु आई.सी.टी मंच का उपयोग

गुजरात में कृषि विपणन में नए आयामों पर बैनर कार्यक्रम

मणिपुर में ई–नाम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

केंद्र ने एसडीएयू, गुजरात के सहयोग से "कपास फसल केंद्रित कृषि विपणन में नये आयाम" पर बैनर कार्यक्रम का आयोजन किया।

3.4 अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों हेतु सी.सी.एस नियाम केंद्र

सी.सी.एस नियाम ने अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए एक केंद्र की मेजबानी की, जो अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों, शोध कार्यों और कार्यशाला के डिजाइन पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि यह देशों के बीच अच्छे संबंध बनाने के लिए एक अनूठी गतिविधि को प्रस्तुत कर सके। दो देशों के बीच प्रौद्योगिकियों को साझा करने के लिए डिजाइन किए गए अल्पकालिक अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रस्तुत करने के लिए केंद्र की एक विशिष्ट भूमिका है।

फीड द फ्यूचर : भारतीय त्रिकोणीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 1 से 15 अक्टूबर, 2019 तक कृषि विपणन में मूल्य श्रृंखला और नवाचार पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम का उद्देश्य एफ.पी.ओ., कुशल आपूर्ति श्रृंखला के लिए कृषि लॉजिस्टिक्स की भूमिका, विपणन में प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग, विभिन्न आवश्यकताओं हेतु मूल्य श्रृंखला को डिजाइन करना, किसानों को लाभदायक मूल्य श्रृंखला में भाग लेने में सक्षम बनाना, निवेश और उद्यमशीलता हेतु अनुकूल वातावरण बनाना के द्वारा एकत्रीकरण के माध्यम से मूल्य श्रृंखला एकीकरण है। इस कार्यक्रम में एशिया और अफ्रीका के 7 देशों के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सी.सी.एस नियाम में कृषि विपणन में मूल्य श्रृंखला और नवाचार पर फीड द फ्यूचर : भारतीय त्रिकोणीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री मुस्तफा ईआई हमजाओई, निदेशक, खाद्य सुरक्षा

एफटीएफ आईटीटीटी समापन (वैलेडिक्शन) कार्यक्रम में कार्यपालकों (एक्जीक्यूटिव्ज) को प्रमाण पत्र का वितरण

3.4.1 डब्ल्यु.डब्ल्यु.एम प्रतिनिधियों का दौरा : थोक बाजार के विश्व संघ (डब्ल्युडब्ल्यूएम) के प्रतिनिधियों ने शिक्षकों (फैकल्टी) और एफटीएफ आईटीटी के प्रतिनिधियों से परस्पर संवाद करने के लिए सी.सी.एस. नियाम का दौरा किया। इसमें 27 प्रतिनिधि थे जिन्हों ने नियाम में परस्पर संवाद कार्यक्रम में सहभागिता की। मानद अध्येक्ष श्री मार्क स्पिलरीन ने आईटी सक्षम थोक बाजारों के महत्वर और भागीदारी की आवश्यिकता के बारे में बात की। कोसाम्ब के प्रबंध निदेशक डॉ. जे.एस. यादव ने चीन, पेरिस और एम्सयटर्डम में इलेक्ट्रॉनिक बाजारों को विपणन में एक नया प्रतिमान प्रदान किया है।

सी.सी.एस. नियाम में डब्ल्युयूडब्ल्यूएम के दौरे के दौरान वार्ता करते हुए श्री मार्क स्पिलरीन

थोक बाजारों की वर्ल्ड यूनियन (डब्ल्यु.यू.डब्ल्यु.एम) ने सी.सी.एस नियाम का दौरा किया

3.4.2 सी.सी.एस. नियाम और ए.ए.आ.र.डी.ओ. के बीच समझौता ज्ञापन(एम.ओ.यू.) :

सी.सी.एस. राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (नियाम) और एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (ए.ए.आ.र.डी.ओ.) ने 27 फरवरी, 2019 को कृषि–बाजार आधारिक संरचना, कृषि–मूल्य श्रृंखला एवं कृषि–उद्यमिता के क्षेत्र में एक साथ काम करने के लिए समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) का उद्देश्य किसानों के हित और ए.ए.आ.र.डी.ओ. सदस्य देशों के समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। डॉ. चंद्र शेकरा, महानिदेशक, सी.सी.एस. नियाम और एच.ई वासफि हसन अल–सेरिहिन, महासचिव, ए.ए.आ.र.डी.ओ. ने श्री पी.के. स्वैन, संयुक्त सचिव (विपणन) और श्री एच. सुंथा, निदेशक (अंतरराष्ट्रीय सहयोग), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गौरवमयी उपस्थिति में समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए।

सी.सी.एस. नियाम तथा ए.ए.आ.र.डी.ओ. के बीच समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर

3.4.3 सी.सी.एस. नियाम को ए.ए.आ.र.डी.ओ. द्वारा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया

ए.ए.आ.र.डी.ओ.–कोईका ने एसएआरडी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन करने को ध्यान में रखते हुए 29 तथा 30 अक्टूबर, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित एसएआरडी प्रशिक्षण के प्रभाव पर कार्यशाला का अनुवर्तन किया और कृषि तथा ग्रामीण विकास क्षेत्र में संभावित क्षेत्रों की पहचान करना।

नई दिल्ली में ए.ए.आर.डी.ओ–के.ओ.आई.सी.ए अनुवर्ती कार्यशाला

3.4.4 नेपाल प्रतिनिधियों का अध्ययन व एक्सपोजर दौरा :

डॉ. योगेंद्र कुमार कार्की, संयुक्त सचिव, कृषि, नेपाल के नेतृत्व में नेपाल में नयी भागीदारी के अंतर्गत नेपाल से पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने नियाम, जयपुर का दौरा किया। भारत में विपणन कृषि प्रणाली, भारतीय कृषि विपणन प्रणाली में मूल्यानकन और सुधार, ई–नाम, अनुबंध कृषि मॉडल अधिनियम 2018 और एपीएलएम 2018 जैसे समकालीन सुधारों, न्यूनतम समर्थन मूल्य, सार्वजनिक निजी भागीदारी इत्यादि को समझने के लिए एक अध्ययन सह एक्सपोजर दौरा का आयोजन किया गया था और बाद में किसानों की आय को दोगुना करने पर चर्चा का आयोजन किया गया था। प्रतिनिधिमंडल ने आधुनिक टर्मिनल बाजार के संचालन को देखने के लिए मुहाना टर्मिनल बाजारों (फल और सब्जी बाजार) का दौरा किया और देश में कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कृषि शिक्षा की भूमिका को समझने के लिए एस.के.एन कृषि विश्वविद्यालय का भी दौरा किया।

भारत में कृषि विपणन को समझने के लिए नेपाल के प्रतिनिधिमंडल ने सी.सी.एस. नियाम का दौरा किया

3.4.5 कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान :

डॉ. अशोक दलवई, आई.ए.एस, सी.ई.ओ, एन.आर.ए.ए, भारत सरकार और अध्यक्ष डबलिंग फार्मर्स इनकम ने सी.सी.एस. नियाम, जयपुर में 2 अक्टूबर, 2018 को कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान का उद्घाटन किया। उन्होंने किसानों की दोगुनी करने पर एक उद्घाटन भाषण दिया था। इस वार्ता में सात देशों के कार्यपालक (एक्जीक्यूटिव), पी.जी.डी.एम.–(ए.बी.एम.) विद्यार्थियों और सी.सी.

एस. नियाम संकाय सदस्यों ने भाग लिया था। वर्ष 2018–19 के दौरान प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा एग्रीप्रेन्योशिप, अनुबंध खेती, सीधे विपणन और किसान उत्पादक संगठनों को बाजार से जोड़ने और ई–नाम के माध्यम से लाभदायक एवं सतत् कृषि पर पांच अन्य ज्ञान श्रृंखला व्याख्यान दिए गए थे। कृषि ज्ञान दीप श्रृंखला व्याख्यान में बाजार विस्तार, आईसीटी की तैनाती, आपूर्ति श्रृंखला में खामियों को दूर करना एवं बाजार सूचना प्रणाली को समझने के लिए किसान क्षमता का निर्माण और वैकल्पिक बाजारों में उभरते हुए अवसरों का लाभ लेने सबंधी निर्णय लेने के माध्यम से किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु कृषि संख्या में हितधारकों को परिचालित की गई थी।

डॉ. अशोक दलवई, आई.ए.एस, सी.ई.ओ, एन.आर.ए.ए, भारत सरकार द्वारा कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान श्रृंखला उद्घाटन वार्ता

3.4.6 भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों का सी.सी.एस. नियाम में दौरा

विदेश मंत्रालय के नौ अधिकारियों (आईएफएस) ने एचसीएम राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान के पर्यवेक्षण में अपने मध्य कैरियर प्रशिक्षण के दौरान भारत में कृषि विपणन के बारे में जानने के लिए सी.सी.एस. नियाम का दौरा किया। अधिकारियों ने इराक, ऑस्ट्रेलिया, स्लोवकिया, मॉरीशस, यूक्रेन और जाजीबार में भारतीय मिशन का प्रतिनिधित्व किया। दौरे के दौरान अधिकारियों को भारत में सी.सी.एस. नियाम, और इसकी गतिविधियों तथा कृषि विपणन के महत्व से अवगत कराया गया था। आईएफएस अधिकारियों ने कहा कि कृषि विपणन के क्षेत्र में क्षमता निर्माण, विद्यार्थी विनिमय, संयुक्त कार्यक्रमों के लिए सहयोग करने हेतु विकासशील देशों तक पहुंचने की अत्यधिक गुंजाइश है। (ए.बी.एम.) विद्यार्थियों हेतु एक्सपोजर दौरा, प्लेसमेंट और विनिमय कार्यक्रमों हेतु अवसरों पर विशेष ध्यान दिया गया था।

सी.सी.एस नियाम में भारतीय राजदूतों का दौरा

3.4.7 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में महानिदेशक, नियाम को "उत्कृष्टता पुरस्कार"

नेपाल सरकार और इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन (आईएनएसईई) द्वारा 20 मार्च से 23 सितंबर, 2018 के दौरान काठमांडू, नेपाल में संयुक्त रूप से सार्क देशों के किसानों की आय दोगुनी करने पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। सम्मेलन में पांच देशों के लगभग 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। नेपाल के प्रधानमंत्री श्री के.पी. शर्मा ओली ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों द्वारा 10 सत्रों में 83 चयनित शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। डॉ. पी. चंद्र शेकरा, महानिदेशक, नियाम, ने "एग्रीप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट : इंडियन एक्सपीरियंसेस एंड लर्निंग" पर पेपर प्रस्तुत किया। काठमांडू, नेपाल में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डॉ. पी. चंद्र शेकरा, महानिदेशक, नियाम को कृषि विकास के क्षेत्र में उनके पेशेवर योगदान पर विचार करते हुए "उत्कृष्टता पुरस्कार" प्रदान किया गया।

काठमांडू, नेपाल में आई.एन.एस.ई.ई. सम्मेलन

3.4.8 लाओ–पीडीआर, वियतनाम में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में नियाम संकाय की भागीदारी

डॉ. एस.आर. सिंह, उप निदेशक (कौशल एवं विपणन) ने कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए "बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए कृषि उपज के लिए गुणवत्ता मानकों पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण" में भाग लिया। यह कार्यक्रम एशियाई उत्पादकता संगठन और राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा 10 से 14 दिसंबर, 2018 को लाओ–पीडीआर में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम के प्रतिनिधियों को डॉ.एस.आर. सिंह द्वारा ई–नाम पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

लाओ पीडीआर में ए.पी.यू तथा एम.पी.सी का प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

3.5 सी.सी.एस. नियाम निगरानी और मूल्यांकन केंद्र

सी.सी.एस. नियाम में सी.सी.एस. नियाम निगरानी और मूल्यांकन केंद्र भौतिक और वित्तीय निगरानी, स्थापित शेड्यूलों और सफलता के संकेतकों के प्रति परियोजना की प्रगति को मापना

अथवा प्रोग्राम गतिविधियों, गतिविधियों की प्रगति अथवा आउटपुट उत्पादन की सफलता के लेखांकन कारकों की पहचान करना और परियोजना की गतिविधियों और उनके तत्काल अल्पकालिक प्रभावों के प्रति प्रारंभिक रेस्पॉंस तथा प्रतिक्रियाओं की माप को कवर करता है। निगरानी और मूल्यांकन केंद्र संचालित किसी भी परियोजना के प्रभाव का पता लगाने के लिए कृषि विपणन, आधारिक संरचना, प्रशिक्षण और मूल्यांकन अध्ययन से संबंधित प्रकार की परियोजनाएं लेता है।

मणिपुर में 270 किसानों को शामिल करते हुए औषधीय और सुगंधित पौधों के विपणन, प्रसंस्क्रण और औषधीय पौधों के विपणन के लिए महिला किसानों को जोड़ने, बागवानी उत्पादन, बाजार नेतृत्व विस्तार के विपणन सहित कृषि विपणन के विभिन्ना पहलुओं पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। केंद्र ने हितधारकों के लिए कृषि विपणन में नये आयाम पर जयपुर में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया।

कर्नाटक के हॉसन जिले के अर्सिकेरे तालुक में "किसानों को समारोह हॉल से जोड़ना–एक विपणन परिप्रेक्ष्या" पर एक शोध इंटर्नशिप पूरी हुई थी।

3.5.1 औषधीय पौधों पर परामर्श परियोजना : "तेलंगाना राज्य में अश्वगंधा, एलोवेरा, तथा आओला की खेती/संग्रह प्रैक्टिसेस और बाजार विश्लेषण का अध्ययन करने हेतु परामर्शी परियोजना" पूरी की गई और एन.एम.पी.बी., आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली को प्रस्तुत की गई।

तेलंगाना में अश्वगंधा, ऐलो–वेरा तथा ओन्ला के खेत का निरीक्षण

3.5.2 कौशल विकास पर परामर्श : कौशल विकास के मिशन के तहत बेरोजगार ग्रामीण युवाओं और विद्यालय छोड़ने वालों के बीच कौशल अभिविन्यास प्रदान करने के लिए सी.सी.एस. नियाम द्वारा कौशल के विभिन्न पहलुओं पर तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि कल्याण अभियान की योजना के तहत कृषि विज्ञान केंद्र, खगडिया, बिहार में कृषि कल्याण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। बिहार के खगडिया जिले के 25 चयनित गांवों को एनएडीईपी खाद निर्माण और जैविक खेती के बारे में जागरूक किया गया।

"कृषि कल्याण अभियान" के तहत फलों के पौधों का वितरण

3.6 सार्वजनिक निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) हेतु सी.सी.एस. नियाम केंद्र

कृषि में सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) विकासशील देशों में छोटे किसानों की अजीविका में सुधार लाने के लिए प्रौद्योगिकी, संसाधन, कौशल, विशेषता और बाजार तक पहुंच बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण तंत्र और उभरता हुआ क्षेत्र है। कृषि में पी.पी.पी. की आवश्यकता अनुसंधान और विकास, गहन कृषि, किसानों के लिए संस्थागत ऋण, और गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग, किसानों के बढ़ते मशीनीकरण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए है। यह केंद्र कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में पी.पी.पी. परियोजनाओं के निष्पादन में तालमेल की खोज के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

केंद्र ने असम और नागालैंड राज्यों में उद्यमिता विकास पर बागवानी उत्पादन, फूल, पशुधन, सब्जियां, मसालें, चाय और प्रशिक्षण पर आठ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजिए किए, जिसमें 250 हितधारक शामिल हैं।

असम में उद्यमिता विकास

3.6.1 कटहल (जैकफ्रूट) मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए बाजार व्यएवहार्यता अध्ययनः यह न्यायमूर्ति के.एस. हेगड़े, इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, एन.आई.टी.टी.ई. के सहयोग से आयोजित किया जाता है। शोध अध्ययन पूरा हो गया है और अंतरिम रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया है। केंद्र ने मैंगलोर, कर्नाटक में कृषि व्यवसाय के लिए ई–कॉमर्स रणनीति पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें 28 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और हैदराबाद में ए.पी.एम.एल. अधिनियम पर एक कार्यशाला आयोजित हुई, जिसमें 50 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।

एन.आई.टी.टी.ई., मैंगलोर में "सतत् कृषि व्यवसाय हेतु ई–कॉमर्स" रणनीति पर राष्ट्रीय कार्यशाला

3.6.2 भागीदारी : प्रतिष्ठित संगठनों के साथ छह समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए।

3.7 कृषि–व्यवसाय प्रबंधन एवं शिक्षा हेतु सी.सी.एस. नियाम केंद्र

कृषि–व्यवसाय प्रबंधन एवं शिक्षा हेतु सी.सी.एस. नियाम केंद्र कृषि क्षेत्र की सेवा करने हेतु प्रशिक्षित और पेशेवर जनशक्ति को विकसित करता है। सी.सी.एस. नियाम ने वर्ष 2001 में एग्रीबिजनिस मैनेजमेंट में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा शुरू किया है। इस प्रोग्राम के 700 से अधिक उत्तीर्ण व्यक्ति वर्तमान में एग्री इनपुट, खाद्य, बैंकिंग, लघु और सूक्ष्म उद्यम, परामर्श इत्यादि जैसे क्षेत्रों की सेवा कर रहे हैं। सी.सी.एस. नियाम का यह केंद्र सार्वजनिक, निजी, सहकारी समितियों और गैर–सरकारी संगठनों में कृषि पेशेवर और कार्यपालकों (एक्जिक्यूटिव) के क्षमता निर्माण में भी लगा हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में किसान उत्पादक संगठनों हेतु कई प्रशिक्षण कार्यक्रम/एमडीपी आयोजित किए गये हैं।

3.7.1 प्रबंधन में पोस्ट् ग्रेजुएट डिप्लोमा (एग्री–बिजनेस मैनेजमेंट)–एआईसीटी द्वारा अनुमोदित दो वर्षीय आवासीय प्रोग्राम

यह एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित दो वर्ष का नियमित स्नातकोत्तर प्रोग्राम है, जिसमें कृषि–व्यवसाय पेशेवरों के 18 बैचों ने अब तक सी.सी.एस. नियाम के पोर्टल से स्नातक किया है। प्रोग्राम की यूएसपी प्रबन्ध छात्रों की तकनीकी–प्रबंधकीय क्षमता विकसित करती है, ताकि उन्हें पेशेवर रूप से कृषि मूल्य श्रृंखला सर्व करने में मदद मिल सके। यह ट्यूशन फीस, बोर्डिंग और लॉजिंग, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय फीस, मेडिकल इंश्योरेंस इत्यादि के लिए दो वर्ष हेतु रु. 6.76 लाख की सस्ती फीस के साथ एक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर प्रोग्राम है। मार्च, 2019 में 53 विद्यार्थियों का एक बैच पास हुआ है और उन्होंने 23 कोर्पोरेट कंपनियों में रु. 6.90 लाख के औसत सीटीसी के साथ 100% प्लेसमेंट पाया है।

3.7.2 कार्यक्रम में कृत्य गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं :

1. **समीक्षा और पुनः अवलोकन कार्यशाला :** मौजूदा पाठ्यक्रम पाठ्चर्या की समीक्षा और पुनः अवलोकन के लिए पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) ने सी.सी.एस. नियाम में 14–15 जून, 2018 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. अमर केजेआर नायक, प्रोफेसर जेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर, डॉ. नलिनीपर्व त्रिपाठ, प्रोफेसर, आई.आई.एम. शिलांग, डॉ. बी. के. तुलसीमाला, प्रोफेसर, मैसूर विश्वमहाविद्यालय तथा डॉ. जी.सी. डंगायच, प्रोफेसर, एमएनआईटी, जयपुर बाहरी विशेषज्ञ थे जिन्होंने समीक्षा और पुनः अवलोकन (रिवीजन) में सी.सी.एस. नियाम और पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) संकाय के साथ सहभागिता की और महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यशाला में मौजूदा पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) पाठ्यक्रमों पर प्रस्तावित बदलाव/संशोधन पर चर्चा की गई, नये पाठ्यक्रमों की शुरूआत की गई, जो कि त्रैमासिकवार (ट्राइमेस्टर वाइज) पाठ्यक्रम के संदर्भों और प्लेसमेंट का सुझाव दिया गया। समिति की सिफारिश के आधार पर निम्निलिखित सात नए पाठ्यक्रम जोड़े गए हैं।

- कृषि में संस्कृति आचार नीति (इथिक्स) और दृष्टिकोण
- कृषि में एआई आवेदन
- ब्लॉक चैन प्रौद्योगिकीय
- डिजिटल विपणन
- कृषि विपणन का सिद्धांत
- वित्तीय प्रबंधन I
- वित्तीय प्रबंधन II

समीक्षा टीमः दूसरी पंक्ति (बाएं से दाएं)– श्री सत्येंद्र कुमार, डॉ. सतीश चंद्र पंत
पहली पंक्ति (बाएं से दाएं)– डॉ. मानसी माथुर, डॉ. नलिनिप्रिया त्रिपाठी, डॉ. शुचि माथुर, डॉ. बी.के. तुलसीमाला, डॉ. पी. चंद्र शेकरा, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. अमर केजेआर नायक, डॉ. जी.एस. डंगायच, डॉ रमेश मित्तॉल.

2. **ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) :** ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) पाठ्यक्रम पाठ्यचर्चा का एक हिस्सा है और अप्रैल–जून, 2018 से तिमाही IV के दौरान शुरू किया गया था। विद्यार्थियों को वास्तविक कृषि व्यवसाय वातावरण में अधिग्रहीत ज्ञान को सीखने और उसके उपयोग को बढ़ाने हेतु प्रथम और द्वितीय शैक्षणिक वर्षों के बीच गर्मियों में प्रशिक्षुता के दौरान कम से कम आठ सप्ताह के लिए एक संगठन (कॉर्पोरेट कंपनियों, बैंको, संगठनों) में काम करने की आवश्यकता होती है।

बैच 2018–20 के सभी 59 विद्यार्थियों को 22 कंपनियों द्वारा "पेड समर इंटर्नशिप" की पेशकश की गई। ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षुता परियोजनाएं नियाम तथा पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) के संकाय सदस्यों ने स्पॉट सत्यापन (वेरिफिकेशन), मेंटरिंग ओर ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु को सहायता के लिए दौरा किये थे। इस दौरे का उद्देश्य उन कंपनियों के साथ लिंकेज और नेटवर्क स्थापित भी करना था, जो अतिथि व्याख्यान, परामर्श और प्लेसमेंट की पेशकश करके पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) / नियाम का समर्थन कर सकता है।

सी.सी.एस. नियाम के संकाय का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता का ऑनसाइट मेंटरिंग का विवरण निम्नलिखित है :

संकाय सदस्य	स्थान	दौरा किए गए संगठन
डॉ. पी. चंद्र शेकरा	जयपुर	बायर, इनर बीइंग वेलनेस, सब–के
डॉ. विक्रम सिंह	हैदराबाद	a–आईडीईए(एनएएआरएम), कोरोमंडल, कैस्पियन
डॉ. रमेश मित्तल	कानुपर	महिंद्रा, सीड वर्क्स, आर्या कोलेटेरल
डॉ. शुचि माथुर	मुंबई	अल्फा अल्टरनेटिव्य, महिंद्रा एग्री सॉल्यूशंस,Go4फ्रेश
डॉ. मानसी माथुर	अहमदाबाद	टीसीएस, कलेक्स वेयरहाउसिंग
श्री सत्येंद्र कुमार	बैंगलोर	कोरोमंडल, महिको, टीसीएस

3. **बी–फेस्टा एग्रोवोनः** एग्रोवोन–बी फेस्ट का 7 और 8 सितंबर, 2018 को सी.सी.एस. नियाम में युवा उत्साह के साथ आयोजन किया गया था। प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आई.आई.एम.–ए, आई. आई.एम.–बी, आई.आई.एम.–I, एस.आई.बी.एम., एम.ए.एन.ए.जी.ई., सी.(ए.बी.एम.), बी.एच.यू., वेलिन्कर स्कूल इत्यादि से पचास विद्यार्थियों को कैंपस राउंड के लिए 1500 विद्यार्थियों में से शॉर्टलिस्ट किया गया था, जो इस आयोजन के लिए पंजीकृत थे। गतिविधियों की मुख्य विशेषताएंः विवेचन (एक केस अध्ययन प्रतियोगिता), लक्ष्य (बी योजना प्रतियोगिता), विपणन (उत्पाद विपणन), आदविक (लाइव केस स्टिड), मंथन (एक वाद–विवाद प्रतियोगिता)।

बी–फेस्ट एग्रोवोन की झलकियां

4. सी.सी.एस. नियाम एलुमनी मीट – एस.के.वी.आर.आई.यू.एस. 2018, 8 सितंबर, 2018 को सी.सी.एस. नियाम एलुमनी एसोसिएशन "एस.के.वी.आर.आई.यू.एस. 2018" की वार्षिक बैठक (मीट) आयोजित की गई। सी.सी.एस. नियाम प्रबंधन और एलुमनी एसोसिएशन के बीच परस्पर संवाद शैक्षणिक, प्रशिक्षुता और बुनियादी ढांचे के विकास और व्यावहारिक शिक्षा के साथ प्लेससमेंट सहित संबंधित प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित थी।

एलुमनी मीट–स्काईरियस (SKYRIUS) 2018 की झलकियां

5. फाइनल नियोजन (प्लेसमेंट) : सैंतीस कॉर्पोरेट कंपनियों ने प्लेसमेंट हेतु परिसर का दौरा किया, और अंतिम वर्ष के सभी 53 विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष रु. 6.90 लाख के औसत सीटीसी के साथ 100% प्लेसमेंट मिला। इस वर्ष के लिए 5 कंपनियों द्वारा प्री–प्लेसमेंट ऑफर देने का एक स्वस्थ चलन की पेशकश की गई, जो नोट किया गया था। कंपनियों द्वारा विद्यार्थियों को उनकी ग्रीष्मकालीन परियोजना परफॉर्मेंस के आधार पर प्री–प्ले समेंट ऑफर दिए गए थे और ऐसे प्रस्ताव प्लेमसमेंट प्रकिया शुरू होने से पहले दिए जाते हैं।

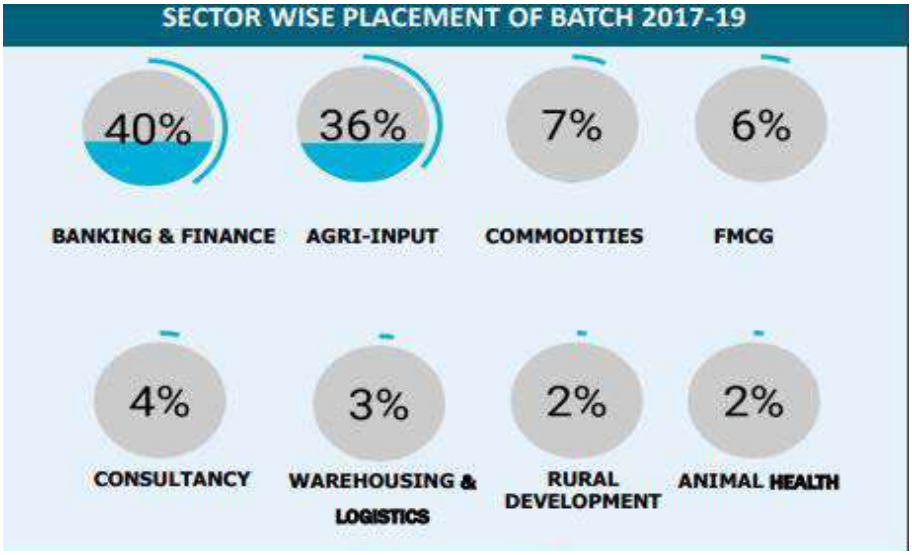

6. **औद्योगिक दौरा 2018:** उद्योग इंटरफेस महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सर्वोत्तम प्रबंधन प्रैक्टिसेस के लिए एक्सपोजर प्रदान करता है, जो विद्यार्थियों को शिक्षा से उद्योग को जोड़ने में सक्षम बनाता है। औद्योगिक दौरे के परिणामस्वरूप अतिथि पेशेवरों, लाइव प्रोजेक्टस और ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता की पेशकश से व्याख्याताओं की मांग की गई है। यह कॉर्पोरेट संबंध निर्माण का भी समर्थन करता है। वर्ष 2018 के दौरान द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने कृषि व्यवसाय उद्योग के 9 अलग–अलग क्षेत्रों में इनपुट से लेकर आउटपुट तक की 317 कंपनियों का दौरा किया। 14 दिनों के औद्योगिक दौरे के दौरान दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद, बेंगलुरु इत्यादि स्थानों का दौरा किया गया। इस इवेंट में सभी 53 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

7. **कॉर्पोरेट इंटरफेस :** कॉर्पोरेट इंटफेस सी.सी.एस. नियाम की एक आंतरिक विद्यार्थियों की गतिविधि है, जो कभी–कभी बदलते उद्योग की कॉर्पोरेट और प्रबंधन नीतियों को समझने के लिए एक इंटरफेस प्ले्टफॉर्म प्रदान करता है।

कॉर्पोरेट इंटरफेस के भाग के रूप में आयोजित अतिथि व्याख्यान का विवरण निम्नलिखित है –

क्रमांक	दिनांक	विशेषज्ञ	संगठन
1	18 जुलाई, 2018	भावना शाह	मलेशियन पाम ऑयल कॉर्पोरेशन
2	27 जुलाई, 2018	वेंकट अय्यर	एम.ओ.एफ.सी.ए.
3	26 अगस्त, 2018	सुधीर कुमार	सुमितोमो केमिकल्स
4	27 अगस्त, 2018	भीमेशा एलटी	महिंद्रा स्वराज
5	1 सितंबर, 2018	रजत गुप्ता	ट्रैक्टर जंक्शन
6	13 सितंबर, 2018	अशोक दलवई, आईएएस	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
7	8 अक्टूबर, 2018	गुरुनाथ	समुनती
8	2 अक्टूबर, 2018	श्रीवत्स कंदुकुरी	आईटीसी
9	24 अक्टूबर, 2018	गिरिधर राणुवा	बीएएसएफ
10	25 अक्टूबर, 2018	प्रमोद तिवारी	यूपीएल लिमिटेड

क्रमांक	दिनांक	विशेषज्ञ	संगठन
11	20 अक्टूबर, 2018	प्रो. के नारायण गौड़ा	पूर्व वी.सी., यूएएस, बैंगलोर
12	15 नवंबर, 2018	माधब अधिकारी	कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड
13	3 दिसंबर, 2018	अमरेंद्र मिश्रा	एडीएम
14	6 दिसंबर, 2018	नवीन मल्लिक	समस्ता माइक्रोफाइनेंस
15	7 दिसंबर, 2018	श्री माणिक्कय नटराजन	नागार्जुन एग्रोकेमिकल्स
16	10 दिसंबर, 2018	श्री जितेंद्र सिंह	सकाईलार्क हैचरी
17	11 दिसंबर, 2018	डॉ. पुनीत पचौरी	डीसीएम श्रीराम
18	13 दिसंबर, 2018	श्री अजय दुबे	आईसीआईसीआई बैंक
19	15 दिसंबर, 2018	श्री विवेक मित्तल	सल्फर मिल्स लिमिटेड
20	17 दिसंबर, 2018	प्रमोद त्रिवेदी	ज्ञान डेयरी

श्री वेंकट अय्यर, मुंबई ऑर्गेनिक फॉर्मर्स एंड कंज्यूमर्स एसोसिएशन (एम.ओ.एफ.सी.ए.) के सदस्य–और मूंग ओवर माइक्रोचिप के लेखक सी.सी.एस. नियाम में पी.जी. डी.एम. के विद्यार्थियों के साथ बातचीत की

8. **विद्यार्थियों की संगोष्ठी :** वर्ष 2018–19 के दौरान पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) विद्यार्थियों द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतियां दी गई।

समूह 1 : हरित क्रांति : कृष्णोती योजना

समूह 2 : प्रधान मंडी किसान संपदा योजना पहल

समूह 3 : भारत में कृषि प्रसंस्करण : अवसर और उभरते मुद्दे

समूह 4 : किसानों के लिए उभरते ई–वाणिज्यी प्लेटफॉर्मस

समूह 5 : कृषि में कौशल विकास : संभावनाएं और चुनौतियां

समूह 6 : मॉडल एपीएलएम अधिनियम 2017

समूह 7 : बागवानी के एकीकृत विकास के मिशन (एम.आई.डी.एच.)

समूह 8 : एग्री स्टार्टअप द्वारा अभिनव विपणन प्रैक्टिसेस

समूह 9 : किसान प्रोड्यूसर संगठन अर्थात् कृषि व्यवसाय

समूह 10 : बेहतर रिटर्न हेतु प्रौद्योगिकी संचालित (ड्रिवेन) कृषि

9. **वॉल ऑफ फेमः** पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) से उत्कृष्ट विद्यार्थियों और एग्रीप्रेन्योर को पहचानने के लिए वॉल ऑफ फेम की 14 अगस्त, 2018 को सचिव, कृषि, भारत सरकार और सभी पूर्व महानिदेशकों की उपस्थिति में शुरूआत की गई थी।

10. पुरस्कार और छात्रवृत्ति : पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) बैच 2017–19 के दो विद्यार्थियों में से प्रत्येक ने एक्जिम बैंक से रु. 1.5 लाख की छात्रवृत्ति प्राप्त की। प्रत्येक वर्ष (सामान्य श्रेणी का एक विद्यार्थी और विशेष श्रेणी का अन्य दूसरा) पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) प्रोग्राम के प्रथम वर्ष के 2 मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जाती है। सुश्री शैलजा तलवार और श्री चिराग भाटिया को प्रथम वर्ष में उनके शैक्षणिक परफॉर्मेन्स के आधार पर पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) बैच 2017–19 से चुना गया था।

11. पाठ्येत्तर गतिविधियां

नियाम पीमियर लीग (मार्च 2019) : नियाम प्रीमियर लीग (एनपीएल) की वर्ष 2008 में शुरूआत हुई, यह एकजुटता का उत्सव है, जहां इसे पूर्व विद्यार्थी वर्तमान बैच एक साथ क्रिकेट खेलकर मनाते हैं। यह एक विरासत है जिसे सी.सी.एस. नियाम के प्रत्येक आगामी बैच को पास किया जाता है। एनपीएल 17–20 मार्च, 2019 के दौरान आयोजित किया गया था जिसमें लड़कियों की टीम "द फोनिक्स' ऑफ पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) 2017–19" विजय रही।

वार्षिक खेलकूद अधिवेशन (मीट)– नियाम प्रीमियर लीग (एन.पी.एल)

होली 2019 : पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) 2017–19 और 2018–20 के विद्यार्थियों ने सी.सी.एस. नियाम परिसर में उत्साहपूर्वक होली पर्व मनाया। उत्सव के दौरान, पास आउट बैच विद्यार्थियों के साथ शामिल हुए। ये उत्सव विद्यार्थियों के बीच सांस्कृतिक बंधन को मजबूत करते हैं और सद्भावना को बढ़ावा देते हैं।

सी.सी.एस. नियाम में होली का उत्सव

विदाई 2019 (दास विदानिया) : 25 मार्च, 2019 को पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) 2017–19 बैच को 2018–20 बैच के विद्यार्थियों से विदाई मिली। 'दासविदानिया' नामक कार्यक्रम का उद्घाटन महानिदेशक ने केक काटने की रसम के साथ सीनियर बैच द्वारा किया गया।

'दासविदानिया' पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) 2017–19 बैच

सी.सी.एस. नियाम में ग्रीन परिसर पहल : पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) के नये बैच ने सी.सी.एस. राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान में 20 जुलाई, 2018 को वृक्षारोपण दिवस मनाया, जिसमें इस अवसर पर महानिदेशक, डॉ. पी. चंद्र शेकरा, अधिष्ठाता और निदेशकों, संस्थान के संकाय की गौरवमयी उपस्थिति के साथ–साथ पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रत्येक विद्यार्थी ने एक पौधा लगाया, जो व्यक्ति और संस्थाए की वृद्धि और समृद्धि का प्रतीक है।

परिसर (कैम्पस) में वृक्षारोपण

उन्नात भारत अभियान (यू.बी.ए) : नियाम ने उदयपुर में आईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित उन्नत भारत अभियान (यूबीए) पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला में सहभागिता की। यह कार्यशाला सहभागिता करने वाले संस्थान द्वारा अपनाए गए गाँव समूह में यूबीए गतिविधियों की योजना पर आयोजित की गई थी। चर्चा के प्रमुख बिंदु थे 1) कार्य योजना तैयार करने हेतु फ्रेमवर्क, 2) स्थिति विश्लेषण के लिए सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पीआरए) टूल्स और तकनीक, 3) तकनीकी परामर्श और कार्यान्वयन तंत्र हेतु विषय विशेषज्ञ समूह (सेगमेंट) की भूमिका और 4) डिजिटल लर्निंग टूल्स) (एक्वोवेशन) के माध्यम से स्कूली शिक्षा में सहभागिता करना। 15 अगस्त, 2018 को जयपुर के किशनगढ़ रेनवाल तहसील में गोद लिए गए गाँवों में ग्रामसभा आयोजित की गई थी। ग्रामीणों ने ग्रामसभा में भाग लिया और अपनी समस्याएं बतायी। कार्यक्रम के पीछे का विचार ग्रामीणों के साथ संपर्क बनाना और भागीदारी मोड पर उनके स्थान पर समाधान का पता लगाना था। अंत में, समस्याओं की पहचान की गई और संबंधित प्राधिकारी को सूचित किया गया।

श्री वेंकट अय्यर, मुंबई ऑर्गेनिक फॉर्मर्स एंड कंज्यूमर्स एसोसिएशन (एम.ओ.एफ.सी.ए.) के सदस्य–और मूंग ओवर माइक्रोचिप के लेखक सी.सी.एस. नियाम में पी.जी.डी.एम. के विद्यार्थियों के साथ बातचीत की

प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण : रेडक्रॉस सोसायटी, जयपुर की ओर से छह शिक्षकों और पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) के विद्यार्थियों को आपातकालीन स्थिति संभालने हेतु प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण दिया गया।

3.7.3 आई.आई.एम.ए, अहमदाबाद में केस अध्ययन संगोष्ठी में नियाम संकाय की भागीदारी

डॉ. सतीश चंद्र पंत और श्री सत्येंद्र कुमार एडी ने 12–13 दिसंबर, 2018 के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद में संगोष्ठी में सहभागिता की। संगोष्ठी में संकाय ने आई.आई.एम.ए प्रोफेसरों (प्रो. सरल मुखर्जी और प्रो. संजय वर्मा) तथा हार्वर्ड के प्रोफेसर (प्रो. वी.जी. नारायण) के साथ परस्पर संवाद किए और कक्षा के दौरान प्रभावी शिक्षण शिक्षा हेतु केस शिक्षण का संचालन करने के लिए केस शिक्षण विधियों और कौशलों के बारे में सीखा।

आई.आई.एम, अहमदाबाद में केस स्टडी पद्धति संबंधी शिक्षण संगाष्ठी में एन.आई.ए.एम संकायों की भागीदारी

3.8 कृषि लॉजिस्टिक्स हेतु सी.सी.एस. नियाम केंद्र

भारत एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है, जिसे बड़े पैमाने पर कृषि उत्पादों के लिए जाना जाता है, लेकिन भारतीय कृषि उपज का एक निश्चित प्रतिशत लापरवाही के कारण होने वाला नुकसान एक चौंका देने वाला, गैर–सस्ता और रोकथाम योग्य अपशिष्ट है। दुर्भाग्य से, परिवहन और भंडारण की खराब स्थितियों के कारण कृषि उपज का टनों भाग कीटों के कारण नष्ट हो

जाता है। इनमें अक्सर या तो कमी, अथवा खराब गुणवत्ता होती है। फसल भंडारण की सुविधा का अभाव, अनावश्यक अधिशेष के साथ बाजार में अत्यधिक फसल, जो प्रत्येक दिन बर्बाद हो रही है, के कारण किसानों को फसल तुरंत बेचने के लिए मजबूर करता है। कृषि लॉजिस्टिक केंद्र का उद्देश्य किसानों को उनकी क्षमता को मजबूत और बेहतर तथा वैज्ञानिक तरीके से भंडारण के उपयोग के प्रति समक्ष को बढ़ावा देना है, फसल के दौरान नुकसान और अपव्यय को रोकना, फसल कटाई के बाद और अपने खेत की उपज के लिए अच्छा मूल्य प्राप्त करना।

केंद्र ने देश के विभिन्न स्थानों पर निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए :

- राजस्थान और गुजरात में डब्ल्यु.डी.आर.ए. कार्यपालकों (एक्जिक्यूटिव) हेतु वेयरहाउस विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें 125 हितधारक शामिल थे।

- पंजाब, हरियाणा वेयरहाउसिंग विकास एवं नियामक प्राधिकरण (डब्ल्यु.डी.आर.ए.) में जागरूकता कार्यक्रम, जिसमें 435 हितधारक शामिल थे।

- मैंगलोर, कर्नाटक में कृषि व्यवसाय हेतु डिजिटल विपणन, जिसमें 38 हितधारक शामिल हैं।

इंस्टिट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (आई.एस.ई.सी.), बेंगलुरु के सहयोग से ग्रामीण गोदाम योजना (ग्रामीण भंडार योजना) के क्रियान्वयन की प्रभावशीलता पर शोध अध्ययन की पहल प्रगति पर है।

3.9 नवाचार, उद्यमिता एवं कौशल विकास के लिए सी.सी.एस. नियाम केन्द्र

कृषि और संबद्ध क्षेत्र में उद्यमिता और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए, सी.सी.एस. नियाम में नवाचार, उद्यमिता और कौशल विकास केंद्र स्थापित किये गये हैं। यह उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आर.के.वी.वाई. रफ्तार योजना के सुचारू और कुशल निष्पादन के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सूचना सहायक के रूप में कार्य कर रहा है। केंद्र के अंतर्गत, देश में चार आर.के.वी.वाई.–आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर. एग्री बिजनेस इंक्यूबेटर्स (आर–एबीआई) को हैंड होल्डिंग सहायता देने के लिए नियाम एग्री–बिजनेस इनक्यूबेटर (नाबी) स्थापित किया गया है, जहां कृषि उद्यमी और एग्री–स्टार्टअप्स कृषि उद्यमिता के लिए एकीकृत इंक्यूबेशन (ऊष्मायन) सहायता प्राप्त कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण गतिविधियाँ थीं:

- राजस्थान में कृषि नवाचारों के लिए कृषि विकास–खोज 30 हितधारकों को कवर करती है
- कृषि उद्यमिता सम्मेलन, कर्नाटक में एन.आई.टी.टी.ई. विश्वविद्यालय 275 हितधारकों को कवर करता है
- नागालैंड, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में 438 हितधारकों को शामिल करते हुए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पूर्वोत्तर राज्यों में उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- 25 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए जयपुर में एग्री–इनक्यूबेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- जयपुर में उद्यमिता और कृषि में तकनीकी शिक्षा के योगदान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 104 प्रतिनिधियों को कवर करता है।

उद्यमिता और कृषि में तकनीकी शिक्षा के योगदान पर जयपुर में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

3.9.1 नियाम एग्री–बिजनेस इनक्यूबेटर की स्थापना :

आर–एबीआई की सहायता और देश के कृषि–स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए, सी.सी.एस. नियाम ने ग्यारह पेशेवरों के साथ नियाम एग्री–बिजनेस इनक्यूबेटर (नाबी) की स्थापना की। महत्वपूर्ण कार्यक्रम किए गए थे :

1. **कृषि–उद्यमिता अभिविन्यास (एग्रीप्रीनियरशिप ओरिएंटेशन) प्रोग्राम :**

कृषि–उद्यमिता अभिविन्यास प्रोग्राम 29 मार्च से 28 मई, 2019 के दौरान आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के माध्यम से देश भर के आठ राज्यों के सत्रह उम्मीदवारों को इनक्यूबेट किया गया।

प्रथम अभिविन्यास कार्यक्रम के प्रतिभागी

3.10 संस्थागत भवन के लिए सी.सी.एस. नियाम केंद्र

संस्थागत भवन के लिए केंद्र का उद्देश्य क्षमता निर्माण के माध्यम से सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में विपणन संस्थानों को मजबूत बनाना है। संस्थागत भवन का उपयोग प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, अनुसंधान और परामर्श जैसे गतिविधियों के व्यापक क्षेत्र को कवर करता है। इस तरह के अभ्यास के परिणामस्वरूप, मौजूदा संस्थानों का लक्ष्य जीवंत, उत्तरदायी, आवश्यकता आधारित और ग्राहकों पर केंद्रित संगठन बनाना हो सकता है।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

3.10.1 राष्ट्रीय सुविधा प्रदाता विकास कार्यक्रम (एन.एफ.डी.पी.) : सी.सी.एस. नियाम ने दिसंबर 2018 और मार्च, 2019 के महीने में दो 10 दिवसीय राष्ट्रीय सुविधा प्रदाता विकास कार्यक्रम (एन.एफ.डी.पी.) पूरे किये हैं। इन कार्यक्रमों में विभिन्न भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संगठनों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, अन्य विश्वविद्यालयों और राज्य कृषि और लाइन विभागों के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया है। एन.एफ.डी.पी. का मुख्य उद्देश्य कृषि विपणन में प्रबंधकीय कौशल और तकनीकी ज्ञान के साथ प्रतिभागियों को लैस करना था, ताकि वे सी.सी.एस. नियाम की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को कृषि विपणन, सॉफ्ट स्किल्स, योजनाएं एवं कार्यक्रम (ई–नाम, ए.पी.एम.सी. एक्ट, कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग एक्ट आदि) के तकनीकी और प्रबंधकीय मुद्दों, मूल्य निर्धारण तंत्र, कृषि आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, रसद, कृषि विपणन कानून और नीतियां, फसल उपरांत प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा, भंडारण, परिवहन, पैकेजिंग, परियोजना प्रबंधन, लॉजिकल फ्रेमवर्क अप्रोच (एल.एफ.ए.) और टीम के रूप में कार्य करने के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

राष्ट्रीय सुविधा प्रदाता (फैसिलिएटॅर) विकास कार्यक्रम–नियाम परिवार का विस्तार

3.10.2 जैविक उत्पादन का विपणन प्रबंधन : सी.सी.एस. नियाम ने 4 से 6 दिसंबर, 2018 के दौरान सी.सी.एस. नियाम परिसर, जयपुर में 'जैविक उत्पादन के विपणन प्रबंधन' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के किसान उत्पादक संगठनों के सीईओ और निदेशक मंडल ने भाग लिया।

1. राजस्थान में कृषि विपणन 28 हितधारकों को कवर करता है।
2. राजस्थान में उत्पादकता बढ़ाने की तकनीक 20 हितधारकों को कवर करती है।
3. कर्नाटक में एफ.पी.ओ. के लिए व्यापार योजना 36 हितधारकों को कवर करती है।
4. जयपुर में किसान उत्पादक संगठन को बाजार से जोड़ने के लिए कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान 130 हितधारकों को शामिल किया गया।

3.10.3 ''सीईओ के लिए एफ.पी.ओ. प्रबंधन'' पर तीन महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमः सी.सी.एस. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग, जयपुर ने 24 सितंबर, 2018 से 30 नवंबर, 2018

तक बैंकर इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट (बी.आई.आर.डी.), लखनऊ के सहयोग से पंजाब और हरियाणा राज्य के 'सीईओ के लिए एफ.पी.ओ. प्रबंधन' पर अपना तीसरा तीन महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। पंजाब और हरियाणा राज्य के किसान उत्पादक संगठन के पंद्रह सीईओ पाठ्यक्रम में भाग ले चुके हैं। पाठ्यक्रम का उद्देश्य उत्पादन, एकत्रीकरण, विपणन, वितरण और बिक्री के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के संदर्भ में प्रतिभागी की प्रबंधकीय क्षमताओं को मजबूत करना था।

पंजाब और हरियाणा राज्य के लिए एफ.पी.ओ. के सीईओ हेतु तीन महीने का सार्टिफिकेट पाठ्यक्रम

4. अधिगम्य कार्यक्रम (आउटरीच कार्यक्रम)

अध्ययन दौरे के रूप में कई कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा संस्थान का दौरा किया गया। यह कृषि विपणन अवसरों और चुनौतियों पर युवा पेशेवरों को उन्मुख करने का अवसर था। इस यात्रा ने कई विद्यार्थियों को कृषि विपणन को अपने पेशे के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रदर्शन (एक्सपोजर) से विद्यार्थियों को सी.सी.एस. नियाम के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद की। वर्ष 2018–19 के दौरान, 16 कृषि विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले 1091 कृषि विद्यार्थियों नियाम का दौरा किया।

यू.ए.एस धारवाड़ के विद्यार्थियों ने सी.सी.एस नियाम का दौरा किया

5. महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं (इवेंट्स) का आयोजन

वर्ष 2018–19 के दौरान सी.सी.एस. नियाम ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किये;

i. स्वतंत्रता दिवस : सी.सी.एस. नियाम में स्वतंत्रता का 72वां वर्ष मनाया गया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री पी.के. स्वाईन, संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के ध्वजारोहण के साथ शुरू हुई, उसके बाद महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रा शेकरा ने संबोधित किया। उन्होंने उन सभी महान लोगों को याद किया, जिन्होंने भारत को स्वतंत्र देश बनाने में अपना बलिदान दिया। छात्रों को संबोधित करते हुए, श्री पी.के. स्वाईन ने राष्ट्र निर्माण में किसानों की भूमिका के महत्व के बारे में बताया।

ii. दिनाँक 21 मई, 2019 को सी.सी.एस. एनआईटी परिसर में एंटी टेरिज्म डे (आतंकवाद विरोधी दिवस) मनाया गया। जिसमें महानिदेशक और नियाम के सभी कर्मचारियों ने आतंकवाद विरोधी शपथ ग्रहण की।

iii. कर्मचारियों को स्वास्थ्य के महत्व के बारे में शिक्षित और जागरूक करने के लिए सी.सी.एस. नियाम ने 21 जून, 2018 को नियाम परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस अवसर पर, सभी कर्मचारियों ने योग विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में योग का अभ्यास किया।

iv. 10 सितंबर से 24 सितंबर 2018 तक हिंदी पखवाड़ा के साथ सी.सी.एस. नियाम में 14 सितंबर, 2018 को हिंदी दिवस मनाया गया। संस्थान के दिन–प्रतिदिन कामकाज में राजभाषा हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

v. संस्थान में महानिदेशक द्वारा शपथ लेने के साथ 31 अक्टूबर, 2018 को नेशनल युनिटी डे (राष्ट्रीय एकता दिवस) मनाया गया और संस्थान के विद्यार्थियों और कर्मचारियों द्वारा एकता दौड़ की गई।

vi. 29 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2018 तक संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। जिसमें सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों ने भ्रष्टाचार उन्मूलन और सभी कार्यों को ईमानदारी और पारदर्शी तरीके से करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान भ्रष्टाचार मुक्त सेवाओं पर संस्थान के विभिन्न स्थानों पर पोस्टर लगाए गए।

स्वतंत्रता दिवस

राष्ट्रीय एकता दिवस

शपथ लेते सी.सी.एस. नियाम संकाय और कर्मचारी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्सव

6. मीडिया में सी.सी.एस. नियाम

सूबे में कृषि आधारित उद्योगों को दें बढ़ावा, किसानों को दी जानी चाहिए तकनीकी जानकारी : वीसी मिश्रा

सम्मेलन का उद्घाटन सरकारी संस्थान के सह हुआ, सह ही अतिथियों का किया स्वागत

तीन दिवसीय कृषि मेला में किसानों को मिली आधुनिक प्रविधि की जानकारी

बीजारियों से बचने के लिए ऑर्गेनिक कृषि को बढ़ावा देने पर जोर देने की सलाह

अभियान | कृषि कल्याण के लिए कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यशाला आयोजित

किसानों की आमदनी हो दोगुनी : डॉ. ब्रजेन्दु

MANIPUR 3

Three days training on integrated farming system launched

By Our Staff Reporter

IMPHAL, Aug 2: Manipur Small Farmers' Agri-Business Consortium has launched 'a three day training programme on integrated farming system, processing and marketing of farm produces' under the aegis of National Institute of Agricultural Marketing (NIAM), Jaipur at Hotel Classic, Imphal today.

The inaugural function of the three days programme which will end on August 4 was attended by Additional Chief Secretary (Agri) Letkhogin Haokip, Director Agriculture Th Rajendra Singh, Deputy Director (Skill & Admn) NIAM, Jaipur, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Government of India and Project Co-ordinator, Manipur SFAC MS Khaidem as presidium members.

Speaking at the event, Chief Secretary (Agri) Letkhogin Haokip stated the importance of consorted and collective efforts of the Agriculture Departments and its allies for execution of various programmes for development of agricultural sector in the State.

The Agriculture and its allied Department should provide necessary trainings and equipments including best seeds to the farmers for maximum yield/output, he said.

The departments concerned should maintain healthy relationship with the farmers, he said and urged the farmers to consult experts in their agricultural works. The Agricul- ture Department should inquire and identify the problems, grievances and the farmers' shortcomings and property address them in time, he said.

After cultivation of major crops/paddy, farmers should not keep their fields idle. They should plant other crops to increase their production and generate more income, he said.

ZU (AMN) condoles

कृषि कल्याण अभियान में खगड़िया पहले स्थान पर

खगड़िया | नगर संवाददाता

केन्द्र सरकार द्वारा चयनित देश के 111 आकांक्षी जिले में कृषि कल्याण अभियान में बिहार में पहले स्थान पर व राष्ट्रीय स्तर पर 17 वे स्थान पर पहुंच गया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रधान डॉ. ब्रजेन्दु ने बताया कि कृषि कल्याण अभियान के तहत जिले के चयनित 25 गांवों में लगातार योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 21 गांवों में आम व अमरूद के 10 हजार 125 पौधे का वितरण किया गया है। वहीं किसानों को उन्नत तरीके से खेती करने के लिए तैयार किए गए उन्नत नस्ल के बीज के 3154 मिनी किट का वितरण किया गया। इसमें मुख्य रूप से धान, मूंग व मूंगफली का बीज शामिल है।

श्री कुमार ने बताया कि नैडफ कम्पोस्ट पिट के लिए 500 निर्धारित लक्ष्य में से 300 नैडफ कम्पोस्ट पिट का निर्माण केवीके द्वारा किया जा ना है। इसके लिए दो दिनों के अंदर यह निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। वहीं अब तक 77 अलग अलग बैच तैयार कर मधुमक्खी

हुआ चयन

- देश के 111 जिलों में खगड़िया 17 वें स्थान पर
- किसानों की आय दोगुनी करने का है प्रयास

कृषि मंत्री आज खगड़िया में

खगड़िया। सूबे के कृषि मंत्री डॉ. ध्रुव कुमार 19 जुलाई को खगड़िया दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे विभाग की समीक्षा बैठक टाउन हॉल में करेंगे। वहीं जन्मतिथियों व किसानों से भी मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत होंगे।

पालन, पशुपालन, पोषण वाटिका व मशरूम उत्पादन का ट्रेनिंग विशेषज्ञों द्वारा दिया गया है। वहीं तीन हजार चार सौ अन्नानवे मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार किया गया है जिसका वितरण किसानों के बीच किया जाएगा। कहा कि किसानों के उत्थान को लेकर लगातार केवीके व कृषि विभाग द्वारा प्रयास किया जा रहा है। कहा कि 2022 तक केन्द्र सरकार का लक्ष्य है कि किसानों की आय दोगुनी हो सके।

खगड़िया जिले की रैंकिंग में लगातार हो रहा सुधार

खगड़िया | नगर संवाददाता

केन्द्र सरकार द्वारा किसानों को वर्ष 2022 तक आय को दोगुनी करने के लिए योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह बातें जिले के नोडल पदाधिकारी सह भारतीय कृषि विपनन संस्थान के उपनिदेशक डॉ एसआर सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिले के लिए रुप में देश के 111 जिलों का चयन किया गया है। इसमें खगड़िया का वर्तमान में 30 वां स्थान है। इसे टॉपटेन में लाने का प्रयास किया जा रहा है। श्री सिंह ने कहा कि आकांक्षी जिले के तहत विभिन्न प्रखंडों के 25 गांवो का चयन किया गया है। इन गांवों में नेडप कम्पोस्ट पिट, यंत्रों का वितरण, फलदार पौधों का वितरण, विभिन्न बीज का मिनी किट का वितरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृत्रिम गर्भाधान, पशुओं के टीकाकरण आदि किया जा रहा है। वहीं इन चयनित गांवों में मधु मक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, पोषण वाटिका आदि की भी ट्रेनिंग दी जा रही है।

श्री सिंह ने कहा कि इन योजनाओं के समुचित क्रियान्वयन को लेकर लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। इन सभी 25 गांव के किसानों को विभाग द्वारा दी जा रही योजनाओं की भी मॉनीटरिंग हो रही है।

प्रयास जारी

- 30वें स्थान पर खगड़िया, टॉप टेन में लाने का प्रयास
- किसानों की आर्थिक तरक्की के लिए हो रहा है प्रयास

कृषक उत्पादक संघ बनाकर आमदनी बढ़ाएं किसान

कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति डॉ. आर के मित्तल व अन्य वैज्ञानिक।

मोदीपुरम। राष्ट्रीय कृषि विपणन में इलेक्ट्रॉनिक्स के योगदान विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। कृषि विवि के कुलपति डॉ. आरके मित्तल ने कहा कि किसानों की मेहनत के कारण आज खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ गया है। दूध का उत्पादन 10 गुना, फसलों का तीन गुना, अंडे का उत्पादन 50 गुना बढ़ा है। परंतु उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण किसानों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान कृषक उत्पादक संघ बनाकर आमदनी बढ़ाएं। मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक डॉ. केके सिंह ने बताया कि विपणन के अभाव में 30-35 प्रतिशत उत्पाद खराब होता है। डॉ. एसआर सिंह ने भी विचार रखे।

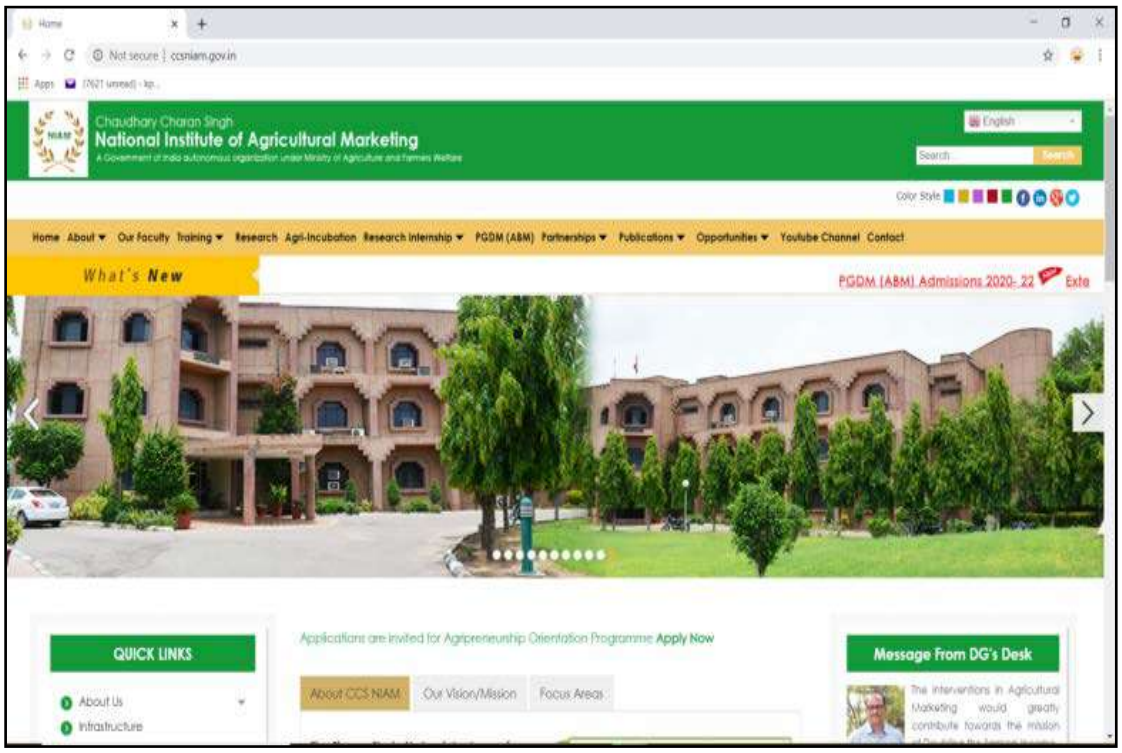

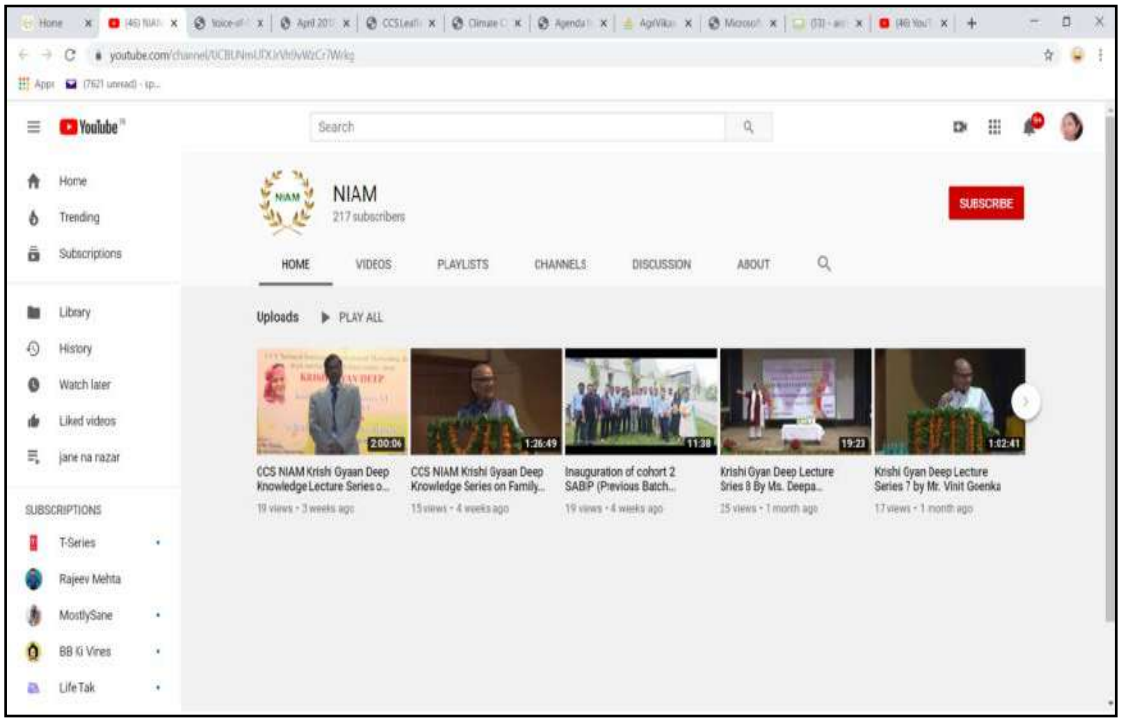

चित्र. सी.सी.एस. नियाम वेबसाइट और नियाम यू–ट्यूब चौनल के मुख्य पृष्ठ का स्क्रीनशॉट

7. स्थापना दिवस

7.1 पर्ल जयंती (जुबली) समारोह (किसानों की सेवा में तीस दशक)

सी.सी.एस. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग ने 14 अगस्त 2018 को पर्ल जुबली समारोह अर्थात राष्ट्र को तीन दशकों की सेवा और 8 अगस्त को नियाम का स्थापना दिवस मनाया। इस दिन को बहुत खुशी और उत्साह से मनाया गया। इस समारोह में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के डॉ. एस.के. पट्टनायक, आईएएस, श्री पी.के. स्वाईन, संयुक्त सचिव (विपणन) और उप एएमए, भारत सरकार, श्री डी.के. जैन, महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और नियाम के पूर्व महानिदेशक और वर्तमान महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रा शेकरा की शानदार उपस्थिति देखी गई।

सचिव, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार ने भारत में कृषि विपणन के विकास में सी.सी.एस. नियाम की भूमिका के बारे में बताया। मुख्य सचिव, महाराष्ट्र ने भी इसके बुनियादी ढांचे और एकत्रीकरण पर जोर दिया। कार्यक्रम में नियाम संकाय, स्टाफ, पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) के छात्र, पूर्व छात्र, स्कूली बच्चे और किसान उपस्थित हुए। सी.सी.एस. नियाम के सभी पूर्व महानिदेशक, सेवानिवृत्त संकाय और कर्मचारियों को इस अवसर पर अनुग्रह करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उत्सव के दौरान, निम्नलिखित गतिविधियाँ शुरू की गईः–

7.2 दस शैक्षणिक केंद्रों का शुभारंभ :

i. नीति, सुधार और कार्यक्रम के लिए सी.सी.एस. नियाम केंद्र
ii. नवाचार, उद्यमशीलता एवं कौशल विकास के लिए सी.सी.एस. नियाम केन्द्र
iii. कृषि विपणन योजना और विकास के लिए सी.सी.एस. नियाम केंद्र
iv. आईसीटी और ई–नाम के लिए सी.सी.एस. नियाम केन्द्र
v. सार्वजनिक निजी भागेदारी के लिए सी.सी.एस. नियाम केन्द्र
vi. संस्थान निर्माण के लिए सी.सी.एस. नियाम केन्द्र
vii. निगरानी और मूल्यांकन के लिए सी.सी.एस. नियाम केन्द्र
viii. एग्री लॉजिस्टिक्स के लिए सी.सी.एस. नियाम केन्द्र
ix. कृषि व्यवसाय प्रबंधन एवं शिक्षा के लिए सी.सी.एस. नियाम केन्द्र
x. अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए सी.सी.एस. नियाम केन्द्र

7.3 पर्ल जयंती पर लोगो (प्रतीक चिह्न) जारी करनाः सचिव, कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार डॉ. शोभना पट्टनायक, आईएएस सहित अन्य प्रतिष्ठित लोगों द्वारा किसानों की सेवा में तीस वर्ष की सेवा की याद में पर्ल जयंती समारोह पर एक लोगो (प्रतीक चिह्न) लॉन्च किया गया।

7.4 बुक लॉन्च : सी.सी.एस. नियाम के 30 वें स्थापना दिवस पर सी.सी.एस. नियाम पर्ल जयंती ब्रोशर और 'इनोवेशन इन एग्री वैल्यू चेनय इंडियन एक्सपीरियंस' पर एक पुस्तक जारी की गई।

7.5 पोस्टल कवर का शुभारंभः इस दिन पर्ल जयंती स्मरणीय भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा विशेष कवर लांच किया गया। कवर में खुशहाल किसान परिवार और युवाओं के साथ संस्थान के निर्माण को दर्शाया गया है जो देश में कृषि व्यवसाय के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

7.6 आधारशिला रखने का दिन : इस दिन सचिव, कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार डॉ. शोभना पट्टनायक, आईएएस सहित संयुक्त सचिव (विपणन) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने अन्य प्रतिष्ठित लोगों की उपस्थिति में पर्ल जुबली अंतरराष्ट्रीय अतिथि गृह की आधारशिला रखी।

सी.सी.एस. नियाम में पर्ल जयंती समारोह की झलक

8. अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियां (इवेंट)

8.1 कृषि–विकास 2018 (29 –30 जून, 2018, भुवनेश्वर)

ओडिशा में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की क्षमता दिखाने के लिए 29–30 जून, 2018 को भुवनेश्वर में कृषि–विकास 2018 का आयोजन किया गया। इस आयोजन को सी.सी.एस. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग (नियाम) (नॉलेज पार्टनर), केपीएमजी, सेंटर फॉर यूथ एंड सोशल डेवलपमेंट (सी.वाई.एस.डी.), सिद्ध डेवलपमेंट रिसर्च कंसल्टेंसी (एस.डी.आर.सी.) और सहभागी विकास अभियान (एस.वी.ए.) ने साझेदार के रूप में सहायता दी गई तथा इसकी मेजबानी शिक्षा 'ओ' अनुसंधान (एसए) द्वारा की गई।

भारत सरकार के छह मंत्रालयों ने कृषि विकास 2018 को सहायता प्रदान कीः कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय।

भुबनेश्वर, ओडिशा में एग्री–विकास की झलकियां

श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय मंत्री (पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और कौशल विकास और उद्यमिता) एवं श्री गिरिराज सिंह, माननीय मंत्री (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम), श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, माननीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण ने 29 जून 2018 को कृषि–विकास 2018 का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में ओडिशा के विभिन्न क्षेत्रों से 1400 से अधिक किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के 12 सत्रों में 32 वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए और उत्पाद और सेवाओं के प्रदर्शन के लिए 100 स्टॉल लगाए। 'नालेज पार्टनर' के रुप में सी.सी.एस. नियाम की भूमिका को सभी हितधारकों से सराहना मिली।

8.2 कृषि उत्पादन, मूल्य श्रृंखला एकीकरण और बाजार लिंकेज में ग्रासरूट इनोवेशन

बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा 5 से 7 अगस्त 2019 तक 'कृषि उत्पादन, मूल्य श्रृंखला एकीकरण और बाजार लिंकेज में ग्रासरूट इनोवेशन' पर राष्ट्रीय किसान विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया गया। ज्ञान भागीदार के रूप में सी.सी.एस. नियाम द्वारा वैल्यू चेन इंटीग्रेशन और मार्केट लिंकेज पर थीम पेपर का योगदान दिया गया। मूल्य श्रृंखला में किसानों को एकीकृत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए सी.सी.एस. नियाम द्वारा एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई। पैनल में चर्चा करने वालों में कृषि कंपनियां और युवा उद्यमी थे, जिन्होंने इस बात की मिसाल दी है कि कैसे प्रोद्योगिकी, इन्फ्रास्ट्रक्चर सहायता और किसानों का क्षमता निर्माण लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को जमीनी स्तर पर मदद कर सकते हैं।

8.3 मेगा एग्री एक्सपो – 2019 मधुबनी, बिहार में सी.सी.एस. नियाम की भागीदारी

एसके चौधरी एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा मधुबनी, बिहार में एग्री मेगा एक्सपो 2019 का आयोजन किया गया था जिसमें सी.सी.एस. नियाम ने ज्ञान भागीदार के रूप में भाग लिया। पूरी चर्चा किसानों तक पहुंच और उन्हें कृषि विपणन की चुनौतियों के बारे में शिक्षित करने पर आधारित थी, उन चुनौतियों से कैसे निपटा जाए और कृषि विपणन में अवसर उत्पन्न किये जाएं। प्रदर्शनी के दौरान, लगभग 1000 किसानों ने नियाम स्टॉल का दौरा किया और कृषि विपणन, योजनाओं और कृषि स्टार्टअप के बारे में जानकारी प्राप्त की।

मधुबनी मेगा एग्री एक्सपो 2019 में अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ सी.सी.एस. नियाम

8.4 कृषि कुंभ 2018

भारत सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में 26–28 अक्टूबर 2018 तक "कृषि कुंभ–2018" नामक एक मेगा कृषि मेला का आयोजन किया। इस आयोजन की योजना में जहां एक ओर राज्य की कृषि क्षमता को पेश करना था तो दूसरी ओर हितधारकों के बीच बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करना था। कृषि कुंभ–2018 में राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी, किसानों की आय को दोगुना करने के विषय पर तकनीकी सत्र, व्यापार और अन्य आकर्षक गतिविधियों की मेजबानी के विषय शामिल थे। डॉ. हेमा यादव, निदेशक नियाम, ने मार्केटिंग, वैल्यू एडिशन और एंटरप्रेन्योरशिप के तकनीकी सत्र में वक्ता के रूप में भाग लिया।

8.5 चिआ सीड शुरू करना (रायथू) मित्र किसान निर्माता कंपनी मैसूर, कर्नाटक का एक उत्पाद)

(रायथू) मित्र किसान प्रोड्यूसर कंपनी मैसूर, कर्नाटक के एक उत्पाद चिया सीड को डॉ. अशोक दलवई (आईएएस) सीईओ–एनआरएए एवं डॉ. पी. चंद्र शेकरा, सी.सी.एस. नियाम, जयपुर के महानिदेशक सी.सी.एस. नियाम में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम फीड टू फ्यूचर के दौरान 2 अक्टूबर, 2018 को लांच किया गया। इस अवसर पर रायथा मिश्रा एफ.पी.ओ. के चौयरमैन श्री शांता कुमार, रायथा मित्र प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक श्री टी.वी. गोपीनाथ और सीएफटीआरआई, मैसूर के डॉ. दीपा प्रकाश उपस्थित थे। डॉ. अशोक दलवई और डॉ. पी. चंद शेकर ने एफ.पी.ओ.

की भूमिका पर जोर दिया कि उन्हें अर्थव्यवस्था। पैमाने और अर्थव्यवस्था के विस्ताचर के मामले में बेहतर अवसर प्राप्तउ हों। रायथा मित्र से श्री टी.वी. गोपीनाथ ने बताया कि एफ.पी.ओ. किसानों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है, जो हमारे देश की रीढ़ है और लंबे समय तक किसानों की मदद करने के लिए सेवाओं की योजना तैयार की जाती है।

रायथा मित्र किसान प्रोड्यूसर कंपनी, मैसूर, कर्नाटक द्वारा चिआ सीड्स का उत्पादन शुरू

9. पुस्तकालय

संस्थान में पुस्तकालय विद्यार्थियों और शिक्षाविदों की बौद्धिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ई–पत्रिका, सीडी, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, सरकारी प्रकाशन, रिपोर्ट, समाचार पत्र और पुस्तकों को संदर्भित करने की सुविधा के साथ–साथ प्रिंट और ऑडियो–विजुअल प्रारूपों में नवीनतम अनुसंधान और संदर्भ सामग्री प्रदान करता है।

सी.सी.एस. नियाम पुस्तकालय में कृषि विपणन, कृषि व्यवसाय, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि विस्तार, कृषि, कृषि–प्रसंस्करण, कृषि वस्तु व्यापार और संबंधित प्रबंधन विषयों से संबंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं, रिपोर्टों और संदर्भ सामग्री के संदर्भ में 13500 संस्करणों का विशाल संग्रह है। विद्यार्थियों और संकाय जो शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करने में उनकी मदद करते हैं। पुस्तकालय में कोहा पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर है जो तकनीकी रूप से पूरे पुस्तकालय के काम का प्रबंधन करता है।

संस्थान अपनी विशेष सुविधाओं के माध्यम से संकायों और विद्यार्थियों को ज्ञान का अधिकतम प्रदर्शन प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है, जैसे कि ऑनलाइन पत्रिकाओं के

माध्यम से, जो कि वाईफाई से जुड़े परिसर के भीतर और बाहर पूर्णकालिक इंटरनेट एक्सेस के साथ पुस्तकालय में स्थापित कंप्यूटर वर्कस्टेशन के क्लस्टर के माध्यम से पहुँचा जा सकता है।

सी.सी.एस नियाम का पुस्तमकालय

9.1 सी.सी.एस. नियाम कृषि विपणन समाचार ई–अलर्ट सेवाएँ : पुस्तकालय संकाय और विद्यार्थियों के लाभ के लिए कृषि विपणन से संबंधित दैनिक ई–अलर्ट भी जारी कर रहा है। ये अलर्ट देश के भीतर और बाहर रिपोर्ट किये गये क्षेत्र के दिन–प्रतिदिन के विकास पर आधारित हैं।

10. प्रकाशन

वर्ष के दौरान सी.सी.एस. नियाम के महत्वपूर्ण प्रकाशन निम्न प्रकार हैं :

1. शीर्षक : कृषि–मूल्य श्रृंखला में नवाचार रू भारतीय अनुभव

पुस्तक सी.सी.एस. नियाम संकाय द्वारा लिखित छह केस स्टडीज का संकलन है, जिसमें कृषि उपज बाजार, व्यक्तिगत किसान, किसान उत्पादक संगठनों, किसान को कृषि–प्रसंस्करण, ग्रामीण ब्रांडिंग और उद्यमिता की सफलता पर प्रकाश डाला गया है। पुस्तक का संकलन डॉ. शुचि माथुर ने किया है।

2. शीर्षक : पूर्वोत्तर राज्यों के किसान उत्पाादक संगठन की निर्देशिका

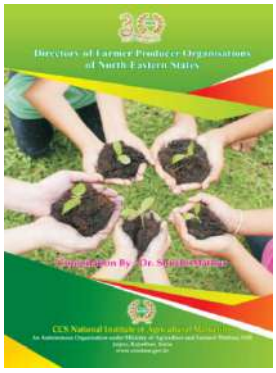

हाल के दिनों में भारत में कृषि विपणन में तेजी से बदलाव देखा गया है। सूचना के अंतर को कम करने और कृषक समुदाय की सहायता के लिए, सी.सी.एस. नियाम ने भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के प्रमुख किसान उत्पादक कंपनियों के डेटा को संकलित करने का प्रयास किया है। यह किसान निर्माता कंपनियों और बाजार के बीच के अंतर को कम करने में मदद करता है। निर्देशिका लाभदायक कृषि के सपने को साकार करने में किसानों को लाभान्वित करेगी। पुस्तक का संकल डॉ. शुचि माथुर ने किया है।

3. **शीर्षक** : कृषि–स्टार्टअप हेतु अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों का संकलन सभी संभावित प्रश्नों का उत्तर देने के लिए, जो किसी स्टार्टअप के पास व्यवसाय शुरू करने और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने में स्टार्टअप इकोसिस्टम के सभी पहलुओं के बारे में हो सकते हैं, अक्सर पूछे जाने वाले ऐसे प्रश्नों का एक विस्तृत संकलन तैयार किया गया है और एक पुस्तक के रूप में 'एग्रीप्रेन्योरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्रामश के सभी प्रतिभागियों को वितरित किया गया।

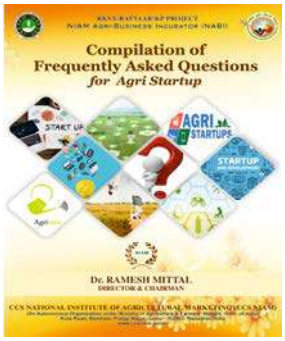

इस पुस्तक को भारत में सभी नॉलेज पार्टनर्स और आर–एबीआई को प्रसारित किया गया था। पुस्तक का संकलन डॉ. रमेश मित्तल ने किया है।

4. **शीर्षक : वेल्यू चेन के माध्यम से आडिशा में छोटे उद्यमों को अनलीज करना**

पुस्तक केपीएमजी के सहयोग से पूरी हुई। यह भुवनेश्वर में कृषि विकास 2018 के दौरान जारी की गई। पुस्तक में क्षेत्र के सफल संभावित लघु उद्यमों पर प्रकाश डाला गया है। पुस्तक का संपादन डॉ. पी. चंद्रशेखर और डॉ. हेमा यादव ने किया है।

10.1 प्रकाशित लेख और शोधपत्र

क्र. सं.	शीर्षक	विवरण
1.	किसानों को ई–नाम से जोड़ना।	कुरुक्षेत्र. जर्नल ऑफ रूरल डेवलपमेंट, वॉल्यूम 66, नंबर 10, अगस्तरू 17 से 24. डॉ. पी. चंद्र शेकरा और डॉ. हेमा यादव द्वारा लिखित
2.	भारतीय किसानों को इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार–सक्षम विपणन कनेक्टिविटी	प्रबंधन और आईटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संग्रह में प्रकाशित – बिजनेस इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्सर रू उभरती रणनीतियाँ और तकनीक 12–13 अप्रैल 2018 को डॉ. सुचि माथुर द्वारा लिखित
3.	मूल्य श्रृंखला केंद्रित उद्यम विकास	पुस्तक में अध्यायरू कृषि बाजार और उद्यम विकास, हजारिका द्वारा संपादित। ब्मजं.स., कृषि अर्थशास्त्र विभाग, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट द्वारा प्रकाशित। डॉ. सतीश चंद्र पंत द्वारा लिखित।
4.	आम उत्पादकों के लिए वैल्यू चेन और मार्केट लिंकेज को मजबूत करने के लिए लखनऊ क्लस्टर की एफ.पी.ओ. का अध्ययन	भारतीय बागवानी कांग्रेस 2018, 17–21 जनवरी, 2019 के दौरान आईजीकेवी रायपुर में भारतीय बागवानी, पोस्टर प्रस्तुति को आकार देना, डॉ सतीश चंद्र पंत द्वारा
5.	बिहार में कृषि विपणन पर्यावरण	डॉ. हेमा यादव द्वारा तैयार और पुस्तक ग्रासरूट्स इनोवेशन, बायोटेक प्रकाशन में प्रकाशित
6.	केपीएमजी के सहयोग से वैल्यू चेन के माध्यम से उड़ीसा में माइक्रो एंटरप्राइजेज का अधिग्रहण करना।	डॉ. पी. चंद्र शेकरा और डॉ. हेमा यादव द्वारा तैयार एग्री–विकास 29 जून 2018 को रिलीज हुई
7.	कृषि–मूल्य श्रृंखला में नवाचार पर पुस्तकः भारत का अनुभव	डॉ. सुचि माथुर द्वारा संकलित
8.	उत्तर पूर्वी राज्यों के किसान उत्पादक संगठनों की निर्देशिका	डॉ. सुचि माथुर द्वारा संकलित

10.2 ई–बुलेटिनः सी.सी.एस. नियाम की आवाज (वॉयस)

10.3 फार्म टू फोर्क : सी.सी.एस. नियाम के विद्यार्थियों की आवाज (वॉयस)

फार्म टू फोर्क सीसीएस नियाम के भावी विद्यार्थियों और कृषि आधारित तथा कृषि–उन्मुख कंपनियों को एक मंच प्रदान करता है, जो पूरे वर्ष के दौरान कृषि व्यवसाय शिक्षा तथा प्रबंधन हेतु सीसीएस नियाम केंद्र में संचालित गतिविधियों के संबंध विचार (आइडिया) रखते हैं।

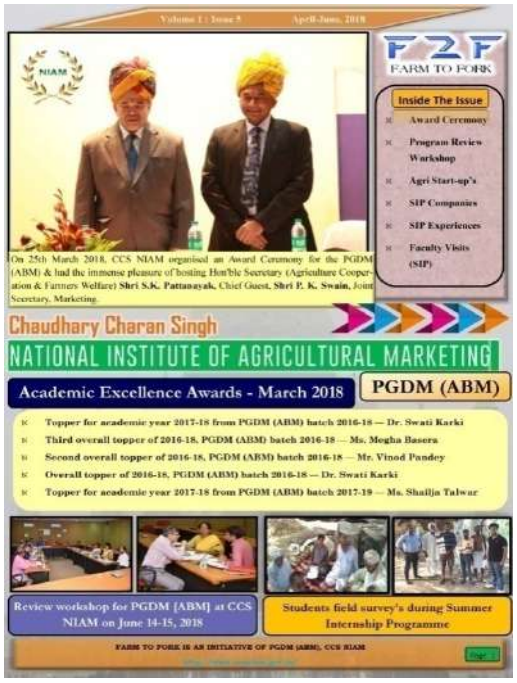
Volume 1 : Issue 5
April-June, 2018
F2F
FARM TO FORK
Inside The Issue
Award Ceremony
Program Review Workshop
Agri Start-up's
SIP Companies
SIP Experiences
Faculty Visits (SIP)
On 25th March 2018, CCS NIAM organised an Award Ceremony for the PGDM (ABM) & had the immense pleasure of hosting Hon'ble Secretary (Agriculture Cooperation & Farmers Welfare) Shri S.K. Pattanayak, Chief Guest, Shri P. K. Swain, Joint Secretary, Marketing.
Chaudhary Charan Singh
NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Academic Excellence Awards - March 2018
PGDM (ABM)
Topper for academic year 2017-18 from PGDM (ABM) batch 2016-18 — Dr. Swati Karki
Third overall topper of 2016-18, PGDM (ABM) batch 2016-18 — Ms. Megha Basera
Second overall topper of 2016-18, PGDM (ABM) batch 2016-18 — Mr. Vinod Pandey
Overall topper of 2016-18, PGDM (ABM) batch 2016-18 — Dr. Swati Karki
Topper for academic year 2017-18 from PGDM (ABM) batch 2017-19 — Ms. Shailja Talwar
Review workshop for PGDM [ABM] at CCS NIAM on June 14-15, 2018
Students field survey's during Summer Internship Programme
FARM TO FORK IS AN INITIATIVE OF PGDM (ABM), CCS NIAM

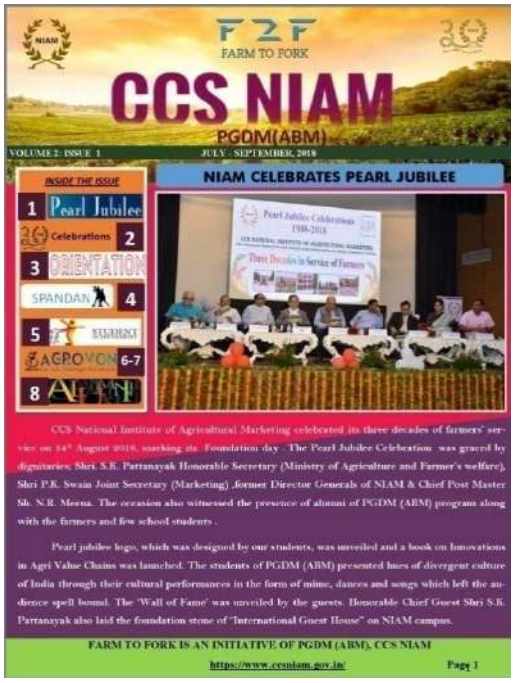
F2F
FARM TO FORK
CCS NIAM
PGDM(ABM)
VOLUME 2: ISSUE 1
JULY - SEPTEMBER, 2018
INSIDE THE ISSUE
1 Pearl Jubilee Celebrations 2
3 ORIENTATION
SPANDAN 4
5 RAJBHASHA
AGROVON 6-7
8 ALPHA
NIAM CELEBRATES PEARL JUBILEE
CCS National Institute of Agricultural Marketing celebrated its three decades of farmers' service on 14th August 2018, marking its Foundation day. The Pearl Jubilee Celebration was graced by dignitaries; Shri. S.K. Pattanayak Honorable Secretary (Ministry of Agriculture and Farmer's welfare), Shri P.K. Swain Joint Secretary (Marketing) ,former Director Generals of NIAM & Chief Post Master Sh. N.R. Meena. The occasion also witnessed the presence of alumni of PGDM (ABM) program along with the farmers and few school students .
Pearl jubilee logo, which was designed by our students, was unveiled and a book on Innovations in Agri Value Chains was launched. The students of PGDM (ABM) presented hues of divergent culture of India through their cultural performances in the form of mime, dances and songs which left the audience spell bound. The 'Wall of Fame' was unveiled by the guests. Honorable Chief Guest Shri S.K. Pattanayak also laid the foundation stone of "International Guest House" on NIAM campus.
FARM TO FORK IS AN INITIATIVE OF PGDM (ABM), CCS NIAM
https://www.ccsniam.gov.in/
Page 1

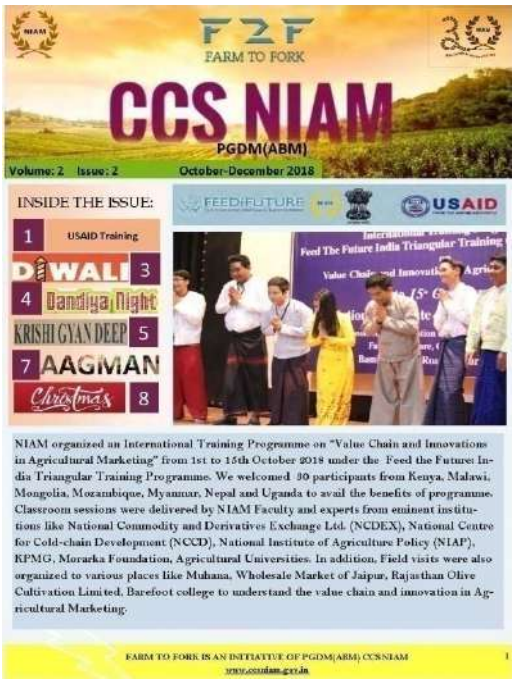
F2F
FARM TO FORK
CCS NIAM
PGDM(ABM)
Volume: 2 Issue: 2
October-December 2018
INSIDE THE ISSUE:
1 USAID Training
DIWALI 3
4 Dandiya Night
KRISHI GYAN DEEP 5
7 AAGMAN
Christmas 8
FEEDFUTURE
USAID
Feed The Future India Triangular Training
NIAM organized an International Training Programme on "Value Chain and Innovations in Agricultural Marketing" from 1st to 15th October 2018 under the Feed the Future India Triangular Training Programme. We welcomed 30 participants from Kenya, Malawi, Mongolia, Mozambique, Myanmar, Nepal and Uganda to avail the benefits of programme. Classroom sessions were delivered by NIAM Faculty and experts from eminent institutions like National Commodity and Derivatives Exchange Ltd. (NCDEX), National Centre for Cold-chain Development (NCCD), National Institute of Agriculture Policy (NIAP), KPMG, Morarka Foundation, Agricultural Universities. In addition, Field visits were also organized to various places like Muhana, Wholesale Market of Jaipur, Rajasthan Olive Cultivation Limited, Barefoot college to understand the value chain and innovation in Agricultural Marketing.
FARM TO FORK IS AN INITIATIVE OF PGDM(ABM) CCS NIAM
www.ccsniam.gov.in

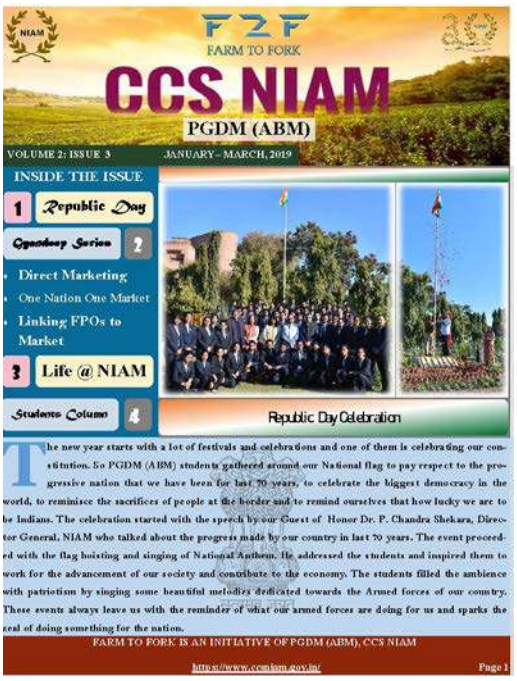
F2F
FARM TO FORK
CCS NIAM
PGDM (ABM)
VOLUME 2: ISSUE 3
JANUARY- MARCH, 2019
INSIDE THE ISSUE
1 Republic Day
Gyandeep Series 2
Direct Marketing
One Nation One Market
Linking FPOs to Market
3 Life @ NIAM
Students Column 4
Republic Day Celebration
The new year starts with a lot of festivals and celebrations and one of them is celebrating our constitution. So PGDM (ABM) students gathered around our National flag to pay respect to the progressive nation that we have been for last 70 years, to celebrate the biggest democracy in the world, to reminisce the sacrifices of people at the border and to remind ourselves that how lucky we are to be Indians. The celebration started with the speech by our Guest of Honor Dr. P. Chandra Shekara, Director General, NIAM who talked about the progress made by our country in last 70 years. The event proceeded with the flag hoisting and singing of National Anthem. He addressed the students and inspired them to work for the advancement of our society and contribute to the economy. The students filled the ambience with patriotism by singing some beautiful melodies dedicated towards the Armed forces of our country. These events always leave us with the reminder of what our armed forces are doing for us and sparks the zeal of doing something for the nation.
FARM TO FORK IS AN INITIATIVE OF PGDM (ABM), CCS NIAM
https://www.ccsniam.gov.in/
Page 1

11. आधारिक संरचना (इन्फ्रास्ट्रॅक्चर)

नियाम परिसर में निम्नलिखित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं :–

1. ब्रह्मपुत्र भवन जहाँ सभी प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियाँ की जाती हैं। पुस्तकालय और कंप्यूटर सुविधाएं भी उसी इमारत में स्थित हैं।
2. कन्वेंशन सेंटर में ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस रूम, 20 कमरों वाला गेस्ट हाउस, डाइनिंग हॉल और लाउंज शामिल है।
3. 32 कमरों की सुविधा सहित बॉयज छात्रावास तथा 50 कमरों की सुविधा वाला बालिका छात्रावास।
4. 44 सूट वाला वीआईपी अतिथि गृह (गेस्ट हाउस) और महानिदेशक–निवास।
5. टाइप V क्वार्टर की संख्या – 04
6. टाइप IV क्वार्टर की संख्या – 04
7. टाइप III क्वार्टर की संख्या – 07
8. टाइप II क्वार्टर की संख्या – 12
9. डिस्पेंसरी बिल्डिंग, बराक में इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, जेनरेटर सेट और वाहन गैरेज के लिए सब–स्टेंशन।
10. बिजली और पर्यावरण को बचाने के लिए ब्रह्मपुत्र, गर्ल्स छात्रावास और कन्वेंशन सेंटर में 135 केवीए ग्रिड सोलर सिस्टम लगाया गया है।
11. वाई–फाई परिसर (कैंपस)
12. एटीएम की सुविधा

12. प्रशासन और लेखा

वर्ष 2018–19 के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं

कार्यकारी परिषद की बैठक : सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में दिनाँक 11.07.2018 को 43 वीं कार्यकारी परिषद की बैठक आयोजित की गई। कार्यकारी परिषद ने प्रगति की समीक्षा की और नियाम, वार्षिक कार्य योजना और बजट आकलन में 10 शैक्षणिक केंद्रों के गठन को मंजूरी प्रदान की।

वर्ष 2018–19 का लेखा और लेखा परीक्षा : संस्थान गैर–लाभकारी संगठन है, जो पूरी तरह से कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। पिछले पांच वर्षों के दौरान प्राप्त अनुदान सहायता का विवरण नीचे दिया गया हैः–

वर्ष	प्राप्त निधि (लाख में)
2014-15	507.00
2015-16	367.96
2016-17	700.00
2017-18	609.99
2018-19	958.37

पिछले वर्ष के घटक वार अव्ययित शेष का विवरण, वर्ष 2018–19 के अंत में प्राप्त अनुदान और अव्ययित शेष राशि का विवरण नीचे दिया गया हैः–

(राशि / रुपये लाख में)

क्र.सं.	विवरण	सामान्य	एससीएसपी	टीएसपीं	योग
1	पिछले वर्ष अव्ययित सहायता अनुदान (सामान्य)	0.00	0.00	0.00	0.00
2	प्राप्त सहायता अनुदान (सामान्य)	682.20	145.80	72.00	900.00
3	व्ययित सहायता अनुदान (सामान्य)	682.20	92.97	49.56	824.73
4	अव्ययित सहायता अनुदान (सामान्य)	शून्य	**52.83**	**22.44**	**75.27**
5	पिछले वर्ष अव्ययित सहायता अनुदान (एनईएस)	29.64	7.98	29.21	66.83
6	प्राप्त सहायता अनुदान (एनईएस)	58.25	0.12	0.00	58.37
7	उपयोग की गई सहायता अनुदान (एनईएस)	55.25	7.73	27.45	90.43
8	अव्ययित सहायता अनुदान (एनईएस)	**32.64**	**0.37**	**1.76**	**34.77**
9	कुल उपलब्ध सहायता अनुदान	770.09	153.90	101.21	1025.20
10	कुल व्ययित सहायता अनुदान	737.45	100.70	77.01	915.16
11	अव्ययित सहायता अनुदान (एनईएस)	**32.64**	**53.20**	**24.20**	**110.04**

वर्ष 2018–19 के दौरान अनुदान सहायता के रूप में 958.37 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई जिसमें से 66.83 लाख रुपये की राशि पिछले वित्त वर्ष 2017–18 से मुख्य शीर्ष 2435 एससीएसपी और टीएसपी और मुख्य शीर्ष 2552 (एनईएस) उप घटक सामान्य,एससीएसपी और टीएसपी के अंतर्गत अव्ययित शेष के रूप में अगले वर्ष के लिए रखा गया है।

दिनाँक 31.03.2019 को नियाम को अनुदान सहायता का अव्ययित शेष 110.04 लाख रुपये है [एनईएस एससीएसपी 52.83 लाख, टीएसपी 22.44 लाख रुपये एवं एनईएस के अलावा (सामान्य 32.64 लाख रुपये, टीएसपी 0.37 लाख रुपये एवं एससीएसपी 1.76 लाख रुपये)] है।

स्थापना, प्रशासन, परिसर का रख–रखाव और प्रशिक्षण और (आईएसएएम) के अंतर्गत अन्य उद्देश्यों के संचालन के लिए अनुदान सहायता से व्यय किया गया।
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान सहायता के अलावा, राज्य सरकार, विपणन बोर्डों और अन्य संगठनों से भुगतान करने पर प्रशिक्षण परामर्श और उपाय किये जाते हैं।

वर्ष 2018–19 के दौरान परियोजनाओं/परामर्श और प्रशिक्षण/संगोष्ठियों से 79 लाख रुपए की प्राप्ति हुई तथा इसके प्रति 6 लाख रुपए व्याय हुआ।

पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) के 112 विद्यार्थियों (59 प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों और 53 द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों) का शुल्क 6 संग्रह 435 लाख रुपए (जमानत राशि सहित) था। पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) कार्यक्रम के संचालन का सारा व्यय फीस से पूरा किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2018–19 के दौरान पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.) से प्राप्त कुल राजस्वी 254 लाख रुपए था और 181 लाख रुपए व्यय हुआ था।

वर्ष 2018–19 हेतु एम.ए.एन.ए.जी.ई. की ओर से अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को 34.72 लाख रुपए प्राप्त हुए और दिनांक 31.03.2019 को 34.48 रुपए व्यय हुए।

आर.के.वी.वाई. आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर. परियोजना में 159.75 लाख रुपए सहायता अनुदान के रूप में प्राप्त हुए और दिनांक 31.03.2019 तक 121.88 लाख रुपए व्यय हुए।

एएमआई योजना के अंतर्गत दिसंबर 2018 में मंत्रालय द्वारा एनएबीसीओएन को 65.46 लाख रुपए अंतरित किये गये थे, जिसके लिए एनएबीसीओएन द्वारा नियाम को उपयोगिता प्रमाणपत्र प्रस्तुकत किया गया है। पुनरू वर्ष 2018–2019 के दौरान 52 एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एएमआई से 9 लाख रुपए प्राप्ता हुए जिसमें से 1.56 लाख रुपए का उपयोग किया गया है और अव्यनयित शेष 7.44 लाख रुपए का उपयोग वर्ष 2018–19 के दौरान किया जाना था।

दिनाँक 31.3.2019 को शेष कॉर्पस फंड 1946.78 लाख रुपये था, जो कि वर्ष 2018–19 के लिए खाता बही के अनुसार अनुदान–सहायता के अलावा अन्य प्राप्तियों से जमा हुआ है।

संस्थान, लेखा महानियंत्रक के कार्यालय द्वारा परिचालित निर्धारित प्रारूप में खातों का रख–रखाव कर रहा है।

कार्यकारी समिति ने वर्ष 2018–19 के लिए मेसर्स जे सिंह एंड एसोसिएट्स को लेखा परीक्षकों के रूप में मंजूरी दी है। आंतरिक लेखा परीक्षा करने के लिए मैसर्स जे. सिंह एंड एसोसिएट्स को दूसरे वर्ष के लिए अनुमोदित किया गया है और वर्ष 2018–19 के खातों का

सत्यापन कर लिया गया है। ऑडिट रिपोर्ट सहित वार्षिक खाता पहले ही ऑडिट (सेंट्रल), शाखा कार्यालय, जयपुर के प्रधान निदेशक को प्रेषित कर दिया गया है।

मुख्य निदेशक लेखा परीक्षा (केंद्रीय), कार्यालय के शाखा कार्यालय जयपुर ने अवगत कराया है कि वर्ष 2018–19 के लिए अनुपालन और वित्तीय लेखा परीक्षा का संचालन नहीं किया जा सकता क्योंकि वर्ष 2019–20 की वार्षिक लेखा परीक्षा योजना में इसे शामिल नहीं किया गया है। वर्ष 2018–19 के लिए सी.सी.एस. नियाम का लेखा परीक्षा शाखा के प्रधान निदेशक (केंद्रीय), शाखा कार्यालय जयपुर द्वारा बाद में लिया जाएगा।

वर्ष 2017–18 तक की ऑडिट रिपोर्ट सहित वार्षिक लेखा पहले ही संसद के दोनों पटलों पर रखा जा चुका है।

वित्तीय समीक्षाः–

नियाम योजना के अंतर्गत वर्ष 2018–19 के लिए बीई/आरई के अनुसार प्राप्त कुल अनुदान सहायता 958.37 लाख रुपये थी जिसमें 905.16 लाख रुपये व्यय किये गये। एससीएसपी एनईएसएससीएसपी 52.83 लाख रुपये, टीएसपी 22.44 लाख रुपये के अलावा अनुदान सहायता में 110.04 लाख रुपये अव्ययित शेष रहा और एनईएस (सामान्य 32.64 लाख रुपये, टीएसपीआर 0.37 लाख रुपये और एससीएसपी 1.76 लाख रुपये और 37.19 लाख रुपये) वर्ष 2018–19 के लिए संस्थान की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार हैः–

(रुपये लाख में)

लेखा प्रमुख	अनुमानित बजट	वास्तविक
राजस्व व्यय	1000.00	1129.53*
पूंजीगत व्यय	-	0.65
कुल व्यय	**1000.00**	**1130.18**
राजस्व प्राप्ति	600.00	514.00
अन्य प्राप्तियां		53.40
प्राप्त अनुदान–सहायता	1000.00	958.37
कॉर्पस निधि (फंड) में स्थानांतरण	300.00	293.39

***वास्तविक व्यय का विभाजन (ब्रेकअप) निम्नानुसार है –**

1. नियाम के कर्मचारियों का वेतन – 384.25
2. प्रशिक्षण एवं संगोष्ठी व्यय – 185.20
3. पीजीडी(ए.बी.एम.) – 181.28
4. प्रशासनिक व्यय – 278.76
5. अन्य कार्यक्रम पर व्यय – 100.04

1129.53 लाख

अनुलग्नक

अनुलग्नक–I

सी.सी.एस. नियाम की साधारण सभा का संघटक

क्रमांक	सोसायटी के सदस्य	पद
1	भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री जो कि सोसायटी से संबद्ध है।	अध्यक्ष
2	भारत सरकार के माननीय राज्य कृषि और किसान कल्याण मंत्री जो कि सोसायटी से संबद्ध है।	उपाध्यक्ष
3	सचिव (डीएसी एवं एफडब्ल्यु), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
4	अपर सचिव, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
5	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
6	संयुक्तय सचिव (विपणन), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
7	अपर मुख्य सचिव, कृषि, राजस्थान सरकार	सदस्य
8	सलाहकार (कृषि), नीति आयोग, भारत सरकार	सदस्य
9	आर्थिक एवं सांख्यिकीय सलाहकार, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
10	अध्यक्ष/सदस्या सचिव, कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सी.ए.सी.पी)	सदस्य
11	अध्यक्ष, परिषद राज्य कृषि विपणन बोर्ड्स (सीओएसएएमबी)	सदस्य
12	निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद	सदस्य
13	निदेशक, भारतीय प्रबंधन पैकेजिंग, मुंबई	सदस्य
14	प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम (एनसीडीसी), नई दिल्ली	सदस्य
15	प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय कृषि सहकारिता विपणन संघ (एनएएफईडी), नई दिल्ली	सदस्य
16	प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (एनएबीएआरडी)	सदस्य
17	सचिव (डीएआरई) एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य
18	अध्यक्ष/प्रबंध निदेशक, उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन कोपरेशन (एनईआरएएमएसी), गुवाहटी	सदस्य
19	महानिदेशक, राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर), नई दिल्ली	सदस्य
20	महानिदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एवं पीआर), हैदराबाद	सदस्य
21	अध्यक्ष/प्रबंध निदेशक, कृषि उत्पाद निर्यात विकास एजेंसी (एपीईडीए), नई दिल्ली	सदस्य
22–24	किसानों के प्रतिनिधियों/किसान संगठनों	सदस्य
25–29	कृषि/कृषि विपणन के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्ति	सदस्य
30	महानिदेशक, सी.सी.एस. नियाम, जयपुर	सदस्य

अनुलग्नक–2

सी.सी.एस. नियाम की कार्यकारी परिषद का संघटक

क्रमांक	सोसायटी के सदस्य	पद
1	सचिव, कृषि सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय/विभाग जो कि सोसायटी से संबद्ध हैं	अध्यक्ष
2	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, कृषि सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय/विभाग जो कि सोसायटी से संबद्ध हैं	सदस्य
3	अपर सचिव (विपणन), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
4	संयुक्त सचिव (विपणन) प्रभारी, कृषि सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय/विभाग, भारत सरकार, जो कि सोसायटी से संबद्ध हैं	सदस्य
5	मुख्य सचिव (कृषि), राजस्थान सरकार	सदस्य
6	अध्यक्ष, परिषद राज्य कृषि विपणन बोर्ड्स	सदस्य
7	महानिदेशक, सी.सी.एस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर	सदस्य

अनुलग्नक–3

सी.सी.एस. नियाम की शैक्षणिक स्थायी समिति (एस.सी.ए.) का संघटक

क्रमांक	सोसायटी के सदस्य	पद
1	डॉ. पी. चंद्र शेकरा	महानिदेशक, सी.सी.एस. नियाम
2	डॉ. वसंत गाँधी	प्रोफेसर, आई.आई.एम, बंगलौर
3	डॉ. सनल कुमार वेलेयुधान	प्रोफेसर, आई.आई.एम, कोझीकोड़े
4	डॉ. मिथलेश्वर झा	सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आई.आई.एम, बंगलौर
5	डॉ. दिनेश अवस्थी	सेवानिवृत्त अधिष्ठाता, एफ.डी.आई., अहमदाबाद
6	डॉ. अमर के.जे.आर. नायक	प्रोफेसर, एक्सि.आई.एम., भुबनेश्वर
7	डॉ. सुखपाल सिंह	प्रोफेसर, आई.आई.एम., अहमदाबाद
8	डॉ. रमेश मित्तल	निदेशक, सी.सी.एस, नियाम
9	डॉ. हेमा यादव	निदेशक, सी.सी.एस. नियाम
10	डॉ. एस.आर. सिंह	उप निदेशक, सी.सी.एस. नियाम

अनुलग्नक–4

सी.सी.एस. नियाम की शिक्षक, अधिकारियों और कर्मचारियों महानिदेशक

डॉ0 पी. चन्द्र शेकरा, महानिदेशक

संकाय सदस्य एवं कर्मचारी

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पदनाम	विशेषज्ञता के क्षेत्र
1	डॉ. रमेश मित्तल	निदेशक	कृषि विपणन, कृषि व्यवसाय और एग्रीप्रेन्योरशिप
2	डॉ. हेमा यादव	निदेशक	कृषि विपणन, कृषि व्यवसाय, जी.आई.एस
3	डॉ. एस.आर. सिंह	उप निदेशक	कृषि विपणन, विपणन विस्तार, बाजार लेड विस्तार, औषधीय और सुगंधित पौधों और स्किलिंग
4	डॉ. शुचि माथुर	सहायक निदेशक	कृषि विपणन, बाजार सूचना और समाचार तथा एफ.पी.ओ
5	डॉ. शेलेंद्र	सहायक निदेशक	कृषि विपणन, मूल्य श्रृंखला प्रबंधन
6	डॉ. विक्रम सिंह	प्रोफेसर	संगठनात्मक विकास
7	डॉ. मानसी माथुर	एसोसिएट प्रोफेसर	वित्त
8	डॉ. सतीश चंद पंत	सहायक प्रोफेसर	विपणन, प्रबंधन, कृषि व्यवसाय प्रबंधन
9	श्री सत्येंद्र कुमार ए.डी	सहायक प्रोफेसर	कृषि व्यवसाय प्रबंधन

अन्य अधिकारी और कर्मचारी सदस्य

क्र.सं.	अधिकारी और कर्मचारी का नाम	पदनाम
1	श्री सी. हरिदसन	लेखा अधिकारी
2	श्री राजेश शर्मा	पी.एस.
3	श्री जी.एल. मीणा	अनुभाग अधिकारी
4	श्री एम.के. झांझरी	अनुभाग अधिकारी
5	श्री सी.पी. बैरवा	सहायक ग्रेड – 1
6	श्री गोविंद शर्मा	पुस्तकालय सहायक
7	श्री विजय गुप्ता	सहायक ग्रेड – 1
8	श्री बुद्धि प्रकाश	सहायक ग्रेड – 1
9	श्री किशन सिंह	चालक
10	श्री कैलाश मीणा	चालक
11	श्री रजाक मोहम्मद	प्लंबर
12	श्री कैलाश वर्मा	ए.सी.एस
13	श्री कैलाश भार्गव	ए.सी.एस
14	श्री कैलाश चंद	ए.सी.एस
15	श्री कना राम	ए.सी.एस
16	श्री राम बहादुर	ए.सी.एस
17	श्री कृष्ण सैनी	ए.सी.एस

आर.के.वी.वाई – आर.ए.एफ.टी.ए.ए.आर दल (टीम)

क्रमांक	नाम	पदनाम
1	श्री मनोज अग्रवाल	मुख्य ऑपरेटिंग अधिकारी
2	श्री नितिन लाहोटी	प्रबंधक नवप्रवर्तन
3	श्री अभिषेक शर्मा	प्रबंधक वित्त एवं आई.सी.टी
4	श्रीमती कविता शर्मा	प्रबंधक, विपणन और संप्रेषण
5	श्री कार्तिक सेकर	परामर्शदाता
6	श्री अक्षय सिंह रनावत	कानूनी प्रबंधक (एक्जीक्यूटिव)
7	श्री राहुल सनखाला	विषय–वस्तु (कॅन्टेंट) डेवलपर
8	श्रीमती ऐश्वर्या वास्निक	व्यवसायिक एक्जीक्यूटिव
9	श्री सचिन युके	व्यवसायिक एक्जीक्यूटिव
10	श्री आशुतोष व्यास	व्यवसायिक एक्जीक्यूटिव
11	श्री रिंकू मालि	कार्यालय सहायक

अनुलग्नक–5

सी.सी.एस नियाम सुविधा प्रदाता (फैसिलिटेटर्स) की सूची

क्र. सं.	नाम	पदनाम	संपर्क	राज्य
1	डॉ. बी.एस. रेड्डी	सहायक प्रोफेसर, कृषि अर्थशास्त्र कृषि महाविद्यालय, कर्नाटक (भारत)	09538313997/7022986838 ई–मेल: bsreddyagecon@gmail-com /bsreddy-in	कर्नाटक
2	रोशन लाल मीणा	वैज्ञानिक(वरिष्ठ स्केल), एग्रोनॉमी, आईसीएआर– एनबीएसएस एंड एलयूपी, उदयपुर, राजस्थान	मो.: 9079327919, 8560044684 roshan-meena34@gmail-com	राजस्थान
3	डॉ. पी. मुरालि	वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर–सुगरकेन ब्रीडिंग संस्थान, कोयम्बटूर	0422–2473194 मोबा.: 9488367401, murali@-icar-gov-in	तमिलनाडु
4	डॉ. महेंद्र सिंह	मुख्य वैज्ञानिक(कृषि अर्थशास्त्र) आईसीएआर–सेंट्रल एग्रोफॉरेस्ट्री रिसर्च, उत्तर प्रदेश	0510-2730214/2730154; मोबाइल: 6387491570/9455099538 ई–मेल: mahendrasingh582005@yahoo-co-in; Mahendra-Singh8@icar-gov-in	उत्तर प्रदेश
5	डॉ. प्रभाकांत पाठक	मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, एफएमपीएचटी डिवीजन इंडिया काउंसिल ऑफ एग्रीकचरल रिसर्च,नई दिल्ली च्तपदबपच	+91 9450078170 ई–मेल आई.डी: pkpathakigfri@yahoo-co-in	नई दिल्ली
6	डॉ. जी.एम. हिरेमठ	सहायक प्रोफेसर, एग्रिल इकोनॉमिक्स कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, यू.ए.एस. कर्नाटक(भारत)	9481124125 ई–मेल आई.डी : gmhiremath41@gmail-com; gmhiremath41@uasraichur-edu-in	कर्नाटक
7	पानडाबा चरण मुंडा	सहायक प्रोफेसर, कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुबनेश्वर	09439951391; ई–मेल : pandabamanage07@gmail-com	उड़ीसा
8	विरेंद्र सिंह	वरिष्ठ विपणन अधिकारी, एच.पी. राज्य कृषि विपणन बोर्ड खालिनि, शिमला	virender71@yahoo-com, virendersingh71454@gmail-com	हिमाचल
9	डॉ. सरिता दास	सहायक प्रोफेसर, कृषि प्रबंधन केंद्र, व्यवसाय प्रशासन विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुबनेश्वर	मोबाइल नं. – 8895201257 ई–मेल आई.डी- :saritaagri07@gmail-com	उड़ीसा
10	अनिल चौहान	सचिव, ए.पी.एम.सी. हामिरपुर	09318675533 ई–मेल: anil-chauhan2@gmail-com	हिमाचल प्रदेश
11	डॉ. आर.के. योगी	वैज्ञानिक(कृषि अर्थशास्त्र), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद(आईसीएआर)	91 8521807288 yogindri@gmail-com	नई दिल्ली
12	डॉ. परमिंदर सिंह	जिला विस्तार विशेषज्ञ(कृषि अर्थशास्त्र), के.वी.के., सोनीपत, हरियाणा	9416143640 pmalik279@gmail-com	हरियाणा
13	डॉय सचिन कुमार टी. एन.	एसोसिएट प्रोफेसर, बागवानी विज्ञान शिक्षा निदेशालय, बागलकोट	9449872862	कर्नाटक
14	श्री श्रीपद विश्वेश्वर	एसोसिएट प्रोफेसर, बागवानी विज्ञान शिक्षा निदेशालय, बागलकोट	फोन नं.. 8354230201, 939448244103, 08354230101	कर्नाटक

क्र. सं.	नाम	पदनाम	संपर्क	राज्य
15	डॉ. राज कुमार योगी	वैज्ञानिक(वरिष्ठ स्केल) कृषि अर्थशास्त्र	फोन नं- : 0651–2261154 मो.नं.: 91–8521807288	झारखंड
16	श्री सुशील गुलेरिया	सचिव, ए.पी.एम.सी., एचपीएसएएमबी विपन भवन खावनी, शिमला	फोन नं.: 9418355012, 0177–2621252	हिमाचल प्रदेश
17	डॉ. खितिश कुमार सारंगी	सहायक प्रोफेसर, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, कृषि एवं प्रौद्योगिकी(ओयुएएटी) ओडिशा विश्वविद्यालय, भुबनेश्वर	फोन नं.: 9938557965	उड़ीसा
18	डॉ. मनोरंजन सतपथी	प्रोफेसर, एग्रोनॉमी विभाग,सीए, बीबीएसआर, कृषि एवं प्रौद्योगिकी(ओयुएएटी) ओडिशा विश्वविद्यालय, भुबनेश्वर	9439878950	उड़ीसा
19	डॉ. पोखरकर वसंत जेनभायु	कृषि शोध अधिकारीध्सहायक प्रोफेसर, महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुडी, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, अहमदनगर, महाराष्ट्र	02426–243657	महाराष्ट्र
20	डॉ. चेतन आर.डी	सहायक प्रोफेसर, आई(ए.बी.एम.)आई,आनंद कृषि विश्वविद्यालय,गुजरात	9825151390	गुजरात
21	डॉ.एस. सेंथिलनाथन	प्रोफेसर, कृषि अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय एवं शोध संस्थान, किल्लकुिलम	9047588385	तमिलनाडु
22	डॉ. एम. प्राहादीस्वर्ण	सहायक प्रोफेसर, कृषि अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय एवं शोध संस्थान, मुदराई	9442056185	तमिलनाडु
23	श्री संजय कुमार जोशी	सहायक प्रोफेसर, आइर्जीकेवी, कृषक रायपुर, छत्तीसगढ़	7869962221	छत्तीसगढ़
24	डॉ. सुधीर सिंह भदौरिया	तकनीकी अधिकारी,,राजमाता विजयाराजे सिंधिया विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश	7489407897, 0751–2970512, 2239270	मध्य प्रदेश
25	एन. किशोर कुमार	प्रोफे.एवं अध्यक्ष, टीएसएस कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर वेल्लयानि, त्रिवेंद्रम, केरल	फोन नं.: 0471–2383467, 9447471052	केरल
26	श्री प्रभा कांत पाठक	मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, आईसीएआर–आईजीएफआरआई,निकट पाहुज डैम ग्वालियर रोड, झांसी, यू.पी.	फोन नं.: 9450078170	उत्तर प्रदेश
27	डॉ. ताव्वा श्रीनिवास	मुख्य वैज्ञानिक (एग्री. अर्थ.), आईसीएआर–सीटीसीआरआई, श्रीकरियम, तिरुवनंतपुरम, केरल	फोन नं.: 0471 – 2590063, 8800608564	केरल
28	श्री सचिन सुधाकर राव	एसोसिएट प्रोफेसर, वसंत राव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, महाराष्ट्र	फोन नं.: 02452 – 228864, 9420532076	महाराष्ट्र
29	श्री शक्ति रंजन पाणिग्राहि	एसोसिएट प्रोफेसर, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद	फोन नं.- 02692 – 264052, 8200631364	गुजरात

अनुलग्नक–6 (ए)

वर्ष 2018–19 के दौरान शुरू किए गए किसान बिजनेस स्कूकल (केबीएस) तथा अन्य अनुसंधान

क्रमांक	शोध की विषय–वस्तु (थीम)	भागीदार संस्थान	शिक्षक
1	गेहूं बिजनेस स्कूल	सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ	डॉ. एस.आर. सिंह
2	मक्का बिजनेस स्कूल	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलुरु	श्री सत्येंद्र कुमार
3	पोल्ट्री बिजनेस स्कूल	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर	डॉ. सतीश पंत
4	केला बिजनेस स्कूल	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर	डॉ. रमेश मित्तल
5	आलू बिजनेस स्कूल	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	डॉ. विक्रम सिंह
6	डेयरी बिजनेस स्कूल	राष्ट्रीय दुग्ध शोध संस्थान, करनाल	डॉ. हेमा यादव
7	मत्स्य बिजनेस स्कूल	केवीके, सीआईएफए, भुबनेश्वर	डॉ. सतीश चंद पंत
8	धान बिजनेस स्कूल	एसएएमईटीआई, रामकृष्णा आश्रम, कोलकाता	डॉ. शुचि माथुर
9	एफ.पी.ओ. द्वारा कटहल और इसके उत्पादों हेतु विपणन रणनीति	एन.आई.टी.टी.ई. विश्वविद्यालय, मंगलौर	डॉ. रमेश मित्तल
10	ई–नाम के कामकाज की स्थिति : राजस्थान का एक मामला	सी.सी.एस. नियाम (पी.जी.डी.एम. (ए.बी.एम.))	श्री सत्येंद्र कुमार
11	विस्तार वितरण बिंदुओं के रूप में कृषि बाजारों का उपयोग		डॉ. एस.आर. सिंह
12	मॉडल पीआरएएम की संकल्पना	ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद (आईआरएमए)	डॉ. हेमा यादव
13	कृषि के लिए एगमार्कनेट की पहुंच पर अध्ययन	ओ.यू.ए.टी., भुबनेश्वर	डॉ. विक्रम सिंह
14	कृषि विपणन पर विस्तार कृत्यकरी (फंक्शनरीज) की जागरूकता पर अध्ययन	ई.ई.आई, हैदराबाद	डॉ. शुचि माथुर
15	नीले, हरे और भूरे(ग्रे) पानी की मात्रा, गुणवत्ता तथा प्रबंधन की बेहतर समझ के माध्यम से शुष्क क्षेत्र में खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ाना।	डी.एस.टी–सी.ए.जेड.आर.आई, जोधपुर	डॉ. हेमा यादव

अनुलग्नक–6 (बी)

वर्ष 2018–19 के अनुसंधान प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) प्रोग्राम के तहत अनुसंधान अध्ययन के विषय

1	किसानों को मध्याह्न भोजन कार्यक्रम से जोड़ना : कृषि विपणन परिप्रेक्ष्य
2	किसानों को समाज कल्याण छात्रावास से जोड़ना : कृषि विपणन परिप्रेक्ष्य
3	किसानों को फंक्शन हॉलों से जोड़ना : कृषि विपणन परिप्रेक्ष्य
4	किसानों को विश्वविद्यालय के छात्रावास से जोड़ना – कृषि विपणन परिप्रेक्ष्य

अनुलग्नक–6 (सी)

कृषि ज्ञान दीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला 2018–19

क्रमांक	तिथि	शीर्षक	वक्ता
1.	2 अक्तूबर, 18	किसानों की आय दोगुनी करना	डॉ. अशोक दलवई
2.	20 नवंबर,18	कृषि–उद्यमिता के माध्यम से लाभदायक और सतत खेती	प्रो. के. नारायण गौड़ा
3.	31 दिसंबर,18	अनुबंध खेती	प्रो. सुखपाल सिंह
4.	10 जनवरी, 19	प्रत्यक्ष विपणन	श्री ज्ञानेश्वर बोडके
5.	18 मार्च, 19	किसान उत्पादक संगठनों को बाजार से जोड़ना	श्री एस. के. गोयल
6.	22 मार्च, 19	ई–नाम : एक राष्ट्र, एक बाजार	श्री पी.के. स्वैन

अनुलग्नक–7

J. SINGH & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
380, Gayatri Nagar 'A', Maharani Farm
Durgapura, Jaipur, Rajasthan -302018
Mobile: 9887650046 Email: shalinijain03@gmail.com

To,

The Member of ch. Charan Singh National Institute of agricultural Marketing
Jaipur – 302033

We have audited the attachment Balance Sheet of Ch. Charan Singh National Institute of agricultural Marketing Jaipur as at 31st March, 2019 and also the annexed Income and Expenditure Account and Receipt & Payments Account for the year ended on that day and report that:

We have obtained all the information and explanations, which to the best of our Knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit. The institute has maintained proper books of account and the Balance Sheet and Income & Expenditure Account and Receipts & Payment Account dealt with in this report are in agreement with them.

These financial statements are the responsibility of the Institute management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with the auditing standards generally accepted in India. Those standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examine, on the basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

In our opinion and to the best of our knowledge and belief, the accounts give a true and fair view read along with Notes on accounts.

a) In the case of Balance sheet of state of affairs as at 31st March, 2019
b) In the case of income and Expenditure account of Excess of Income over Expenditure of the Institute for the year ended on 31st March, 2019 and
c) In the case of Receipt & Payment Account, of the receipt and payment of the institute for the year ended on 31st March, 2019.

As per our report even dated attached
For J. Singh & Associates
FRN – 110266W
Chartered Accountants

(Shalini Jain)
Partner
M. No. 406364

Place: Jaipur
Date: 30.05.2019

H.O. : 505,506,507, HUBTOWN 'VIVA', 5th Floor, Shankarwadi, Westren Express Highway, Andheri (East), Mumbai -400069
Landline : 022-66994618/19, Fax : 022-66994617/28361081

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur ~ 302033

BALANCE SHEET AS AT 31st March 2019

(Amount - Rs)

CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES	Schedule	Current Year	Previous Year
CORPUS / CAPITAL FUND	1	281918706.65	229754237.81
RESERVES AND SURPLUS	2	0.00	0.00
EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS	3	256429649.10	252041072.10
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	0.00	0.00
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	0.00	0.00
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	0.00	0.00
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	44659580.42	36091168.70
TOTAL		**583007936.17**	**517886478.61**
ASSETS			
FIXED ASSETS	8	284826021.35	283956028.35
INVESTMENT-FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	18176287.00	13153848.00
INVESTMENT-OTHERS	10	0.00	0.00
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.	11	280005627.82	220776602.26
MISCELLANEOUS EXPENDITURE (to the extent not written off or adjusted)			
TOTAL		**583007936.17**	**517886478.61**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25		

As per our report even dated attached
For J.Singh & Associates
FRN - 110266W
Chartered Accountants

J. Singh & Associates FRN 110266W Chartered Accountants

(Shalini Jain)
Partner
M. No. 406364

Place: Jaipur
Date: 30.05.2019

A.C.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENT (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur ~ 302033
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2019

(Amount - Rs.)

INCOME	**Schedule**	**Current Year**	**Previous Year**
Income from Sales / Services	12	19643057.00	8771717.00
Grants / Subsidies	13	94474547.33	89485359.20
Fees / Subscriptions	14	48036097.00	51400061.00
Income from Investments (Income on Invest. From earmarked/Room Rents)	15	986450.00	91700.00
Income from Royalty, Publication etc.	16	0.00	0.00
Interest Earned	17	3704919.00	3015067.00
Other Income	18	695264.00	221186.00
Increase/(decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	19	0.00	0.00
TOTAL (A)		**167540334.33**	**152985090.20**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	38424898.00	33221656.00
Other Administrative Expenses etc.	21	74527996.16	72148808.64
Expenditure on Grants, Subsidies of RGS	22	0.00	0.00
Interest	23	0.00	0.00
Prior Adjustment		0.00	0.00
Depreciation (Net Total at the year-end - corresponding to Schedule 8)		0.00	0.00
TOTAL (B)		**112952894.16**	**105370464.64**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		54587440.17	47614625.56
Transfer to / from General Reserve		0.00	0.00
BALANCE BEING SURPLUS/(DEFICIT) CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND		**54587440.17**	**47614625.56**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25		

As per our report even dated attached
For J.Singh & Associates
FRN - 110266W
Chartered Accountants

(Shalini Jain)
Partner
M. No. 406364

Place: Jaipur
Date: 30.05.2019

A.O
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENT (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 1 - CORPUS / CAPITAL FUND:	Current Year		Previous Year	
Balance as at the beginning of the year		64414425.81		52046949.45
less: Contributions towards Corpus/Capital Fund	29338554.00		6100182.00	
Add/(Deduct): Balance of net income/(expenditure) transferred from	54587440.17		47614625.56	
the Income and Expenditure Account	2422971.33		29146967.20	
less:adjustment in capital fund				
Closing Balance at the year end		87240340.65		64414425.81
Corpus Fund		194678366.00		165339812.00
BALANCE AS AT THE YEAR - END		**281918706.65**		**229754237.81**

SCHEDULE 2 - RESERVES AND SURPLUS:	Current Year		Previous Year	
1. Capital Reserve:				
As per last Account	0.00		0.00	
Addition during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the year	0.00	0.00	0.00	0.00
2. Revaluation Reserve:				
As per last Account	0.00		0.00	
Addition during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the year	0.00	0.00	0.00	0.00
3. Special Reserves:				
As per last Account	0.00		0.00	
Addition during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the year	0.00	0.00	0.00	0.00
4. General Reserve:				
As per last Account	0.00		0.00	
Addition during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the year	0.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL		**0.00**		**0.00**

J. S. Sharma & Associates
FRN 0266W
Chartered Accountants

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENT (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur ~ 303906
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	FUND-WISE BREAK UP										TOTAL			
	Grant (Rural Godown)		Grant (NIAM)		Grant (Market Infra.)		Grant (Market Atlas.)		Grant Utilized for fixed assets		Current Year		Previous Year	
a) Opening balance of the funds		1421511.88		6683662.00		28827.09		0.00		243907071.13		252041072.10		251380437.10
b) Additions to the funds:														
i. Donations / grants	0.00		95837000.00		0.00		0.00		0.00		95837000.00		60999000.00	
ii. Income from investmnts made on account of funds	0.00		0.00		0.00		0.00		0.00		0.00		0.00	
iii. Other additions (Specify nature)/NIAM FUND	3827.00				0.00		0.00		64794.00		68621.00		3430525.00	
		3827.00		95837000.00		0.00		0.00		64794.00		95905621.00		64429525.00
Total (a+b)		1425338.88		102520662.00		28827.09		0.00		243971865.13		347946693.10		315809962.10
c) Utilisation/Expenditure towards objectives of funds														
i. Capital Expenditure														
Fixed Assets	0.00		64794.00		0.00		0.00		0.00		64794.00		3430520.00	
Others	0.00		0.00		0.00		0.00		0.00		0.00		0.00	
Total		0.00		64794.00				0.00		0.00		64794.00		3430520.00
ii. Revenue Expenditure														
Salary, Wages and allowances etc.	0.00		38424898.00		0.00		0.00		0.00		38424898.00		33221656.00	
Rent	0.00		0.00		0.00		0.00		0.00		0.00		0.00	
Other Administrative expenses	118.00		53026880.00		354.00		0.00		0.00		53027352.00		27116714.00	
Total		118.00		91451778.00		354.00		0.00		0.00	0.00	91452250.00		60338370.00
Total (C)		118.00		91516572.00		354.00		0.00		0.00		91517044.00		63768890.00
NET BALANCE AS AT THE YEAR-END (a+b-c)		1425220.88		11004090.00		28473.09		0.00		243971865.13		256429649.10		252041072.10

1) Plan Funds received from the Central/State Governments are shown as separate Funds and not to be mixed up with any other Funds.
2) The NIAM fund has been utilized in case of Revenue & Capital Expenditure over and above the NIAM Grant.

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur ~ 302033

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 4 - SECURED LOANS AND BORROWINGS:	Current Year		Previous Year	
1. Central Government		0.00		0.00
2. State Government (Specify)		0.00		0.00
3. Financial Institutions				
a) Term Loans	0.00		0.00	
b) Interest accured and due	0.00	0.00	0.00	0.00
4. Banks:				
a) Term Loans	0.00		0.00	
Interest accured and due	0.00		0.00	
b) Other Loans (Specify)	0.00		0.00	
Interest accured and due	0.00	0.00	0.00	0.00
5. Other Institutions and Agencies		0.00		0.00
6. Debentures and Bonds		0.00		0.00
7. Others (Specify)		0.00		0.00
TOTAL		0.00		0.00

J. Singh & Associates Chartered Accountants 10266W

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENT (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 5 - UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	Current Year	Previous Year
1. Central Government	0.00	0.00
2. State Government (Specify)	0.00	0.00
3. Financial Institutions	0.00	0.00
4. Banks:		
a) Term Loans	0.00	0.00
b) Other Loans (Specify)	0.00	0.00
5. Other Institutions and Agencies	0.00	0.00
6. Debentures and Bonds	0.00	0.00
7. Fixed Deposits	0.00	0.00
8. Other (Specify)	0.00	0.00
TOTAL	**0.00**	**0.00**
Note: Amounts due within one year Nil.		

SCHEDULE 6 - DEFERRED CREDIT LIABILITIES:	Current Year	Previous Year
a) Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	0.00	0.00
b) Others	0.00	0.00
TOTAL	**0.00**	**0.00**
Note: Amounts due within one year Nil.		

A.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENT (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 7 - CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	Current Year		Previous Year	
A. CURRENT LIABILITIES				
1. Acceptances	0.00	0.00	0.00	0.00
2. Sundry Creditors:				
a) For Goods	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Others	12049536.42	0.00	8657593.70	0.00
3. Security/EMD Received	1045665.00	0.00	1295665.00	0.00
4. Interest accrued but not due on:				
a) Secured Loans / Borrowings	0.00		0.00	
b) Unsecured Loans / Borrowings	0.00	0.00	0.00	0.00
5. Statutory Liabilities:				
a) Overdue	0.00		0.00	
b) Others	0.00	0.00	0.00	0.00
6. Other Current Liabilities	0.00		0.00	
TOTAL (A)	**13095201.42**	**0.00**	**9953258.70**	**0.00**
B. PROVISIONS				
1. Gratuity	22369065.00	0.00	17346626.00	0.00
2. Superanuation / Pension	0.00	0.00	0.00	0.00
3. Accumulated Leave Encashment	9195314.00	0.00	8748084.00	0.00
4. Trade Warranties / Claims	0.00	0.00	0.00	0.00
5. Others (Specify)-Provision for Audit Fees	0.00	0.00	43200.00	0.00
TOTAL (B)	**31564379.00**	**0.00**	**26137910.00**	**0.00**
TOTAL (A + B)	**44659580.42**		**36091168.70**	

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 0266W

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)

C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING

Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 8 - FIXED ASSETS DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/Valuation As at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/Valuation at the year end	As at the beginning of the year	On Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the Year end	As at the Current year end	As at the Previous year end
A. FIXED ASSETS:										
1 LAND:										
a) Freehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Leasehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2 BUILDINGS:										
a) On Freehold Land	200692086.07	0.00	0.00	200692086.07	0.00	0.00	0.00	0.00	200692086.07	200692086.07
b) On Leasehold Land & Others	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Ownership Flats / Premises	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Superstructures on Land not belonging to the entity	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3 PLANT MACHINERY & EQUIPMENT	5913302.00 0.00	0.00	0.00	5913302.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5913302.00	5913302.00
4 VEHICLES	775718.95	0.00	0.00	775718.95	0.00	0.00	0.00	0.00	775718.95	775718.95
5 FURNITURE, FIXTURES.	6810449.37	616000.00	0.00	7426449.37	0.00	0.00	0.00	0.00	7426449.37	6810449.37
6 OFFICE EQUIPMENT	57706472.65	253993.00	0.00	57960465.65	0.00	0.00	0.00	0.00	57960465.65	57706472.65
8 ELECTRIC INSTALLATIONS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9 LIBRARY BOOKS	12057999.31	0.00	0.00	12057999.31	0.00	0.00	0.00	0.00	12057999.31	12057999.31
10 TUBEWELLS & SUPPLY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL OF CURRENT YEAR	**283956028.35**	**869993.00**	**0.00**	**284826021.35**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**284826021.35**	**283956028.35**
PREVIOUS YEAR										
B. CAPITAL WORK-IN-PROGRESS									0.00	0.00
TOTAL (A+B)									**284826021.35**	**283956028.35**

(There is no asset on hire purchase basis & payment to C.P.W.D. form part of building and shown as addition during the year.)

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 110266W

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENT (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 9 INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	Current Year	Previous Year
1. In Government Securities	0.00	0.00
2. Other approved Securities (In LIC for Gratuity)	18176287.00	13153848.00
3. Shares	0.00	0.00
4. Debentures and Bonds	0.00	0.00
5. Subsidiaries and Joint Ventures	0.00	0.00
6. Others (to be specified)	0.00	0.00
TOTAL	18176287.00	13153848.00

SCHEDULE 10 - INVESTMENTS OTHERS	Current Year	Previous Year
1. In Government Securities	0.00	0.00
2. Other approved Securities	0.00	0.00
3. Shares	0.00	0.00
4. Debentures and Bonds	0.00	0.00
5. Subsidiaries and Joint Ventures	0.00	0.00
6. Others	0.00	0.00
TOTAL	0.00	0.00

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 110266W

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 11 - CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.	Current Year		Previous Year	
A. CURRENT ASSETS:				
1. Inventories:				
a) Stores and Spares	126643.00		595851.00	
b) Loose Tools	0.00		0.00	
c) Stock-in-trade				
Finished Goods	0.00		0.00	
Work-in-progress	0.00		0.00	
Raw Materials	0.00	126643.00	0.00	595851.00
2. Sundry Debtors:				
a) Debts Outstanding	0.00		0.00	
b) Others	0.00	0.00	0.00	0.00
3. Cash balances in hand (including cheques / drafts and imprest)	0.00	0.00	0.00	0.00
4. Bank Balances:				
a) With Scheduled Banks:				
On Current Accounts	27887708.44		41882261.76	
On Deposit Accounts (including FDR Corpus Fund)	206132457.00		158487252.00	
E-Bank a/c	67533.38	234087698.82	10000.00	200379513.76
b) With non - Scheduled Banks:				
On Current Accounts	0.00		0.00	
On Deposit Accounts	0.00		0.00	
On Saving Accounts	0.00	0.00	0.00	0.00
5. Post Office Saving Accounts		0.00		0.00
TOTAL (A)		**234214341.82**		**200975364.76**

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 026GW

Accounts Officer
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 11 - CURRENT ASSTETS,LOANS,ADVANCES ETC.(Contd)	Current Year		Previous Year	
B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS				
1. Loans:				
a) Staff including HBA, Vehicle loan, computer loan etc.	120309.00		197079.00	
b) Other Entities engaged in activities/objectives similar to that of the Entity	0.00		0.00	
c) Other (Specify)	0.00	120309.00	0.00	197079.00
2. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received:				
a) On Capital Account	0.00		0.00	
b) Prepayments (Advance toCPWD, as per terms of Grant inAid)	20829132.00		107322.00	
c) Others(including Security Deposit & for MIS\RGS\NAMA etc.)	17817120.00	38646252.00	13710602.50	13817924.50
3. Income Accrued:				
a) On Investments from Earmarked/Endowment Funds	0.00		0.00	
b) On Investment - Others	0.00		0.00	
c) On Loans and Advances	0.00		0.00	
d) Others	7024725.00		5786234.00	
		7024725.00		5786234.00
4. Claims Receivable		0.00		0.00
TOTAL (B)		**45791286.00**		**19801237.50**
TOTAL (A + B)		**280005627.82**		**220776602.26**

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 0266W

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2019

SCHEDULE 12 - INCOME FROM SALES / SERVICES	Current Year	Previous Year
1). Income from Sales		
a) Sale of Finished Goods	0.00	0.00
b) Sale of Raw Material	0.00	0.00
c) Sale of Scraps	0.00	0.00
2). Income from Services		
a) Labour and Processing Charges	0.00	0.00
b) Professional / Consultancy Services	3668057.00	8771717.00
c) Agency Commission and Brocerage	0.00	0.00
d) Maintenance Services (Equipments/Property)	0.00	0.00
e) RKVY Incubation	15975000.00	0.00
TOTAL	**19643057.00**	**8771717.00**

SCHEDULE 13 - GRANTS / SUBSIDIES (Irreovocable Grants & Subsidies Received)	Current Year	Previous Year
1). Central Government	94474075.33	89485123.20
2). Central Government (RGS)	118.00	59.00
3). State Government(s)	0.00	0.00
4). Government Agencies(NIAM Fund)	0.00	0.00
5). Institutions / Welfare Bodies	0.00	0.00
6). International Organisations	0.00	0.00
7). Others (Specify) Central Govt. (Market Atlas)	0.00	0.00
8). Others (Specify) Central Govt. (Market Infra)	354.00	177.00
TOTAL	**94474547.33**	**89485359.20**

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 012889W

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 14 - FEES / SUBSCRIPTIONS	Current Year	Previous Year
1) Enterance Fees	0.00	0.00
2) Annual Fees / Subscriptions , PGDABM Fee	43491403.00	36082664.00
3) Seminar / Programme Fees	1073115.00	11471586.00
4) Consultancy Fees	0.00	0.00
5) International programme Receipts	3121161.00	2421028.00
6) FCRA	350418.00	1424783.00
TOTAL	**48036097.00**	**51400061.00**

SCHEDULE 15 - INCOME FROM INVESTMENTS (Income on Invest.from Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)	Investment from Earmarked Fund		Investment Others	
	Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year
1) Interest				
a) On Govt. Securities	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Other Bonds/Debentures	0.00	0.00	0.00	0.00
2) Dividends:				
a) On Shares	0.00	0.00	0.00	0.00
b) On Mutual Fund Securities	0.00	0.00	0.00	0.00
3) Room Rent	986450.00	91700.00	0.00	0.00
4) Others (Specify)	0.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL	**986450.00**	**91700.00**	**0.00**	**0.00**

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 022866W

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 16 - INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATIONS ETC.		Current Year	Previous Year
1)	Income from Royalty	0.00	0.00
2)	Income from Publications	0.00	0.00
3)	Others (Specify)	0.00	0.00
	TOTAL	0.00	0.00

SCHEDULE 17 - INTEREST EARNED		Current Year	Previous Year
1)	On Term Deposits:		
	a) With Scheduled Banks	3574922.00	2746037.00
	b) With Non-Scheduled Banks	0.00	0.00
	c) With Institutions	0.00	804.00
	d) Others	0.00	0.00
2)	On Saving Accounts:		
	a) With Scheduled Banks	0.00	0.00
	b) With Non-Scheduled Banks	0.00	0.00
	c) Post Office Savings Accounts	0.00	0.00
	d) Others	0.00	0.00
3)	On Loans:		
	a) Employees / Staff	129997.00	152740.00
	b) Others (Interest on IT Refund)	0.00	115486.00
4)	Interest on Debtors and Other Receivables (RGS)		
	TOTAL	3704919.00	3015067.00

J. Singh & Associates
FRN 110266W
Chartered Accountants

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 18 - OTHER INCOME		Current Year	Previous Year
1)	Profit on Sale/disposal of Assets:		
	a) Owned assets	0.00	0.00
	b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	0.00	0.00
2)	Export Incentives realised	0.00	0.00
3)	Fees for Miscellaneous Services(Pgpabm user charges)	0.00	0.00
4)	Miscellaneous Income (including prior period)	695264.00	221186.00
	TOTAL	695264.00	221186.00

SCHEDULE 19 - INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WORK IN PROGRESS		Current Year	Previous Year
a)	Closing Stock		
	Finished Goods	0.00	0.00
	Work-in-progress	0.00	0.00
b)	Less: Opening Stock		
	Finished Goods	0.00	0.00
	Work-in-progress	0.00	0.00
	NET INCREASE/(DECREASE (a - b)	0.00	0.00

SCHEDULE 20 - ESTABLISHMENT EXPENSES		Current Year	Previous Year
a)	Salaries and Wages	38381449.00	31048656.00
b)	C.E.A. and Bonus	0.00	0.00
c)	Contribution to Other Fund (Specify)	0.00	0.00
d)	Over Time	0.00	0.00
e)	Expenses on Employees Retirement and Terminal Benefits	0.00	2115570.00
f)	Other (Specify)	43449.00	57430.00
	TOTAL	38424898.00	33221656.00

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 016266W

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2019

(Amount - Rs.)

		Current Year	Previous Year
SCHEDULE 21 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.			
	A. INSTITUTIONAL MAINTENANCE AND OTHER ADMINISTRATIVE EXPNESES		
1	Consumption of Consumable Stores	388839.00	146620.00
2	Labour and processing expenses	0.00	0.00
3	Cartage and Carriage Inwards	0.00	0.00
4	Electricity and power	6205252.00	4080658.00
5	Water Charges	0.00	0.00
6	Insurance	0.00	0.00
7	Repairs and maintenance of services	7444318.00	5222681.00
8	Excise Duty	0.00	0.00
9	Rent, Rates and Taxes & Insurance	81998.00	122041.00
10	Vehicles Running and Maintenance	0.00	0.00
11	Postage, Telephone and Communication Charges	364731.00	320299.00
12	Travelling and Conveyance Expenses	2811840.00	1292396.00
13	Expenses on Membership Fees	14160.00	0.00
14	Auditors Remuneration & Legal Fees	165968.00	154640.00
15	Hospitality Expenses	0.00	0.00
16	Professional Charges	0.00	0.00
17	Provision for Bad and Doubtful Debts / Advances	0.00	0.00
18	Irrecoverable Balances Written-Off	0.00	0.00
19	Packing Charges	0.00	0.00
20	Freight and Forwarding Expenses	0.00	0.00
21	Advertisemen and Publicity	460173.00	71628.00
22	Bank Charges	5951.83	3070.20
23	News Paper & Magzine	330226.50	74644.00
24	Security & Other Service Maintenance	4654395.00	1862316.00
25	Repairs and maintenance of road & building	343256.00	20906760.00
26	Prior Adjustment	0.00	1000000.00
27	Other Expenses	4604655.00	2526512.00
	TOTAL	27875763.33	37784265.20

J. Singh & Associates Chartered Accountants

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 21 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.		Current Year	Previous Year
B. PROJECTS, TRAINING, SEMINAR RELATED EXPENSES			
1	Expenses on Training & Seminar / Workshops / Exhibition etc.	18520239.00	10425012.00
2	Computer and Satilite Expenses	0.00	0.00
3	Project Formulation Expenses	4016971.00	4909525.00
4	Publication of journal & Survey &Research	0.00	0.00
5	Expenditure on RGS	118.00	3593.00
6	Expenditure on PGDABM	18127928.83	15697883.44
7	Expenditure on Market Atlas	0.00	0.00
8	Expenditure on International Programme	3447692.00	3144665.00
9	Expenditure on Market Infrastructure	354.00	177.00
10	Expenditure on RKVY	2188512.00	0.00
11	Expenditure on FCRA	350418.00	183688.00
	TOTAL (B)	**46652232.83**	**34364543.44**
	(TOTAL A+B)	**74527996.16**	**72148808.64**

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 010266W

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2019

(Amount - Rs.)

SCHEDULE 22 - EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC.	Current Year	Previous Year
a) Grants given to Institutions / Organisations	0.00	0.00
b) Subsidies given to Institutions / Organisations	0.00	0.00
TOTAL	**0.00**	**0.00**

Note - Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/Subsidies are to be disclosed.

SCHEDULE 23 - INTEREST	Current Year	Previous Year
a) On Fixed Loans	0.00	0.00
b) On Other Loans (Including Bank Charges)	0.00	0.00
c) Others (Specify)	0.00	0.00
TOTAL	**0.00**	**0.00**

J. Singh & Associates Chartered Accountants 00266W

A.O.
NIAM, Jaipur

Director General,
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULE FOMRING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31/03/2019

SCHEDULE 24 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1 ACCOUNTING CONVENTION

1.1 The financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting including for the interest received on F. D. R & interest on advance to employees.

2 INVENTORY VALUATION

2.1 Consumable stores are valued at cost and are as confirmed by management.

3 INVESTMENT

3.1 A sum of Rs.50,22,439.00 Invested in LIC during the year for Gratuity.

4 LAND & BUILDING TAX AND EXCISE DUTY

4.1 The Government of Rajasthan have abolished land and building tax .

4.2 Excise duty is not applicable.

5 FIXED ASSETS

5.1 Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition. In respect of projects involving construction, related pre-operational expenses (including interest on loans for specific project prior to its completion), form part of value of the assets capitalized.

5.2 Fixed Assets received by way of non-monetary grants, are capitalized at values stated, by corresponding credit to Capital Reserve.

5.3 The fixed assets have not been revalued during the year.

5.4 Assets which have become unserviceable or obsolete are also shown in fixed assets till the permission to write off/dispose off received from Govt. of India.

6 DEPRECIATION

6.1 Fixed Assets are stated at cost and dep. on Fixed Assets has not been provided, since fixed assets have been created out of grant.

J. Singh & Associates * FRN 110266W * Chartered Accountants

Contd.....

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
SCHEDULE FOMRING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31/03/2019

SCHEDULE 24 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

7 MISCELLANEOUS EXPENDITURE & PRIOR ADJUSTMENT

7.1 Prior adjustment as suggested.

8 ACCOUNTING FOR SALES

8.1 This is service rendering Institute & there is no sales.

9 GOVERNMENT GRANTS / SUBSIDIES

9.1 Grant-in-aid from Government of India has been received towards administration and other expenses of the Institute. The institute has taken only that portion of grant to Income & Expenditure account to equalize with administrative expenses incurred during the year. The remaining part has been carried over directly to Balance Sheet.

9.2 Government grants / subsidy are accounted on realization basis.

10 FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS

10 No foreign currency transactions during the year.

11 LEASE

11.1 No Lease rentals are there.

12 RETIREMENT BENEFITS

12.1 Provision for gratuity has been made as per Govt. of India's approval and payment of gratuity act on the date of balance sheet.

12.2 Provision for leave salary has also been made on the basis of 60 % leave balances of the employees.

As per our report even dated attached
For J.Singh & Associates
FRN - 110266W
Chartered Accountants

(Shalini Jain)
Partner
M. No. 406364

J. Singh & Associates FRN 110266W Chartered Accountants

Place: Jaipur
Date: 30.05.2019

A.O
NIAM, Jaipur

Director General
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

SCHEDULES FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31/03/2019

SCHEDULE 25 - CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1 CONTINGENT LIABILITIES

1.1 Claims against the Entity not acknowledged as debts - Rs. NIL (Previous year Rs. NIL).

1.2 In respect of:

- Bank guarantees given by / on behalf of the Entity -Rs. NIL (Previous year Rs. NIL)
- Letters of Credit opened by Bank on behalf of the Entity - Rs. NIL (Previous year Rs. NIL)
- Bills discounted with banks Rs. NIL (Previous year Rs. NIL)

1.3 Disputed demands in respect of:

Income tax Rs. NIL (Previous year Rs. NIL)
Sales tax Rs. NIL (Previous year Rs. NIL)
Municipal Taxes NIL (Previous year Rs. NIL)

1.4 In respect of claims from parties for non execution of orders, but contested by the Entity - Rs. NIL (Previous year Rs. NIL).

2 CAPITAL COMMITMENTS

Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advances) Rs. NIL (Previous year Rs. NIL).

3 LEASE OBLIGATIONS

Future obligations for rentals under finance lease arrangements for plant and machinery amount to Rs. NIL (Previous year Rs. NIL).

4 FIXED ASSETS

Fixed assets the purchased cost of which is of Rs.4856157.00 are unserviceable or obsolete.The depriciated value can not be determined because stock register has not been properly maintained and the depriciation has not been claimed.

5 CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

6 TAXATION

In view of there being no taxable income under Income tax Act. 1961, no provision for Income tax has been considered necessary.

J. Singh & Associates * FRN 110266W * Chartered Accountants

Contd.....

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S.NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033

SCHEDULES FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31/03/2019

SCHEDULE 25 - CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

7 **FOREIGN TRAVEL**

NIL

		(Amount - Rs.) Current Year	Previous Year
8	**FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS**		
8.1	**Value of Imports Calculated on C.I.F. Basis:**		
	- Purchase of finished Goods	NIL	NIL
	- Raw Materials & Components (Including in transit)	NIL	NIL
	- Capital Goods	NIL	NIL
	- Stores, Spares and Consumables	NIL	NIL
8.2	**Expenditure in foreign currency:**		
	a) Travel	NIL	NIL
	b) Remitances and Interest payment to Financial Institutions/Banks in Foreign C	NIL	NIL
	c) Other expenditure:	NIL	NIL
	- Commission on Sales	NIL	NIL
	- Legal and Professional Expenses	NIL	NIL
	- Membership Fee	NIL	NIL
8.3	**Earnings:**		
	Value of Exports on FOB Basis	NIL	NIL
	International Programme Fees(Received in INR)	NIL	NIL

Contd. .....

J. Singh & Associates Chartered Accountants

8.4 **Remuneration to auditors:**

As Auditors		
- Taxation matters	NIL	NIL
- For Management services	NIL	NIL
- For certification	NIL	NIL
8.5 Others	NIL	NIL

9 Corresponding figures for the previous year have been regrouped/rearranged, wherever necessary.

10 Schedules 1 to 25 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet as at 31/03/2018 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

As per our report even dated attached
For J.Singh & Associates
FRN - 110266W
Chartered Accountants

(Shalini Jain)
Partner
M. No. 406364

Place: Jaipur
Date: 30.05.2019

J. Singh & Associates FRN 110266W Chartered Accountants

A.O
NIAM, Jaipur

Director General
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
CONSOLIDATED RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED 31st March 2019

(Amount - Rs.)

RECEIPTS	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Current Year	Previous Year
I) Opening Balance			**I) Expenses**		
a) Cash in Hand	0.00	0.00	a) Establishment Expenses	337,19,435.00	285,95,546.00
b) Bank Balance			b) Other administrative & Insti. Maint. Expenses	552,22,220.24	642,49,837.60
i) In current/savings A/c	418,82,261.76	249,88,601.70	**c)Trg,P/F & Con,etc exps**		
ii) In deposit A/c	1602,68,110.00	1555,12,831.00	Trg,P/F & Con,etc exps(NIAM)	88,23,984.00	273,50,535.00
iii) In E-Bank A/c	10,000.00	10,000.00	Trg,P/F & Con,etc exps(MKT.INFRA)	0.00	0.00
			Trg,P/F & Con,etc exps(RGS)	0.00	0.00
II) Grant Received			Trg,P/F & Con,etc exps(FCRA)	-	535.00
a) From Govt. of India			Trg,P/F & Con,etc exps(PGDABM)	0.00	36,48,810.00
i) NIAM	958,37,000.00	609,99,000.00			
ii) MIS	0.00	0.00	**II) Payment made against fund**		
iii) CSS (RGS)	0.00	0.00	Advance for Training programmes (NIAM)	223,18,259.00	71,19,534.00
(iv) NAMA	0.00	0.00	Advance for Training programmes (RGS)	0.00	0.00
(v) MIDH	0.00	100,00,000.00	Advance for Training programmes (MKT.INFRA)	0.00	0.00
Transfer	0.00	0.00	Advance for Training programmes (FCRA)	0.00	0.00
			III) Investment and deposit made		
III) Income on Investment			a) Out of Earmarked/Endowment fund (Gratuity)	50,22,439.00	10,12,527.00
a) Earnmarked/Endow. Funds	0.00	0.00	b) Out of own fund	0.00	0.00
b) Own Fund	0.00	0.00			
			IV) Expenditure on Fixed Assets & CWIP		
IV) Interest Received			a) Purchase of Fixed Assets	8,69,993.00	34,30,520.00
a) On Bank Deposit	94,24,352.00	97,07,239.00	b) Expenditure on CWIP	0.00	56,32,079.00
b) Loan, Advances (Employees) etc.	0.00	0.00			
			V) Refund of surplus money/Loans		
V) Other Income			a) To the Govt of India	0.00	0.00
a) Fees for Service	258,13,842.00	125,56,983.00	b) To the State Govt.	0.00	0.00
b) Fees for PGDABM/& FCRA	344,87,672.00	335,13,353.00	c) To other provider of Funds/EMD	0.00	0.00
c) Misc. income	0.00	9,11,043.66	d) Caution Money	2,85,000.00	4,20,000.00
			e) Inter Transfer & Others	249,11,979.00	26,84,628.00
VI) Amount Borrowed	0.00	0.00	**VI) Finance Charge(Interest)**		
			Other Advances	219,35,520.00	0.00
VII) Any Other Receipt			Advance to Employees	37,53,702.00	15,18,145.00
a) Security / EMD Rece.	5,10,000.00	14,19,800.00	TDS	38,07,695.00	48,49,940.00
b) Advance received/recovered/inter transfer	56,69,036.84	424,73,888.00	O.S. Liabilities/others	101,57,966.55	108,33,408.00
c) Sale of vehicle	0.00	0.00	Security Deposit	4,50,000.00	8,95,000.00
d) Employee advance	0.00	0.00			
e) Others (Misc.Recoveries)	286,05,362.63	105,03,036.00	**VIII) Closing Balance**		
f) Gratuity	0.00	20,12,527.00	a) Cash in Hand	0.00	0.00
			b) Bank balance		
			i) In current/savings A/c	1489,26,657.44	418,82,261.76
			ii) In deposit A/c	622,92,787.00	1602,68,110.00
			iii) In E-Bank A/c	10,000.00	10,000.00
Total	**4025,07,637.23**	**3646,08,302.36**	**Total**	**4025,07,637.23**	**3646,01,416.36**

As per our report even dated attached
For J.Singh & Associates
FRN - 110266W
Chartered Accountants

(Shalini Jain)
Partner
M. No. 406364

Place: Jaipur
Date: 30.05.2019

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 110266W

Accounts Officer
NIAM, Jaipur

Director General
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2019

RECEIPTS	FCRA	PGDABM	NAMA	MIS	RGS	NIAM	Current Year	Previous Year
	1	2	3	4	5	6		
I.Opening Balance								
a) Cash in Hand							0.00	0.00
b) Bank Balance								
i) In current/ Savings A/c	6,72,549.89	85,88,300.10	-	13,366.09	14,02,164.88	312,05,880.80	418,82,261.76	249,88,601.70
ii) In deposit A/c	110,42,787.00	1246,43,744.00	0.00	0.00	0.00	245,81,579.00	1602,68,110.00	1555,12,831.00
iii) In E-Bank A/c	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10,000.00	10,000.00	10,000.00
II) Grant Received								
a) From Govt. of India								
i) NIAM						958,37,000.00	958,37,000.00	609,99,000.00
ii) MIS							0.00	0.00
iii) RGS							0.00	0.00
iv) NAMA							0.00	0.00
v) MIDH							0.00	100,00,000.00
III) Income on Investment								
a) Earmmarked/Endow. Funds							0.00	0.00
b) Own Fund							0.00	0.00
IV) Interest Received								
a) On Bank Deposit	0.00	80,43,626.00			3,827.00	13,76,899.00	94,24,352.00	97,07,239.00
b) Loan, Advances(Employees) etc.							0.00	0.00
V) Other Income								
a)Fees for service/ Scholarship						258,13,842.00	258,13,842.00	125,56,983.00
b)Fees from PGDABM & FCRA		344,87,672.00					344,87,672.00	335,13,353.00
c)Misc. income		-			0.00		0.00	9,11,043.66
VI) Amount Borrowed								
VII) Any Other Receipt								
a) Security / EMD Rece.		3,10,000.00				2,00,000.00	5,10,000.00	14,19,800.00
b) Advance received/recovered/inter transfer		8,33,301.84				48,35,735.00	56,69,036.84	424,73,888.00
c) Sale of vehicle								
d) Employee advance							0.00	0.00
e) Others (Misc.Recoveries)						286,05,362.63	286,05,362.63	105,03,036.00
f) Gratuity						0.00	0.00	20,12,527.00
Total	**117,15,336.89**	**1769,06,643.94**	**0.00**	**13,366.09**	**14,05,991.88**	**2124,66,298.43**	**4025,07,637.23**	**3646,08,302.36**

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 010266W

Accounts Officer
NIAM, Jaipur

Director General
NIAM, Jaipur

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
C.C.S. NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL MARKETING
Kota Road, Bambala, Jaipur - 302033
RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31st March 2019

PAYMENTS	FCRA	PGDABM	NAMA	MIS	RGS	NIAM	Current Year	Previous Year
	1	2	3	4	5	6		
I) Expenses								
a) Establishment Expenses						337,19,435.00	337,19,435.00	285,95,546.00
b) Other Administrative & Insti. Maint. Exp.	118.00	184,01,413.41		354.00	118.00	368,20,216.83	552,22,220.24	642,49,837.60
c) Traning PFI & Con. Etc. exp. (NIAM)	0.00					88,23,984.00	88,23,984.00	273,50,535.00
e) Traning PFI & Con. Etc. exp. (MIS)							0.00	0.00
f) Traning PFI & Con. Etc. exp. (RGS)							0.00	0.00
g) Traning PFI & Con. Etc. exp. (FCRA)	0.00						0.00	535.00
h) Traning & Education Program (PGDABM)							0.00	36,48,810.00
							0.00	0.00
II) Payment made against fund							0.00	0.00
for various project							0.00	0.00
Advance for Training programmes (RGS)							0.00	0.00
Advance for Training programmes (MIS)							0.00	0.00
Advance for Training programmes (FCRA)							0.00	0.00
Advance for Training programmes (NIAM)						223,18,259.00	223,18,259.00	71,19,534.00
							0.00	0
III) Investment and deposit made							0.00	0.00
a) Out of Eammarked/Endowment fund (Gratuity)						50,22,439.00	50,22,439.00	10,12,527.00
b) Out of own fund							0.00	0.00
IV) Expenditure on Fixed Assets & CWIP							0.00	0.00
a) Purchase of Fixed Assets		8,05,199.00				64,794.00	8,69,993.00	34,30,520.00
b) Expenditure on CWIP							0.00	56,32,079.00
							0.00	0.00
V) Refund of surplus money/Loans							0.00	0.00
a) To the Govt of India							0.00	0.00
b) To the State Govt.							0.00	0.00
c) To other provider of Funds(EMD)							0.00	0.00
d) Caution money		2,85,000.00					2,85,000.00	4,20,000.00
e) Inter Transfer & Others						249,11,979.00	249,11,979.00	28,84,628.00
							0.00	0.00
VI) Finance Charge(Interest)							0.00	0.00
other payments						5,000.00	5,000.00	6,886.00
e) other advances (CPWD)						219,35,520.00	219,35,520.00	0.00
a)O.S. Liabilities						101,52,966.55	101,52,966.55	108,33,408.00
b)Advance to Employees		6,58,178.00				30,95,524.00	37,53,702.00	15,18,145.00
c)Tds	0.00					38,07,695.00	38,07,695.00	48,49,940.00
d) Security Deposit						4,50,000.00	4,50,000.00	895000.00
VIII) Closing Balance								
a) Cash in Hand							0.00	0.00
b) Bank balance								
i) In current/Savings A/c	6,72,431.89	1326,06,853.53		13,012.09	10,05,873.88	146,28,486.05	1489,26,657.44	418,82,261.76
ii) In Time deposit A/c	110,42,787.00	241,50,000.00			4,00,000.00	267,00,000.00	622,92,787.00	1602,68,110.00
iii) In E-Bank A/c		0.00				10,000.00	10,000.00	10,000.00
Total	**117,15,336.89**	**1769,06,643.94**	**0.00**	**13,366.09**	**14,05,991.88**	**2124,66,298.43**	**4025,07,637.23**	**3646,08,302.36**

J. Singh & Associates Chartered Accountants FRN 110266W

Accounts Officer
NIAM, Jaipur

Director General
NIAM, Jaipur

FORM GFR 12 A

UC ID: 18219055

FORM GFR 12-A
[See Rule 238(1)]

Form of Utilization Certificate FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANIZATION

UTILIZATION CERTIFICATE FOR THE YEAR 2018-2019 in respect
of Recurring/non-recurring
GRANTS-IN-AID/SALARIES/CREATION OF CAPITAL ASSETS

1.Name of the Scheme : **INTEGRATED SCHEME ON AGRICULTURE MARKETING-9006**

2. Whether recurring pr non-recurring grants :N/A

3.Grants positions of the beginning of the Financial year :
(i.) Cash in Hand/Bank : **6683662.00**
(ii.) Unadjusted advances : **0.00**
(iii.) Total: **6683662.00**

4. Details of grants received,expenditure incurred and closing balances:(Actuals) :

Unspent Balances of Grants received yrs(1)	Interest Earned there On(2)	Interest deposited back to the Government(3)	Sanction Number	Sanction Date	Amount(Rs) (4)	Total Available funds(5)= (1+2-3+4)	Expenditure incurred(6)	Closing Balances(7)
0.00	0.00	0.00	G.20015/7 /2016-M.II (Vol.II)	01-06-2018	7290000.00	7290000.00	7290000.00	0.00
0.00	0.00	0.00	G.20015/7 /2016-M.II(Vol.II)	01-06-2018	3600000.00	3600000.00	3600000.00	0.00
0.00	0.00	0.00	G.20015/7 /2016-M.II (Vol.II)	02-11-2018	3600000.00	3600000.00	3600000.00	0.00
0.00	0.00	0.00	G-20015/6 /2015-M.II	18-10-2018	6545663.00	6545663.00	6545663.00	0.00 — DM1
0.00	0.00	0.00	G.20015/7 /2016-M.II (Vol.II)	02-11-2018	7290000.00	7290000.00	7290000.00	0.00
0.00	0.00	0.00	G.20015/7 /2016-M.II (vol.II)	01-06-2018	34110000.00	34110000.00	34110000.00	0.00
0.00	0.00	0.00	G.20015/7 /2016-M.II(Vol.II)	19-12-2018	5000000.00	5000000.00	5000000.00	0.00
6683662.00	0.00	0.00	G.20015/7 /2016-M.II (vol.II)	28-06-2018	825000.00	7508662.00	7508662.00	0.00
0.00	0.00	0.00	G.20015/7 /2016-M.II(vol.II)	28-06-2018	12000.00	12000.00	12000.00	0.00
0.00	0.00	0.00	G.20015/7 /2016-M.II (Vol.II)	02-11-2018	34110000.00	34110000.00	23105910.00	11004090.00
0.00	0.00	0.00	G-20015/10 /2016-M.II	11-03-2019	899600.00	899600.00	155700.00	743900.00 — DM1

Grant-in-aid-General	Grant-in-aid-Salary	Grant-in-aid-creation of capital assets	Total
59771692.00	38381449.00	64794.00	98217935.00

Details of grants position of the end of the year

3.Grants positions of the End of the Financial year :
(i.) Cash in Hand/Bank : **-1237962.00**
(ii.) Unadjusted advances : **12985952.00**
(iii.) Total : **11747990.00**

Certified that I have satisfied myself that the condition on which the grants-in-aid was sanctioned have been duly fulfilled/are being fulfilled and that I have exercised the following checks to see that the money was actually utilised for the purpose for which it was sanctioned.

1. The main accounts and other subsidiary accounts and registers(including assets registers) are maintained as prescribed in the relevant Act/Rules/Standing instructions (mention the Act/Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figues mentioned in financial statements/accouns.

2. There exist internal controls for safeguareding public funds/assets , watching outcomes and achiwevemnets of physical targets against the financial inputs,ensuring quality in asset creation etc. & the periodic evaluation internal controls is exercised to ensure their effectiveness.

3. To the best or our knowledge and belief . no transactions have been enterd that are in violation of relevant Act/Rules/Standing instructions and scheme guidelines.

4. The responsibilites among the key functionaries for execution of the schema have been assigned in clear terms and are not general in nature.

5. The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas/districts were guidelines and terms and conditios of the gaints-in-aid.

6. It has been ensured that the physical and financial performance under INTEGRATED SCHEME ON AGRICULTURE MARKETING-9006 (name of the scheme has
been according to the requirements , as prescribed in the guidelines issued by Govt. of india and the.
performane/targets achieved statement for the year to which the utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure- I duly enclosed.

7. The utlization of the fund resulted in outcomes given at Annexure -2 duly enclosed(to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements/specifications.)

8. Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the some Ministry or from other Ministries is enclosed at Annesxure-2 (to be formulated by the Minisry/Departments concerned as per their requirements/specifications).

Date : 29.07.19
Place : JAIPUR

Signature

Name... C. HARI DASAR

Chief Finance Officer
(Head of the Finance)

Signature

Name.....
Dr. P. Chandra Shekara
Head of the Organisation
Director General
C.C.S. National Institute of Agricultural Marketing
(An organization of Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India)
Kota Road, Bambala, Sanganer, Jaipur-302033

(Strike out in inapplicable terms)

print

अनुलग्नक – 8

वर्ष 2018–19 हेतु सी.सी.एस नियाम का शैक्षणिक कैलेंडर

क्र. सं.	अवधि	प्रशिक्षण की विषय–वस्तु (थीम)	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल/साझेदार संस्थान	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				राज्य	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.		
1	5 से 8 जून, 18	महाराष्ट्र में आयोजित एफ.पी.ओ, एमएसएएमबी के निदेशकों के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	डॉ. हेमा यादव	सी.सी.एस. नियाम	4 दिन	23	3	0	0	4	22	महाराष्ट्र	26
2	12 से 15 जून, 18	महाराष्ट्र में आयोजित एफ.पी.ओ, एमएसएएमबी के निदेशकों के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	डॉ. हेमा यादव	सी.सी.एस. नियाम	4 दिन	13	6	0	0	3	16	महाराष्ट्र	19
3	19 से 22 जून, 18	महाराष्ट्र में आयोजित एफ.पी.ओ, एमएसएएमबी के निदेशकों के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	डॉ. हेमा यादव	सी.सी.एस. नियाम	4 दिन	17	0	0	0	2	15	महाराष्ट्र	17
4	27 से 29 जून, 18	कृषि विपणन	डॉ. शुचि माथुर	सी.सी.एस. नियाम	3 दिन	10	0	0	0	8	2	उत्तर प्रदेश	10
5	2 से 4 अगस्त, 18	कृषि उपज की एकीकृत कृषि प्रणाली, प्रसंस्करण और विपणन	डॉ. एस.आर. सिंह	इम्फाएल	3 दिन	36	14	8	10	8	24	मणिपुर	50
6	3 अगस्त, 18	कृषि विकास– कृषि नवाचारों हेतु खोज	डॉ. रमेश मित्तिल एवं डॉ. श्रवण राज	मैनेज एवं सी.सी.एस. नियाम	1 दिन	30	0	0	0	0	30	राजस्थान	30
7	17 से 19 अगस्त, 18	कृषि उपज की एकीकृत कृषि प्रणाली, प्रसंस्करण और विपणन	डॉ. एस.आर. सिंह	केवीके, थूबाल	3 दिन	40	7	23	3	16	2	मणिपुर	47
8	14 अगस्त, 18	एन.आई.टी.टी.ई. विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि–प्रेन्योर शिखर सम्मेलन	डॉ. रमेश मित्तल	एन.आई.टी.टी.ई. मैंगलोर	1 दिन	150	125	30	40	60	145	कर्नाटक	275
9	29 से 31 अगस्त, 18	बागवानी उत्पादन का विपणन	डॉ.एस.आर. सिंह	एफपीसी ककचिंग	3 दिन	31	15	26	1	19	0	मणिपुर	46
10	4 से 5 सितंबर, 18	उद्यमिता और कृषि में तकनीकी शिक्षा के योगदान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।	डॉ. रमेश मित्तल एवं डॉ. मानसी माथुर	शंकरा प्रौद्योगिकी संस्थापन, जयपुर	2 दिन	64	40	10	13	19	22	राजस्थान	104
11	4 से 6 सितंबर, 18	कृषि विपणन	डॉ. शुचि माथुर	सी.सी.एस. नियाम	3 दिन	28	0	0	0	5	23	राजस्थान	28
12	6 से 8 सितंबर, 18	बागवानी उत्पादन का विपणन	डॉ.एस.आर. सिंह	युवा छात्रावास के.एल. आई	3 दिन	40	4	11	3	22	8	मणिपुर	44
13	10 से 12 सितंबर, 18	औषधीय और सुंगधित पौधों का प्रसंस्करण और विपणन	डॉ.एस.आर. सिंह	एमएसएमई/टीसी निलाकुथि	3 दिन	34	12	13	6	14	13	मणिपुर	46
14	10 से 14 सितंबर, 18	कृषि विपणन में नये आयाम	डॉ.एस.आर. सिंह	सी.सी.एस. नियाम	5 दिन	24	0	3	0	12	9	उत्तर प्रदेश	24

क्र. सं.	अवधि	प्रशिक्षण की विषय–वस्तु (थीम)	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल/साझेदार संस्थान	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				राज्य	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.		
15	11 सितंबर, 2018	डब्ल्यु.डी.आर.ए. जागरूकता प्रोग्राम	डॉ. मानसी माथुर	केवीके, चोमु, जयपुर	1 दिन	29	2	3	3	12	13	राजस्थान	31
16	18 से 20 सितंबर, 18	बाजार लेड विस्ताार	डॉ.एस.आर. सिंह	केवीके, थोयुबाल	3 दिन	31	10	4	3	24	10	मणिपुर	41
17	18 से 20 सितंबर, 18	सेब की फसल केंद्रित कृषि विपणन में नये आयामों पर बैनर प्रोग्राम	डॉ. रमेश मित्तल	एसकेएयूएसटी, श्रीनगर	3 दिन	45	18	0	0	0	63	जम्मू और कश्मीर	63
18	19 से 23 सितंबर, 18	सार्क देशों में किसानों की आय दोगुनी करने पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	महानिदेशक	काठमांडु, नेपाल	5 दिन	225	75	0	0	0	300	एसएएआरसीदेश	300
19	24 से 26 सितंबर, 18	औषधीय और सुंगधित पौधों का प्रसंस्करण और विपणन	डॉ.एस.आर. सिंह	केवीके युखरूल	3 दिन	9	32	0	41	0	0	मणिपुर	41
20	25 से 26 सितंबर, 18	कृषि व्यवसाय हेतु डिजिटल विपणन	डॉ. रमेश मित्तल	एन.आई.टी.टी.ई., मैंगलोर	2 दिन	23	15	1	0	7	30	कर्नाटक	38
21	1 से 3 अक्टूबर, 18	कृषि विपणन	डॉ.एस.आर. सिंह	आईसीएम, इम्फाल	3 दिन	40	8	8	4	28	8	मणिपुर	48
22	1 से 15 अक्टूबर, 18	फीड द फ्यूचर के तहत कृषि विपणन में मूल्य श्रृंखला और नवाचार : यूएसएआईडी का भारत त्रिकोणीय कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं श्री सत्येंद्र कुमार	सी.सी.एस. नियाम	15 दिन	26	4	0	0	0	30	राजस्थान	30
23	2 अक्टूबर, 18	डॉ. अशोक दलवई द्वारा किसानों की आय पर कृषि विज्ञान दीप व्याख्यान श्रृंखला–1	डॉ. हेमा यादव	सी.सी.एस. नियाम	1 दिन	110	40	0	0	0	150	राजस्थान	150
24	4 से 6 अक्टूबर, 18	बागवानी उत्पादन का विपणन	डॉ. रमेश मित्तल	तामुलपुर	3 दिन	0	33	7	20	2	4	असम	33
25	10 से 11 अक्टूबर, 18	फार्म गेट पर कृषि उत्पाद हेतु मूल्य वर्धन	डॉ. शुचि माथुर	एनएसटीआईएएम, कोलकाता	2 दिन	0	29	0	2	2	25	पश्चिम बंगाल	29
26	11 से 13 अक्टूबर, 18	कृषि विपणन	डॉ.एस.आर. सिंह	के.वी.के. आंद्रो	3 दिन	32	10	7	16	12	7	मणिपुर	42
27	13 अक्टूबर, 18	थोक बाजार के वर्ल्ड यूनियन के प्रतिनिधियों का अध्ययन सह एक्सपोजर दौरा	डॉ. हेमा यादव	सी.सी.एस. नियाम	1 दिन	70	30	0	0	0	100	राजस्थान	100
28	16 से 18 अक्टूबर,18	बाजार लेड विस्तार	डॉ.एस.आर. सिंह	खाबाम, आईसीटीसी, पूर्वी इम्फील	3 दिन	4	36	0	0	35	5	मणिपुर	40
29	22 से 24 अक्टूबर, 18	बाजार लेड विस्तार	डॉ.एस.आर. सिंह	एमएमएन लूर्नबाम, थोयुबाल	3 दिन	12	31	0	5	35	3	मणिपुर	43
30	29 से 31 अक्टूबर, 18	फूलों का विपणन	डॉ. रमेश मित्तल	मोरिनिओन	3 दिन	0	35	16	12	6	1	असम	35
31	30 अक्टूबर	कृषि विपणन में नये आयाम	डॉ.एस.आर. सिंह	इम्फाल	3 दिन	42	18	10	20	15	15	मणिपुर	60

क्र. सं.	अवधि	प्रशिक्षण की विषय–वस्तु (थीम)	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल/साझेदार संस्थान	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				राज्य	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.		
	से 1 नवंबर, 18												
32	15 से 16 नवंबर, 18	प्रोजेक्टन योजना एवं प्रबंधन	डॉ. शुचि माथुर	एनएसटीआईएएम, कोलकाता	2 दिन	23	0	2	1	5	15	पश्चिम बंगाल	23
33	20 नवंबर, 18	प्रो. के. नारायण गौड़ा–अध्यक्ष, आईएनएसईई द्वारा "एग्रीप्रेन्योरशिप के माध्यम से लाभदायक और सतत खेती" विषय पर कृषि विज्ञान दीप व्याख्यान श्रृंखला–2	डॉ. रमेश मित्तल एवं डॉ. मानसी माथुर	सी.सी.एस. नियाम	1 दिन	105	45	0	0	0	150	राजस्थान	150
34	22 नवंबर, 18	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	न्यूलैंड, दीमापुर	1 दिन	0	25	0	25	0	0	नागालैंड	25
35	23 नवंबर, 18	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	एमजीएम कॉलेज, दीमापुर	1 दिन	15	10	0	0	0	25	नागालैंड	25
36	26 नवंबर, 18	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	कालिनगर	1 दिन	0	35	0	35	0	0	मणिपुर	35
37	27 नवंबर, 18	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	बाबुपारा	1 दिन	20	15	0	35	0	0	मणिपुर	35
38	27 से 29 नवंबर, 18	कृषि विपणन में नये आयामों पर बैनर कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव	पीएएमईटीआई, लुधियाना	3 दिन	25	5	3	0	9	18	पंजाब	30
39	29 नवंबर, 18	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	विल्लिअमनगर	1 दिन	40	22	0	62	0	0	मेघालय	62
40	30 नवंबर, 18	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	मेंदीपठार	1 दिन	0	32	0	32	0	0	मेघालय	32
41	26 नवंबर से 5 दिसंबर, 18	राष्ट्र य फैसिलिएटॅर विकास कार्यक्रम	डॉ. विक्रम सिंह	सी.सी.एस. नियाम	10 दिन	15	1	3	1	2	10	राजस्थान	16
42	3 दिसंबर, 18	उद्यमिता विकास	डॉ.रमेश मित्तल	आइजोल	1 दिन	0	36	0	36	0	0	मिजोरम	36
43	3 से 5 दिसंबर, 18	बैनर कार्यक्रम : कपास की फसल पर केंद्रित कृषि विपणन में नये आयाम	डॉ. एस.आर. सिंह	एसडीएयू, दांतीवाड़ा	3 दिन	39	2	4	3	10	24	गुजरात	41
44	4 दिसंबर, 18	उद्यमिता विकास	डॉ. रमेश मित्तल	आइजोल	1 दिन	20	18	0	38	0	0	मिजोरम	38
45	4 से 6 दिसंबर, 18	जैविक उत्पाद का विपणन प्रबंधन	डॉ. शुचि माथुर	सी.सी.एस. नियाम	3 दिन	18	12	0	0	1	29	महाराष्ट्र	30
46	6 से 7 दिसंबर, 18	कृषि वस्तुओं (कमोडिटीज) हेतु मूल्य श्रृंखला विश्लेषण	श्री सत्येंद्र कुमार	एटीआई, मैसूर	2 दिन	21	4	5	2	8	10	कर्नाटक	25

क्र. सं.	अवधि	प्रशिक्षण की विषय–वस्तु (थीम)	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल/साझेदार संस्थान	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				राज्य	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.		
47	19 से 21 दिसंबर, 18	कृषि विपणन–सेक्टर केंद्रित में नये आयामों पर बैनर कार्यक्रम : जैविक उत्पाद का विपणन	डॉ. सतीश चंद्र पंत	आईजीकेवी, रायपुर	3 दिन	27	3	0	6	10	14	छत्तीसगढ़	30
48	21 दिसंबर एवं 14 से 18 जनवरी, 19	वेयरहाउस कामगारों की नौकरी में भूमिका प्रथम बैच	डॉ.एस.आर. सिंह	सी.सी.एस. नियाम	25 दिन	17	2	6	2	9	2	राजस्थान	19
49	21 दिसंबर एवं 14 से 18 जनवरी, 19	वेयरहाउस कामगारों की नौकरी की भूमिका प्रथम बैच	डॉ.एस.आर. सिंह	सी.सी.एस. नियाम	25 दिन	18	1	4	5	6	4	राजस्थान	19
50	26 दिसंबर एवं 18 से 19 जनवरी, 19	आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्र सहायक नौकरी की भूमिका	डॉ.एस.आर. सिंह	सी.सी.एस. नियाम	25 दिन	15	4	3	2	14	0	राजस्थान	19
51	19 से 21 दिसंबर, 18	पशुधन का विपणन	डॉ. रमेश मित्तल	कृषिभवन कानपारा, गुवाहटी	3 दिन	20	10	2	0	12	16	असम	30
52	22 से 23 दिसंबर, 18	गैर लकड़ी वन उपज हेतु बाजार विकास	डॉ. सतीश चंद्र पंत	आईजीकेवी, रायपुर	2 दिन	28	2	2	10	8	10	छत्तीसगढ़	30
53	27 से 28 दिसंबर, 18	महाराष्ट्र में मक्काल फ्रेम वर्क कवरेज और जोखिम पर विपणन	डॉ. सतीश चंद्र पंत	वनामती, नागपुर	2 दिन	22	3	5	3	11	6	महाराष्ट्र	25
54	27 से 29 दिसंबर, 18	सब्जियों का विपणन	डॉ. रमेश मित्तल	मोमाई तमुली बोरबोरुआ सभागार, गुवाहटी	3 दिन	20	10	1	1	14	14	असम	30
55	31 दिसंबर, 18	प्रो. सुखपाल सिंह द्वारा कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग पर कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान श्रृंखला–3	श्री सत्येंद्र कुमार	सी.सी.एस. नियाम	1 दिन	110	40	0	0	0	150	राजस्थान	150
56	3 से 4 जनवरी, 19	ई–नाम : क्यों, कैसे और चुनौतियां	श्री सत्येंद्र कुमार	एसएएमईटीआई, कोलकाता	2 दिन	46	4	4	3	4	39	पश्चिम बंगाल	50
57	10 जनवरी, 19	श्री ज्ञानेश्वर बोडके द्वारा "डायरेक्टोर विपणन" पर कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान श्रृंखला–4	डॉ. सतीश चंद्र पंत	सी.सी.एस. नियाम	1 दिन	80	50	0	0	0	130	राजस्थान	130
58	10 से 12 जनवरी, 19	मसालों का विपणन	डॉ. रमेश मित्तल	मोमाई तमुली बोरबोरुआ सभागार, गुवाहटी	3 दिन	15	13	1	3	12	12	असम	28
59	11 से 13 जनवरी, 19	एफ.पी.ओ. के पोस्टन हार्वेस्टप प्रबंधन एवं विपणन लिंकेज पर कार्यशाला	डॉ. शुचि माथुर	जोरबात, कालिमंदिर	3 दिन	34	2	2	0	7	27	असम	36

क्र. सं.	अवधि	प्रशिक्षण की विषय–वस्तु (थीम)	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल/साझेदार संस्थान	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				राज्य	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.		
60	16 से 18 जनवरी, 19	एफ.पी.ओ. के पोस्टर हार्वेस्टप मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज पर कार्यशाला	डॉ. शुचि माथुर	कालुजान, गोलाघाट	3 दिन	43	0	0	9	29	5	असम	43
61	16 से 17 जनवरी, 19	कृषि विपणन और उद्यमी विकास	डॉ. सतीश चंद्र पंत	एसआईएमए, लखनऊ	2 दिन	28	2	7	0	9	14	उत्तर प्रदेश	30
62	17 से 19 जनवरी, 19	कृषि पर्यटन	डॉ. हेमा यादव	ग्वाएलियर	3 दिन	22	8	5	4	4	17	उत्तर प्रदेश	30
63	18 से 19 जनवरी, 19	कृषि वस्तुओं (कमोडिटीज) हेतु मूल्य श्रृंखला विश्लेषण	श्री सत्येंद्र कुमार	ईईआई, जोरहट	2 दिन	14	13	0	5	13	9	असम	27
64	19 से 21 जनवरी, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	पाकघोर, गोलाघाट	3 दिन	39	3	0	3	30	9	असम	42
65	22 से 23 जनवरी, 19	साइट्रस का विपणन : एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य	डॉ. सतीश चंद्र पंत	किसान भवन देहरादून	2 दिन	25	6	3	0	6	22	उत्तराखंड	31
66	23 से 25 जनवरी, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्टप मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	आदिवासी अनुसंधान केंद्र, गोलपाड़ा	3 दिन	19	21	0	36	2	2	असम	40
67	23 से 25 जनवरी, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	भूरगाँव, मोरीगाँव	3 दिन	0	43	43	0	0	0	असम	43
68	27 से 29 जनवरी, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	एल.पी. स्कूल, एमजिंग, कामरूप	3 दिन	42	3	0	3	10	32	असम	45
69	28 से 30 जनवरी, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	समुगुरी, नागांव	3 दिन	31	12	5	0	11	27	असम	43
70	29 जनवरी से 1 फरवरी, 19	उद्यमिता विकास कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	मेटाजिबेमा	4 दिन	20	32	0	52	0	0	नागालैंड	52
71	29 से 31 जनवरी, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	मियाओ	3 दिन	39	3	0	33	0	9	अरुणाचल प्रदेश	42
72	1 से 3 फरवरी, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	उदलगुड़ी	3 दिन	30	10	0	34	5	1	असम	40
73	2 से 4 फरवरी, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	मोरीगांव	3 दिन	17	24	10	12	14	5	असम	41
74	5 से 7 फरवरी, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	एसडीएओ कार्यालय ग्रोस्सैगांव, कोकराझार	3 दिन	41	1	0	26	11	5	असम	42
75	5 से 7 फरवरी, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	शांतिपुर, सादिया, तिनसुकिया	3 दिन	0	42	1	14	26	1	असम	42
76	6 से 8	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	पेरेन	3 दिन	38	3	0	0	0	41	नागालैंड	41

क्र. सं.	अवधि	प्रशिक्षण की विषय–वस्तु (थीम)	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल/साझेदार संस्थान	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				राज्य	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.		
	फरवरी, 19												
77	7 से 8 फरवरी, 19	उच्च मूल्य के खाद्य की ब्रांडिंग	डॉ. शुचि माथुर	कोलार	2 दिन	54	0	2	0	7	45	कर्नाटक	54
78	7 से 9 फरवरी, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्टम हार्वेस्टप मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	खोवांग, डिब्रूगढ़	3 दिन	36	6	5	12	20	5	असम	42
79	11 से 13 फरवरी, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	शेली, पासीघाट	3 दिन	34	7	1	39	0	1	अरुणाचल प्रदेश	41
80	1 से 3 फरवरी , 19	कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विपणन रणनीतियां	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	आईआईटीएम, नोएडा	3 दिन	21	4	0	0	0	25	उत्तर प्रदेश	25
81	12 से 13 फरवरी, 19	कृषि विपणन एवं उद्यम विकास	डॉ. सतीश चंद्र पंत	एएयू, जोरहाट	2 दिन	24	6	5	8	7	10	असम	30
82	12 से 14 फरवरी, 19	किसानों को बाजार से जोड़ना	डॉ. एस.आर. सिंह	थोयुबाल	3 दिन	0	28	8	20	0	0	मणिपुर	28
83	13 फरवरी, 19	उत्पादकता वृद्धि तकनीक	डॉ. शुचि माथुर	सी.सी.एस. नियाम	1 दिन	18	2	0	2	2	16	राजस्थान	20
84	13 से 15 फरवरी, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्टप मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	तेतिला,सोनपुर, कमरूप	3 दिन	26	12	4	25	6	9	असम	38
85	15 से 17 फरवरी, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	बारपेटा	3 दिन	39	0	3	0	0	36	असम	39
86	17 से 19 फरवरी, 19	कृषि विकास सम्मेलन और मेगा कृषि एक्सेपो 2019 में "कृषि विकास और उभरती चुनौतियों हेतु विजन" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	महानिदेशक	केवीके मधुबानी, बिहार	3 दिन	800	200	0	0	0	1000	बिहार	1000
87	18 से 20 फरवरी, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	उनाकोटी	3 दिन	30	8	7	31	0	0	त्रिपुरा	38
88	18 से 20 फरवरी, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	उत्तरी लखीमपुर	3 दिन	27	18	0	34	3	8	असम	45
89	19 फरवरी, 19	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	एनआरईटीसी, अगरतला	1 दिन	15	10	0	0	0	25	त्रिपुरा	25
90	20 से 22 फरवरी, 19	कृषि उपज हेतु विपणन बढ़ाने के लिए ई–नाम और मॉडल एपीएलएम अधिनियम	डॉ. एस.आर. सिंह	ककचिंग	3 दिन	23	6	12	17	0	0	मणिपुर	29
91	20 फरवरी, 19	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	खोवाई	1 दिन	15	10	10	15	0	0	त्रिपुरा	25
92	21 फरवरी, 19	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	शांतीबाजार	1 दिन	0	30	0	30	0	0	त्रिपुरा	30

क्र. सं.	अवधि	प्रशिक्षण की विषय–वस्तु (थीम)	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल/साझेदार संस्थान	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				राज्य	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.		
93	21 से 23 फरवरी, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्टप मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	लेम्बुचारा, पश्चिम	3 दिन	34	3	19	2	16	0	त्रिपुरा	37
94	21 से 23 फरवरी, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्टप मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	बोको, कामरूप	3 दिन	0	43	3	40	0	0	असम	43
95	21 से 22 फरवरी, 19	एफ.पी.ओ. हेतु व्यवसाय योजना	डॉ. शुचि माथुर	बंगलुरु	2 दिन	36	0	5	0	6	25	कर्नाटक	36
96	22 से 23 फरवरी, 19	कृषि वस्तुओं (कमोडिटीज) का जोखिम प्रबंधन एवं आधुनिक विपणन प्रणाली	श्री सत्येंद्र कुमार	पीएएमईटीआई, लुधियाना	2 दिन	25	0	5	0	1	19	पंजाब	25
97	23 फरवरी, 19	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तसल	अमोनी, नागांव	1 दिन	20	13	0	33	0	0	असम	33
98	25 फरवरी, 19	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तसल	पासीघाट	1 दिन	13	20	0	33	0	0	अरुणाचल प्रदेश	33
99	25 से 27 फरवरी, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	बेंगनती, नागांव	3 दिन	3	39	12	0	1	29	असम	42
100	25 से 27 फरवरी, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	तमुलपुर, बक्साव	3 दिन	31	11	8	29	3	2	असम	42
101	25 से 27 फरवरी, 19	विकास पेशेवरों हेतु नैतिकता	डॉ. विक्रम सिंह एवं डॉ. सतीश चंद्र पंत	एसएएमईटीआई रांची	3 दिन	31	4	5	4	20	6	झारखंड	35
102	25 से 26 फरवरी, 19	एफ.पी.ओ. के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देना	डॉ. शुचि माथुर	अगरतला	2 दिन	10	25	2	0	25	8	त्रिपुरा	35
103	25 से 26 फरवरी, 19	कृषि परियोजना की निगरानी और मूल्यांकन	डॉ. शुचि माथुर	अगरतला	2 दिन	27	3	1	7	21	1	त्रिपुरा	30
104	26 से 27 फरवरी, 19	ई–नाम : क्यों, कैसे और चुनौतियां	श्री सत्येंद्र कुमार	एसएएमटीआई, शिमला	2 दिन	9	16	3	0	3	19	हिमाचल प्रदेश	25
105	27 फरवरी, 19	उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. रमेश मित्तल	रुकसिन	1 दिन	10	20	0	30	0	0	अरुणाचल प्रदेश	30
106	28 फरवरी से 2 मार्च, 19	बागवानी फसल और विपणन के बाद हार्वेस्टब प्रबंधन	डॉ. एस.आर. सिंह	सेनापाति	3 दिन	27	3	0	30	0	0	मणिपुर	30
107	28 फरवरी से 2 मार्च, 19	बैनर कार्यक्रम– कृषि विपणन में नये आयाम	डॉ. विक्रम सिंह एवं डॉ. सतीश चंद्र पंत	एसएएमईटीआई रांची	3 दिन	29	6	4	7	12	12	झारखंड	35

क्र. सं.	अवधि	प्रशिक्षण की विषय–वस्तु (थीम)	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल/साझेदार संस्थान	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				राज्य	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.		
108	28 फरवरी से 2 मार्च, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्टप मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज	डॉ. शुचि माथुर	बर्मा, बक्सा	3 दिन	0	41	0	41	0	0	असम	41
109	4 से 6मार्च, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज पर कार्यशाला	डॉ. शुचि माथुर	सादिया, तिनसुकिया	3 दिन	36	4	13	0	11	16	असम	40
110	4 से 13 मार्च, 19	राष्ट्रीय फैसिलिएटॅर विकास कार्यक्रम	डॉ. विक्रम सिंह	सी.सी.एस. नियाम	10 दिन	13	1	0	1	2	11	राजस्थान	14
111	5 से 7 मार्च, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्टप मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज पर कार्यशाला	डॉ. शुचि माथुर	जोरहाट	3 दिन	21	14	7	1	16	11	असम	35
112	5 से 6 मार्च, 19	एफ.पी.ओ. का परियोजना मूल्यांकन	डॉ. शुचि माथुर	गुवाहटी	2 दिन	45	5	3	40	0	2	असम	50
113	6 से 7 मार्च, 19	कृषि व्यवसाय के लिए ई–कॉमर्स रणनीति	डॉ. रमेश मित्तचल	एन.आई.टी.टी.ई., मैंगलोर	2 दिन	10	14	0	0	0	24	कर्नाटक	24
114	7 से 9 मार्च, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	बिजनि, चिरांग	3 दिन	35	5	18	1	6	15	असम	40
115	7 से 9 मार्च, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	जोरहाट	3 दिन	14	9	5	1	11	6	असम	23
116	7 से 9 मार्च, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	डिब्रूगढ़	3 दिन	38	6	26	4	12	0	असम	42
117	7 से 9 मार्च, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	बोको, कामरुप(आर)	3 दिन	23	18	35	5	1	0	असम	41
118	9 मार्च, 19	ए.पी.एम.एल. अधिनियम पर कार्यशाला	डॉ. रमेश मित्तल	डीएमआई, हैदराबाद	1 दिन	34	30	0	0	0	64	तेलंगाना	64
119	11 से 13 मार्च, 19	बैनर कार्यक्रम–सटीक कृषि में कृषि विपणन फोकस सेक्टर–विपणन में नया आयाम	श्री सत्येंद्र कुमार	सीएआरडी, टीएनएयू, कोयम्बूटूर	3 दिन	19	11	5	2	10	13	तमिलनाडु	30
120	11 से 13 मार्च, 19	औषधीय और सुगंधित पौधों का प्रसंस्करण एवं विपणन	डॉ. एस.आर. सिंह	चुरचांदपुर	3 दिन	21	11	0	32	0	0	मणिपुर	32
121	11 से 13 मार्च, 19	एफ.पी.ओ. का पोस्ट हार्वेस्टप मैनेजमेंट एवं मार्केटिंग लिंकेज पर कार्यशाला	डॉ. शुचि माथुर	आरआरटीसी, उमरान, बारापानी	3 दिन	18	22	40	0	0	0	मेघालय	40
122	13 से 15 मार्च, 19	कृषि व्यवसाय और उद्यमिता विकास	डॉ. शुचि माथुर	टेटेलिया, सोनापुर, कामरूप	3 दिन	0	40	0	0	40	0	असम	40
123	18 मार्च, 19	श्री एस.के.गोयल (सेवानिवृत्त आईएएस) द्वारा "किसान उत्पादक संगठनों को बाजार से जोड़ना" पर कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान 5	डॉ. शुचि माथुर	सी.सी.एस. नियाम	1 दिन	80	50	0	0	0	130	राजस्थान	130
124	18 से 20	चाय का विपणन	डॉ. रमेश मित्तल	गुवाहटी	3 दिन	42	0	14	7	21	0	असम	42

क्र. सं.	अवधि	प्रशिक्षण की विषय–वस्तु (थीम)	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल/साझेदार संस्थान	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				राज्य	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.		
	मार्च, 19												
125	18 से 20 मार्च, 19	विकास पेशेवरों हेतु सार्वजनिक निजी साझेदारी	डॉ. विक्रम सिंह	ईईआई, जोरहाट	3 दिन	17	9	1	8	7	10	असम	26
126	22 मार्च, 19	श्री पी.के. स्वैन, जे.एस (मार्केटिंग) जी.ओ.आई. द्वारा " ई–नाम : एक राष्ट्री, एक बाजार" पर कृषि ज्ञान दीप व्याख्यान 6	श्री सत्येंद्र कुमार	सी.सी.एस. नियाम	1 दिन	80	50	0	0	0	130	राजस्थान	130
127	22 से 23 मार्च, 19	शीतोष्ण फलों का विपणन : एक मूल्य श्रृंखला परिप्रेक्ष्य	डॉ. सतीश चंद्र पंत	बागवानी विज्ञान और वनिकी का वाईएसपीयू, सोलन	2 दिन	19	10	8	1	1	19	हिमाचल	29
128	25 से 28 मार्च, 19	विपणन अनुसंधान एवं डिजिटल विश्लेषणात्मक	डॉ. हेमा यादव	आईआईपीएम, बैंगलौर	3 दिन	20	5	1	1	0	23	कर्नाटक	25
129	26 से 27 मार्च, 19	कृषि वस्तुओं (कमोडिटीज) का जोखिम प्रबंधन और आधुनिक विपणन प्रणाली	श्री सत्येंद्र कुमार	केएसएएमबी हुबली	2 दिन	24	8	3	1	13	15	कर्नाटक	32
130	26 से 28 मार्च, 19	विकास पेशेवरों हेतु कार्य नैतिकता	डॉ. विक्रम सिंह	एसआईएमए, लखनऊ	3 दिन	25	2	0	9	7	11	उत्तर प्रदेश	27
131	29 मार्च, 19	कृषि ऊष्मायन (इन्क्यूबेस) आर–एबीआई (वेबिनार)	डॉ. रमेश मित्तल	सी.सी.एस. नियाम	1 दिन	20	5	2	0	5	18	राजस्थान	25
												कुल	6805

वर्ष 2018–19 में डब्ल्यु.डी.आर.ए हेतु संचालित परामर्श

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				श्रेत्र	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.	एन.ई.	
1	26 से 30 जून, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. एक्जीक्यूटिव हेतु वेयरहाउस विकास	डॉ. शुचि माथुर	सी.सी.एस. नियाम	5 दिन	35	0	1	1	0	33	राजस्थान	35
2	23 अगस्त, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. सतीश चंद्र पंत	केवीके सोनीपत	1 दिन	47	0	3	0	2	42	हरियाणा	47
3	24 अगस्त, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. पर जागरूकता कार्यक्रम	श्री सत्येंद्र कुमार एडी	केवीके जालंधर	1 दिन	48	4	10	2	20	20	पंजाब	52
4	27 से 31 अगस्त, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. एक्जीक्यूटिव हेतु वेयरहाउस विकास	श्री सत्येंद्र कुमार एडीएवं डॉ. शुचि माथुर	यूआरआईसीएम, गांधीनगर	5 दिन	25	0	2	0	5	18	गुजरात	25
5	17 सितंबर, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. मानसी माथुर	केयुएमएसकुकेरखेडा	1 दिन	32	0	0	1	0	31	राजस्थान	32
6	25 से 29 सितंबर, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. एक्जीक्यूटिव हेतु वेयरहाउस विकास	डॉ. शुचि माथुर	सी.सी.एस. नियाम	5 दिन	20	0	2	2	7	9	राजस्थान	20
7	28 सितंबर, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. सतीश चंद्र पंत	केवीके भिवानी	1 दिन	49	1	5	0	6	39	हरियाणा	50
8	8 से 12 अक्टूबर, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. एक्जीक्यूटिव हेतु वेयरहाउस विकास	डॉ. शुचि माथुर	यूआरआईसीएम, गांधीनगर	5 दिन	25	0	1	0	8	16	गुजरात	25
9	29 अक्टूबर से 2 नवंबर, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. एक्जीक्यूटिव हेतु वेयरहाउस विकास	डॉ. शुचि माथुर	सी.सी.एस. नियाम	5 दिन	19	1	0	0	8	12	राजस्थान	20
10	3 नवंबर, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. सतीश चंद्र पंत	केवीके सिरसा	1 दिन	47	10	16	0	16	25	हरियाणा	57
11	27 नवंबर, 18	डब्ल्यु.डी.आर.ए. पर जागरूकता कार्यक्रम	श्री सत्येंद्र कुमार एडी	केवीके सामराला	1 दिन	51	0	5	0	12	34	पंजाब	51
12	24 जनवरी, 19	डब्ल्यु.डी.आर.ए. पर जागरूकता कार्यक्रम	श्री सत्येंद्र कुमार एडी	केवीके अबोहार	1 दिन	17	0	2	0	5	10	पंजाब	17
13	29 जनवरी, 19	डब्ल्यु.डी.आर.ए. पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	हनुमानगढ़	1 दिन	45	0	5	5	0	35	राजस्थान	45
14	14 फरवरी, 19	डब्ल्यु.डी.आर.ए. पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	नागपुर	1 दिन	39	0	2	5	2	30	राजस्थान	39
15	15 फरवरी, 19	डब्ल्यु.डी.आर.ए. पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	जोधपुर	1 दिन	40	0	5	1	8	26	राजस्थान	40

वर्ष 2018–19 के दौरान कृषि विपणन आधारिक संरचना (एएमआई) योजना हेतु परामर्श

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				श्रेत्र	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.	एन.ई.	
1	15 फरवरी, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	पालामु	1 दिन	41	2	1	6	22	14	झारखंड	43
2	15 फरवरी, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	बोकारो	1 दिन	38	2	6	3	19	12	झारखंड	40
3	15 फरवरी, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	पूर्वी सिंघभूम	1 दिन	34	6	9	5	24	2	झारखंड	40
4	15 फरवरी, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	धनबाद	1 दिन	47	5	5	24	7	16	झारखंड	52
5	15 फरवरी, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	पाकुर	1 दिन	34	6	16	20	0	4	झारखंड	40
6	15 फरवरी, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	गिरिडीह	1 दिन	30	10	1	37	0	2	झारखंड	40
7	15 फरवरी, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	गुमला	1 दिन	38	6	1	20	13	9	झारखंड	43
8	15 फरवरी, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	साहेबगंज	1 दिन	50	7	0	10	39	8	झारखंड	57
9	13 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	गोलपाड़ा	1 दिन	38	2	5	1	0	35	असम	40
10	14 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	कामरुप	1 दिन	38	5	5	5	3	30	असम	41
11	15 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	बारपेटा	1 दिन	45	5	5	5	10	30	असम	50
12	16 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	डिब्रूगढ़	1 दिन	38	4	5	5	2	30	असम	42
13	18 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	होजाई	1 दिन	35	0	1	1	0	33	असम	35
14	18 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	जोरहाट	1 दिन	32	0	1	2	0	29	असम	32
15	19 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	कोकरझार	1 दिन	35	0	1	1	0	33	असम	35
16	20 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	कचार	1 दिन	38	2	5	1	0	35	असम	40

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				श्रेत्र	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.	एन.ई.	
17	25 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	बारागढ़	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
18	25 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	कोरापुट	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
19	25 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	नयागढ़	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
20	26 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	हूगली	1 दिन	40	0	2	2	6	30	पश्चिम बंगाल	40
21	26 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	अनुगल	1 दिन	36	4	2	2	6	30	ओडिशा	40
22	26 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	कालाहांडी	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
23	27 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	उत्तर 24 परगनास	1 दिन	40	0	2	3	5	30	पश्चिम बंगाल	40
24	27 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	जयपुर	1 दिन	36	4	2	2	6	30	ओडिशा	40
25	28 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	हावड़ा	1 दिन	38	2	1	1	5	33	पश्चिम बंगाल	40
26	28 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	नाडिया	1 दिन	38	2	5	2	5	28	पश्चिम बंगाल	40
27	28 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	नवादा	1 दिन	36	4	2	2	6	30	बिहार	40
28	29 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	माधोपुर	1 दिन	38	2	5	1	0	35	बिहार	40
29	28 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	मणिपुर	1 दिन	38	2	5	1	0	35	पूर्वी इम्फाल	40
30	28 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	पुरी	1 दिन	36	4	2	2	6	30	ओडिशा	40
31	29 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	दक्षिण 24 परगनास	1 दिन	40	0	5	5	1	29	पश्चिम बंगाल	40
32	29 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	खोरधा	1 दिन	36	4	2	2	6	30	ओडिशा	40
33	30 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	कटक	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				श्रेत्र	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.	एन.ई.	
34	26 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	कांढमाल	1 दिन	38	2	5	1	0	35	ओडिशा	40
35	12 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	भागलपुर	1 दिन	38	2	5	1	0	35	बिहार	40
36	19 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	खगडिया	1 दिन	26	4	2	2	6	30	बिहार	40
37	27 मार्च, 19	कृषि विपणन आधारिक संरचना योजना पर जागरूकता कार्यक्रम	डॉ. हेमा यादव एवं सुश्री शिखा	सेहरसा	1 दिन	38	2	5	1	0	35	बिहार	40

वर्ष 2018–19 के दौरान कृषि विपणन आधारिक संरचना (एएमआई) योजना हेतु परामर्श

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम निदेशक	स्थल	अवधि	लैंगिक		सामाजिक श्रेणी				श्रेत्र	कुल
						पुरुष	महिला	एस.सी	एस.टी	ओ.बी.सी	सामा.	एन.ई.	
1	7 से 8 फरवरी, 19	नीति समर्थन एवं आय बढ़ाने की तकनीक, एंटरप्राइजेज इन रैन फेड फार्मिंग	डॉ. एन.एस. रनावत	के.वी.के., चुरु, राजस्थान	2 दिन	35	5	4	0	20	16	राजस्थान	40
2	12 से 13 फरवरी, 19	नीति समर्थन एवं आय बढ़ाने की तकनीक, एंटरप्राइजेज इन रैन फेड फार्मिंग	डॉ. एन.एस. रनावत	के.वी.के. नागौर	2 दिन	59	4	7	2	36	18	राजस्थान	63
3	18 से 19 फरवरी, 19	नीति समर्थन एवं आय बढ़ाने की तकनीक, एंटरप्राइजेज इन रैन फेड फार्मिंग	डॉ. एन.एस. रनावत	के.वी.के. अजमेर	2 दिन	32	8	7	3	17	13	राजस्थान	40
4	26 से 27 फरवरी, 19	नीति समर्थन एवं आय बढ़ाने की तकनीक, एंटरप्राइजेज इन रैन फेड फार्मिंग	डॉ. एन.एस. रनावत	के.वी.के. जैसलमेर	2 दिन	48	0	12	9	4	23	राजस्थान	48

NIAM

सी.सी.एस. राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (सी.सी.एस. नियाम)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
जयपुर, राजस्थान, भारत
फोन: 0141-2795101, 2795104
www.ccsniam.gov.in